हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,शनिवार | 09 नवम्बर 2024 | वर्ष : 02 | अंक :173 | पृष्ठ -14 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

नो कर्फ्यू, नो दंगा, यूपी में सब चंगा:योगी

एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज मुरादाबाद में आयोजित एक सार्वजनिक रैली में समाजवादी पार्टी पर तीखा वार किया। इसके साथ ही उन्होंने सपा कार्यकाल के दौरान प्रगति का विरोध करने और अराजकता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। रैली के दौरान बोलते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी और उसके नेताओं पर कई आरोप लगाए। उन्होंने मुख्य रूप से पार्टी की दृष्टि में व्याप्त अराजकता और अपराध की संस्कृति पर जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने जोर देते हुए कहा कि नो कर्फ्यू, नो दंगा, यूपी में सब चंगा है। योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी को समाज को लाभ पहुंचाने वाले किसी भी अच्छे काम से दिक्कत है। अगर कोई सपा का झंडा लगी गाड़ी देखता है तो समझ लेता है कि इसमें कोई बड़ा गुंडा होगा। उन्होंने कहा कि अगर आपको उनका संस्कार देखना है तो उनके सोशल मीडिया हैंडल्स देख लीजिए। सभ्य समाज में ऐसे लोगों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी का सामाजिकता से कोई लेना-देना नहीं है। उन्हें जीवन के मूल्य से कोई सरोकार नहीं है; उन्हें किसानों से कोई सरोकार नहीं है।

हाथ जोड़ते वक्त पूरी गर्दन भी झुका ली, कहा-

कल से मैं न्याय नहीं दे पाऊंगा, लास्ट वर्किंग डे पर CJI भावुक विदाई संदेश

न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ का कार्यकाल दो साल से थोड़ा अधिक का रहा। अपने कार्यकाल के दौरान, वाईवी चंद्रचूड़ ने संजय गांधी को फिल्म ₹किस्सा कुर्सी का₹ के एक मामले में जेल की सजा सुनाई थी।

एजेंसी

नई दिल्ली:8 नवंबर, भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में डीवाई चंद्रचूड़ के कार्यकाल का अंतिम दिन था। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को न्यायिक सेवा से सेवानिवृत्त होने पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में औपचारिक विदाई दी गई। अपने अंतिम कार्य दिवस पर डीवाई चंद्रचूड़ ने कृतज्ञता और विनम्रता के साथ अपनी न्यायिक यात्रा पर विचार साझा किया। व्यक्तिगत विचार साझा करते हुए उन्होंने अपने सहयोगियों और कानूनी बिरादरी के सदस्यों से भरे एक अदालत कक्ष को संबोधित किया। निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश ने उन लोगों से भी माफी मांगी जो उनसे अनजाने में आहत हुए थे।9 नवंबर, 2022 को पदभार ग्रहण करने वाले मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने अपना दो साल का कार्यकाल समाप्त होने के बाद न्यायिक सेवा को अलविदा कह दिया। उन्होंने पिछली शाम अपने रजिस्ट्रार ज्यूडिशियल के साथ एक हल्के-फुल्के पल को याद किया और साझा किया। उन्होंने कहा कि जब मेरे रजिस्ट्रार ज्यूडिशियल ने मुझसे पूछा कि समारोह किस समय शुरू होना चाहिए, तो मैंने दोपहर 2 बजे कहा, यह सोचकर कि इससे हमें बहुत सारे लंबित मुद्दों को निपटाने की अनुमति मिल जाएगी। लेकिन मैंने मन ही मन सोचा-क्या शुक्रवार की दोपहर 2 बजे वास्तव में कोई यहाँ होगा? उन्होंने अपने न्यायिक करियर पर विचार किया और न्यायाधीशों की भूमिका को तीर्थयात्रियों के समान बताया, जो सेवा करने की प्रतिबद्धता के साथ हर दिन अदालत आते हैं। उन्होंने कहा कि हम जो काम करते हैं वह मामले बना या बिगाड़ सकता है। अगर मैंने कभी अदालत में किसी को ठेस पहुंचाई है, तो कृपया मुझे उसके लिए माफ कर दें। उन्होंने जैन वाक्यांश "मिच्छामी दुक्कड़म" का हवाला देते हुए कहा, जिसका अनुवाद है मेरे सभी भूल को माफ कर दिए जाएं।

CJI चंद्रचूड़ हो गए रिटायर, इन 5 फैसलों के लिए हमेशा किए जाएंगे याद

8 नवंबर भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में डीवाई चंद्रचूड़ के कार्यकाल का अंतिम दिन था। अपने अंतिम कार्य दिवस पर डीवाई चंद्रचूड़ ने कृतज्ञता और विनम्रता के साथ अपनी न्यायिक यात्रा पर विचार साझा किया। इस दौरान वो भावुक भी नजर आए। उन्होंने कहा कि अगर मैंने कभी अदालत में किसी को ठेस पहुंचाई है, तो कृपया मुझे उसके लिए माफ कर दें। पूर्व सीजेआई वाईवी चंद्रचूड़ के बेटे के रूप में चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया के पद तक पहुंचने वाले पिता-पुत्र की एकमात्र जोड़ी रही थी। न्यायमूर्ति वाईवी चंद्रचूड़ को 1978 में सीजेआई के पद पर नियुक्त किया गया था और वह 1985 में सेवानिवृत्त हुए थे। उन्होंने इस पद पर सात साल के सबसे लंबे कार्यकाल तक सेवा की हैं। उनके बेटे, न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ का कार्यकाल दो साल से थोड़ा अधिक का रहा। अपने कार्यकाल के दौरान, वाईवी चंद्रचूड़ ने संजय गांधी को फिल्म "किस्सा कुर्सी का" के एक मामले में जेल की सजा सुनाई थी। ऐसे में आपको जस्टिस चंद्रचूड़ के कुछ ऐतिहासिक फैसलों के बारे में बताते हैं।

महिलाओं के खिलाफ टिप्पणी पड़ेगी भारी! नाराज CEC ने अधिकारियों को दिए कार्रवाई के निर्देश

एजेंसी

महाराष्ट्र: मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने शुक्रवार को चुनाव अभियान के दौरान महिला नेताओं के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणियों की निंदा की। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों से समय पर और कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। सीईसी के निर्देश महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले जिला चुनाव अधिकारियों, पुलिस आयुक्तों, एसपी, नगर निगम आयुक्तों और रिटर्निंग अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक के दौरान दिए गए। सीईसी ने कथित तौर पर अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि राजनीतिक दल और उम्मीदवार किसी भी ऐसे कार्य, कार्य या कथन से बचें जिन्हें महिलाओं के सम्मान और प्रतिष्ठा के प्रतिकूल माना जा सकता है। कुमार ने यह भी कहा कि नेताओं और कार्यकर्ताओं के निजी जीवन, जिसका उनके सार्वजनिक जीवन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता, की आलोचना नहीं की जानी चाहिए और राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ निम्न-स्तरीय व्यक्तिगत हमलों से भी बचना चाहिए।सीईसी ने राज्य चुनाव अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि इस तरह की कार्रवाइयों और नैतिक आचार संहिता (एमसीसी) के अन्य उल्लंघनों से कड़ी और समय पर कार्रवाई की जाए।

सीईसी ने कथित तौर पर अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि राजनीतिक दल और उम्मीदवार किसी भी ऐसे कार्य, कार्य या कथन से बचें जिन्हें महिलाओं के सम्मान और प्रतिष्ठा के प्रतिकूल माना जा सकता है।

नोटबंदी के आठ साल : अखिलेश यादव ने भाजपा पर साधा निशाना

एजेंसी

उत्तर प्रदेश: समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने नोटबंदी के आठ साल पूरे होने पर भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुये कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था के इतिहास में इसके नाम पर एक पूरा अध्याय सिर्फ काले रंग से ही छापा जाएगा।सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, ह्यभारतीय अर्थव्यवस्था के इतिहास में नोटबंदी के नाम पर एक पूरे-का-पूरा अध्याय सिर्फ काले रंग से ही छापा जाएगा।आज नोटबंदी की 8वीं सालगिरह के ठीक एक दिन पहले ही, कल रुपया डॉलर के मुकाबले सबसे कमजोर स्थिति में आ गया। जनता पूछ रही है क्या ये नोटबंदी की नाकामयाबी की वजह से हुआ या भाजपा की नकारात्मक नीतियों की वजह से।उन्होंने कहा, ह्यअब क्या भाजपाई फिर ये कहेंगे कि देश के इतिहास में रुपया डॉलर के मुकाबले सबसे निचले स्तर पर पहुंचकर रिकार्डतोड़ नहीं गिरा है ।

एलजी के साथ मिलकर कर रहे काम:उमर अब्दुल्ला

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर: विधानसभा में बोले उमर अब्दुल्ला, सरकार और पुलिस के बीच टकराव या भ्रम नहीं, जम्मू-कश्मीर में आतंकी-संबंधी घटनाओं में हालिया वृद्धि ने चिंता बढ़ा दी है। यह सवाल उठ रहा है कि उमर अब्दुल्ला की सरकार बनने के बाद आखिर इन घटनाओं में वृद्धि क्यों हो गई है। इन सबके बीत सीएम उमर अब्दुल्ला ने इसको लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि चुनी हुई सरकार को कई जिम्मेदारियां दी गई हैं लेकिन एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी कानून व्यवस्था बनाए रखना, उग्रवाद, आतंक और हिंसा के खिलाफ नीति योजना तैयार करना है, यह जिम्मेदारी सरकार की नहीं है। स्थिति को शून्य में सामान्य नहीं किया जा सकता। उमर अब्दुल्ला ने आगे कहा कि इस मामले में जम्मू-कश्मीर एलजी की सरकार और प्रशासन करीबी समन्वय में हैं।

कोर्ट में हाजिर होंगे राजस्थान के सीएम व्यक्तिगत पेशी में छूट वाली याचिका खारिज

एजेंसी

राजस्थान: राजस्थान में अतिरिक्त जिला न्यायाधीश (एडीजे) अदालत ने 2011 के गोपालगढ़ दंगा मामले में अदालत में पेशी से स्थायी छूट की मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की याचिका खारिज कर दी है। याचिका में अनुरोध किया गया था कि शर्मा को मुख्यमंत्री के रूप में उनकी जिम्मेदारियों और उनके पद की लगातार यात्रा की मांगों के कारण मामले में भविष्य की सुनवाई के लिए अदालत में उपस्थित होने से बचने की अनुमति दी जाए। हालाँकि, अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि शर्मा की जमानत सम्मन किए जाने पर अदालत में पेश होने के लिए उनकी उपलब्धता पर निर्भर थी।भजनलाल शर्मा, कांग्रेस नेता जाहिदा खान और अन्य को 2011 में भरतपुर जिले में हुए सांप्रदायिक दंगों के सिलसिले में अग्रिम जमानत दी गई थी। मेव मुस्लिम और गुज्जर समुदायों के बीच भूमि विवाद से उपजे दंगों के कारण हिंसक झड़पें हुईं। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए गोलीबारी की, जिसके परिणामस्वरूप दस लोगों की मौत हो गई और 45 से अधिक लोग घायल हो गए।

छत्तीसगढ़ में फिर सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, 2 हुए ढेर

एजेंसी

छत्तीसगढ: के बीजापुर जिले में सुरक्षाकर्मियों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। जारी सूचना के मुताबिक, घटना आज सुबह करीब 11 बजे की है, जब सुरक्षाकर्मियों की संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने घटना की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि आज सुबह करीब 11 बजे उसूर-बासागुड़ा-पामेड़ इलाके के ट्राई-जंक्शन पर एक जंगल में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच गोलीबारी हुई है कि वर्तमान मुठभेड़ छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में अलग-अलग अभियानों में सुरक्षा बलों द्वारा 19 नक्सलियों, जिनमें से तीन इनामी थे, को गिरफ्तार किए जाने के कुछ दिनों बाद हुई है। जारी की गई जानकारी के अनुसार, जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 219वीं और 150वीं बटालियन और कोबरा (कमांडो बटालियन फॉर रेसोल्यूट एक्शन-सीआरपीएफ की एक विशिष्ट इकाई) इसके अलावा, यह ध्यान रखना उचित

Wayanadमें बीजेपी पर प्रियंका गांधी का वार, बोलीं- प्रेम, शांति और भाईचारा भाजपा को पसंद नहीं क्योंकि...

एजेंसी

नई दिल्ली: कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने भारतीय जनता पार्टी पर विभाजन भड़काने, नफरत, गुस्सा और अविश्वास फैलाने का आरोप लगाया। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने अपना एक भाषण शेयर किया जिसमें उन्होंने कहा कि समाज में दरार पैदा करने से बीजेपी को फायदा होता है। उन्होंने कहा कि प्रेम, शांति और भाईचारा भाजपा को शोभा नहीं देता क्योंकि उनकी राजनीति लोगों, विकास या सभी के बेहतर भविष्य के बारे में नहीं है। यह विभाजन, नफरत, क्रोध और अविश्वास फैलाने के बारे में है।कांग्रेस नेता ने कहा कि इस तरह की राजनीति लोगों को पीछे रखती है और उन्हें पनपने नहीं देती। हमारे देश को प्रगति और विकास की जरूरत है और हमें राजनीति की दिशा बदलनी होगी। उन्होंने आगे कहा कि आइए प्रगति और विकास की जन-समर्थक राजनीति के साथ खड़े हों - वह राजनीति जो आप पर, आपकी समस्याओं पर और आगे बढ़ने पर ध्यान केंद्रित करती है। उन्होंने कहा कि यही वह राजनीति है जिसे हमें आज बदलना है। आज देश में प्रगति और विकास से बढ़कर किसी चीज की आवश्यकता नहीं है। प्रियंका ने कहा कि राजनीति से बढ़कर कुछ नहीं जो लोगों और उनकी समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करती है, उन्हें कैसे हल किया जाए, लोगों को आगे बढ़ने में कैसे

बंगाल के मुख्यमंत्री बनेंगे अभिषेक बनर्जी?

TMC में बदलाव के लिए ममता को सौंपा प्रस्ताव

एजेंसी

पश्चिम बंगाल: राजनीति में चाचा और भतीजे के बीच कुर्सी की जंग कई बार देखी है। लेकिन पहली बार होगा कि जब बुआ की कुर्सी पर भतीजे के बैठने की चर्चा होने लगी है। क्या पश्चिम बंगाल में चीफ मिनिस्टर बदलने वाला है। ममता के बाद उनके भतीजे अभिषेक के बैठने को लेकर चर्चा क्यों होने लगी है। ममता की पार्टी के नेता कुणाल घोष का सोशल मीडिया पोस्ट की खूब चर्चा हो रही है। जिसमें उन्होंने लिखा कि मैं खुद राजनीति में सक्रिय हूं या नहीं, इस उभरते सितारे पर मेरी कड़ी नजर रहेगी। उम्र में छोटा है लेकिन जब तक मैं जमीनी स्तर पर सक्रिय हूं, वह मेरा नेता है। अभिषेक एक दिन पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री बनेंगे और तृणमूल कांग्रेस को एक नये युग में ले जाएंगे। तमाम अटकलों के बीच तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने संगठन के भीतर बड़े फेरबदल की सिफारिश की है,

कांग्रेस पर बरसे केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, कहा- वक्फ बोर्ड के जरिए कर्नाटक में नए तरह का जिहाद

एजेंसी

कर्नाटक : कर्नाटक में वक्फ बोर्ड को लेकर बवाल जारी है। इन सबके बीच केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने एक ऐसा दावा किया है जिससे राजनीतिक बवाल और भी बढ़ सकता है। प्रल्हाद जोशी ने आरोप लगाया कि पूरे कर्नाटक में एक नए तरह का जिहाद हो रहा है, जिसमें वक्फ बोर्ड किसानों, मंदिरों और अन्य लोगों की जमीनों के स्वामित्व का दावा कर रहा है। इसके साथ ही उन्होंने सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ दल तुष्टिकरण की राजनीति की ऊंचाई पर पहुंच गया है और आरोप लगाया कि उसने एक तरह से अल्पसंख्यकों के तुष्टिकरण को अपना लक्ष्य बना लिया है।प्रल्हाद जोशी ने आज कहा कि 500 वर्ष पूर्व चालुक्यों ने बीजापुर में एक मंदिर बनवाया था। वह भी वक्फ द्वारा अधिग्रहीत कर लिया गया है। किसी भी दिन आपकी संपत्ति वक्फ द्वारा अधिग्रहित की जा सकती है, यही आज कानून की स्थिति है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मैं कांग्रेस सरकार के इस रवैये की कड़ी निंदा करता हूं। उन्होंने कहा कि हमारे सांसद और भाजयुमो अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या के खिलाफ कथित तौर पर फर्जी खबर फैलाने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। मैं कांग्रेस से कहना चाहता हूं कि वे बीजेपी और उसके नेताओं को इस तरह धमकी नहीं दे सकते। भाजपा नेता ने कहा कि पूरे प्रदेश में वक्फ के जरिए एक नए तरह का 'जिहाद' हो रहा है। कांग्रेस पार्टी और सिद्धारमैया के आचरण को देखते हुए वे पाखंडी नजर आते हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस नेता दावा कर रहे हैं कि भाजपा ने अपने घोषणापत्र में वादा किया था कि वह वक्फ संपत्तियों की रक्षा करेगी। हां। हमने कहा था। यह रिकॉर्ड पर है। हमने जो कहा है वह मौजूदा वक्फ संपत्तियां हैं जिन पर वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने कब्जा कर लिया है और लूट लिया है, उन्हें बचाया जाएगा। जोशी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं ने इन जमीनों से पट्टे और किराए के रूप में हजारों करोड़ रुपये की अवैध रिश्वत ली है।

बेलागंज पहुंचे भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल, कहा - कार्यकर्ता सुनिश्चित कर रहे एनडीए की जीत

जनकल्याणकारी योजनाओं की सफलता एनडीए के साथ जनविश्वास की गारंटी : डॉ. दिलीप जायसवाल

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 8 नवंबर। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल आज बेलागंज पहुंचे और एनडीए कार्यालय में एनडीए के कार्यकताओं से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान उन्होंने उप चुनाव की तैयारियों पर गहन चर्चा की। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि कार्यकर्ता एनडीए की सुनिश्चित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "एनडीए के घटक दलों के सभी कार्यकर्ता पूरी एकता के साथ एनडीए की जीत को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिदिन परिश्रम कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि कार्यकताओं की मेहनत रंग लाएगी।भाजपा के अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि एनडीए सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की सफलता का परिणाम है कि इस उप चुनाव में जनविश्वास एनडीए के ही साथ रहेगा।उन्होंने कहा कि कहा कि राजद की सरकार में बिहार ने पलायन का दंश देखा है। व्यापारी बिहार छोड़ने के लिए मजबूर थे। आज बहन, बेटियों के सम्मान से कोई खिलवाड़ नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा कि आज आम आदमी कभी भी राजद सरकार की पुनर्वापसी नहीं चाहता। भाजपा के अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने कहा कि यहां का युवा खेलता है, जो मेडल लाते हैं अब उन्हें नौकरी मिलती है। खिलाड़ियों के लिए नई पॉलिसी बनाई गई है।इस दौरान भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल चाकन्द बाजार में रोड शो किया तथा व्यवसायियों से मुलाकात कर एनडीए प्रत्याशी के लिए समर्थन माँगा।उन्होंने इस क्रम में वैश्य समाज के प्रतिनिधिगण एवं लोगों से भी मुलाकात की और एनडीए प्रत्याशी मनोरमा देवी को अपना आशीर्वाद और समर्थन देकर विजयी बनाने हेतु आग्रह किया।इसके उपरांत बेलागंज बाजार में व्यवसायी भाइयों से भी एनडीए के पक्ष में मतदान करके बेलागंज के उत्थान और जनकल्याण को समर्थन प्रदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि बेलागंज में एनडीए की जीत होगी और विकास को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने बेलागंज बाजार में रोड शो कर व्यवसायी भाइयों एवं मतदाताओं से एनडीए को अपना बहुमूल्य समर्थन प्रदान करने के लिए आग्रह किया।

हर्षोल्लास एवं धुमधाम से आस्था का महान पर्व छठ मनाया

संवाददाता
हुसैनगंज
रोजनामा इंडो गल्फ

सीवान जिले के हुसैनगंज प्रखंड में हर्षोल्लास एवं शांतिपूर्ण ढंग से आस्था का महान पर्व छठ पूजा शुक्रवार को सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर क्षेत्र के सभी नदी एवं तलाब के संवेदनशील घाटों पर प्रशासन के तरफ से आरडीएएफ के जवान तैनात किये गए थे।वहीं स्थानीय प्रशासन में बीडीओ, सीओ, सब इंस्पेक्टर पुलिस के साथ गस्ती कर रहे थे।बरसात के दिनों में नदी के कुछ छठ घाट अधिक पानी से मिट्टी के कटाव को लेकर गहरे और खतरनाक हो जाता है ।इसलिए नदी के घाटों सहित हुसैनगंज बाजार में दाहा नदी के छठ घाट पर भी एसडीआरएफ के जवान तैनात किए गए थे ताकि कोई अप्रिय घटना नहीं घटे। इस पर्व के बारे में बताया जाता है कि छठ व्रति लगातार 36 घंटे निर्जला उपवास रहते हैं और प्रातः काल सूर्य भगवान को अर्घ्य देकर व पूजा पाठ करने के पश्चात अन्न व जल ग्रहण करते हैं। इस पर्व में सभी प्रकार के फल और शुद्ध सामग्रियों का प्रयोग किया जाता है। सभी धर्मों व समुदाय के लोग बड़े श्रद्धा से मनाते हैं। इस अवसर पर हुसैनगंज छठ घाट पर व्रतियों में दुर्गा प्रसाद,रमेश चौधरी, अशोक कुमार चौधरी, सुदिश चौधरी, अश्विनी चन्द्रा, रिकी,प्रकाश, आकाश, अंकित, हिमांशु, लकी,कलावती देवी, मीना देवी, वीना देवी, संजू देवी, रेनु देवी, डाक्टर श्वेता चौधरी, ज्योति कुमारी, परी कुमारी सहित अन्य उपस्थित थे।

जूता चप्पल के गुदाम में आग लगने से लाखों का नुकसान

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। शहर के मारवाड़ी बाजार स्थित अलजाफरी कॉम्प्लेक्स में देर रात मो राशिद के जूता चप्पल के गुदाम में अचानक आग लगने से गोदाम में रखा सारा जूता चप्पल जलकर नष्ट हो गया। ज्ञात हो कि अल जाफरी कॉम्प्लेक्स के दूसरी मंजिल पर मो राशिद का गोदाम है उसमें वह जूता चप्पल रखते थे, गुरुवार की देर रात उक्त गोदाम में आग लग गई और देखते ही देखते गोदाम में रखा सारा जूता चप्पल जलकर बर्बाद हो गया। आग लगने की जानकारी मिलने पर अग्नि शमन दस्ता पहुंची और आग पर काबू पाया। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जाता है।

करेह नदी में मगरमच्छ मिलने से छठ वृत्तियों में भय का माहौल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। जिले के सिंघिया थाना क्षेत्र के कुंडल 2 पंचायत स्थित नवटोलिया ग्राम के करेह नदी के पानी में छठ घाट पर बहुत बड़ा जानवर मगरमच्छ मिलने पर आज सिंघिया के थाना अध्यक्ष विशाल कुमार सिंह और प्रखंड विकास पदाधिकारी विवेक रंजन कैम्प कर रहे हैं, वही रोसड़ा के वन विभाग के टीम भी उक्त छठ घाट पर मगरमच्छ को रेक्स्यू करने के लिए पहुंच गया तथा कैम्प कर रहे है। इस छठ घाट पर पानी में बांस बल्ला लगाकर बैरीकेट किया जा रहा है और छठ व्रती महिला लोगों से प्रशाशन के द्वारा अलर्ट किया गया है कि अधिक पानी में नहीं जाना है सावधानी बरतना है। इस प्रकार मगरमच्छ मिलने पर लोगो में भय डर बना हुआ है। मौके पर सिंघिया के पुलिस पदाधिकारी संजय यादव, ब्लॉक कोडिनेटर मो० सोहराब आलम, मुखिया पति मनोज यादव, फूलों सिंह के अलावे कई अन्य कर्मी मौजूद थे।

भाई बहनो का पर्व सामा चकेवा आज से शुरू

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। सामा चकेवा पर्व भाई - बहन के प्यार और उनके अटूट रिश्ते को दशार्ती है। मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण की पुत्री सामा और उनके बेटे का नाम चकेवा था। सामा, वृंदावन के जंगल में खेलने जाती थी। एक दिन चुगला नाम के व्यक्ति ने झूठा बोलकर भगवान श्रीकृष्ण को बताया कि सामा किसी साधु से मिलने जाती है। इस पर भगवान श्रीकृष्ण ने सामा को पक्षी बन जाने का श्राप दे दिया। सामा के पति चक्रवाक भी स्वेच्छा से पक्षी बनकर सामा के साथ भटकने लगे। सामा के भाई चकेवा को जब इस बात का पता चला, तो वह बहुत दुःखी हुए। उन्होंने अपनी बहन सामा और बहनोई चारुवक्र को वापस मानव रूप में लाने की प्रतिज्ञा की। चकेवा ने भगवान श्रीकृष्ण को प्रसन्न करने के लिए तपस्या की। भगवान श्रीकृष्ण ने चकेवा की तपस्या से प्रसन्न होकर सामा को श्राप से मुक्त कर दिया। इस घटना के बाद से हर साल सामा - चकेवा का पर्व मनाया जाता है. यह पर्व भाई - बहन के पवित्र रिश्ते को दशार्ता है। इधर पूछे जाने पर सामा चकेवा निर्माण कर्ता शनिचरा स्थान निवासी मदन पंडित ने बताया कि यह पर्व कार्तिक महीने के शुक्ल पक्ष की सप्तमी से शुरू होकर कार्तिक पूर्णिमा रात तक मनाया जाता है। मदन पंडित एवं अशोक कुमार पंडित ने बताया कि हमलोगों के यहां सामा चकेवा 50 रुपया, 75 रुपया, 100 रुपया 125 रुपया, 150 रुपया तक बिक रहा है। जो इस दौर के लिए बहुत कम कीमत है।

पोखर में डूबने से युवक की मौत, घर में छाया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर थाना क्षेत्र के वसंतपुर रमणी पंचायत में छठ घाट पोखर के पानी में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान कल्याणपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत कोयलाकुंड गांव निवासी बैजनाथ राय का 27 वर्षीय पुत्र कृष्ण कुमार के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार कृष्ण कुमार अपने जीजा राजू राय के यहां घूमने आया था, जहां आज छठ पूजा के दौरान छठ घाट पर उसका पैर फिसल गया और गहरे पानी में चला गया जिससे उसकी मौत हो गई। इधर जानकारी मिलने पर वारिसनगर थाना के एसआई रविकांत कुमार मौके पर पहुंचकर कागजी प्रक्रिया के बाद लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर भेज दिया। इधर युवक की मौत होने पर परिजनों में कोहराम मच गया तथा खुशी का माहौल गम में बदल गया।

मोटर साइकिल पर सवार अपराधियों ने की फायरिंग जन वितरण प्रणाली दुकानदार के घर, गोली का खोखा बरामद।

संवाददाता
मोहम्मद आरीफ

सिवान महाराजगंज अनुमंडल 8 नवम्बर शुक्रवार। महाराजगंज अनुमंडल क्षेत्र के भगवानपुर हाट थाना क्षेत्र रतन पड़ौली पंचायत अंतर्गत सराय पड़ौली गांव मे बुधवार को रात्रि डीलर कृष्णा राय के घर पर मोटर साइकिल पर सवार तीन अपराधियों ने हवाई फायरिंग कर दहशत का माहौल पुरे गांव में कर दिया। बताया जा रहा है की डीलर कृष्णा राय के घर बदमाशो के फायरिंग की आवाज सुन कर ग्रामीण एकत्र हो गए। ग्रामीणों को देखते ही तीनो अपराधी अपनी बाइक छोड़ कर मौके से भागने मे सफल रहे। घटना की सूचना मिलने ही भगवानपुर हाट थाना की पुलिस मौके पर पहुंच कर मामले की जांच शूरू कर दी। घटना स्थल से तीन गोली के खोखे बरामद हुए। वही डीलर कृष्णा राय ने थाना अध्यक्ष को आवेदन देकर अपनी सुरक्षा की मांग की।

इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष का विशेष संदेश

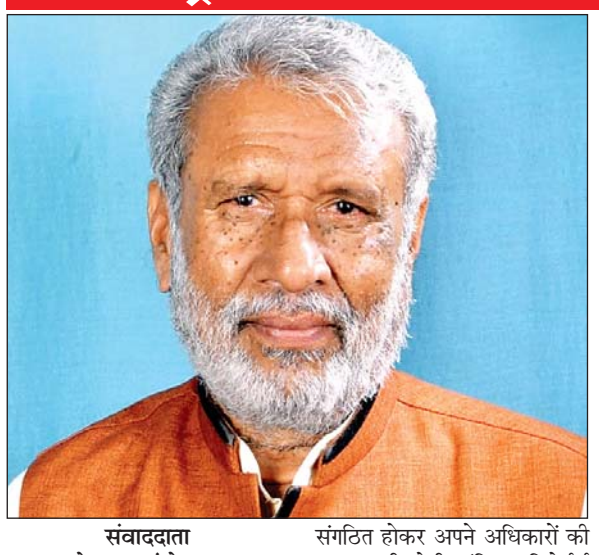

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मुंबई, 7 नवंबर 2024: इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष मदन कोल्हे ने पत्रकारों के हितों की रक्षा और उनके सशक्तिकरण के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा, ह्महाराष्ट्र के पत्रकारों को संगठित होकर अपने अधिकारों की रक्षा करनी होगी। इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन का उद्देश्य पत्रकारों की सुरक्षा और उनके पेशे से जुड़े मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाना है ह्व उन्होंने यह भी बताया कि एसोसिएशन का प्रयास पत्रकारों को आवश्यक समर्थन और सुरक्षा प्रदान करने के लिए निरंतर बना रहेगा।उन्होंने बताया कि आगामी महीनों में एसोसिएशन पत्रकारों के लिए विशेष कार्यशालाएं आयोजित करेगा। इन कार्यशालाओं में मीडिया की सुरक्षा, नवीनतम तकनीकी प्रगति, और डिजिटल मीडिया के अनुपालन से जुड़ी जानकारी पर विशेष जोर दिया जाएगा।कार्यशालाओं में अनुभवी पत्रकारों, मीडिया विशेषज्ञों और तकनीकी विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाएगा। ये विशेषज्ञ पत्रकारों को डिजिटल मीडिया के सुरक्षा उपाय, फेक न्यूज से निपटने की तकनीक, और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर सुरक्षित रहने के तरीकों की जानकारी देंगे। मदन कोल्हे ने बताया कि इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन जल्द ही एक हेल्पलाइन सेवा शुरू करने की योजना बना रही है, जो संकट के समय पत्रकारों को त्वरित सहायता प्रदान करेगी।कार्यक्रम में कई वरिष्ठ पत्रकार, संपादक और मीडिया जगत की जानी-मानी हस्तियां शामिल हुईं। अंत में, पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पत्रकारों को सम्मानित करने के लिए एक विशेष पुरस्कार समारोह की भी घोषणा की गई।

विभूतिपुर में शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुआ छठ पर्व

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

विभूतिपुर (समस्तीपुर)।लोक आस्था का महापर्व का पटाक्षेप आज सुबह के अर्घ्य के साथ ही हो गया, किंतु इसका आध्यमिकता का प्रभाव और महक अगले साल तक बना रहेगा। ये सिर्फ अराध्यदेव भास्कर या छठी मैया की पूजा भर ही नही अपितु एक सामाजिक इमोशनल बॉन्डिंग का भी पर्व रहा है। उत्तर भारत के यूपी और बिहार से निकलकर पूरे विश्व में अपनी पताका लहरा रही है। ये विशुद्ध प्राकृतिक जीवन शैली का द्योतक है। समस्तीपुर जिला के विभूतिपुर प्रखंड के हर पंचायत में बड़ी ही सिद्दत के साथ सपरिवार, मित्र बंधुओ और पड़ोसियों के साथ मिलजुलकर सारे शिकवा शिकायत को भुलाकर नदी किनारे घाट बना सुसज्जित कर या गांव घर में किसी जीवंत पोखर, तालाब में या फिर कृत्रिम पोखर का रूप देकर, रंग रोगन कर, केले के थम और कृत्रिम विविध रोशनी में सज धज कर जब माथे पर प्रसाद की टोकरी लेकर एक सुर में चलकर पूजा स्थल पर पहुंचते हैं तो ऐसा लगने लगा की स्वर्ग खुद चलकर धरा पर आ गया है। नरहन, खोकसाहा, खदियाही, सुरौली, भूसवर, पतेलिया , कल्याणपुर, सिंघिया घाट,बेलसंडी तारा, कापन, मानारायटोल, माधोपुर, नरवन आदि की सीमा समाप्त होती दिखी।

पूर्व जिला पार्षद सह सेवा निवृत शिक्षक ने इस महापर्व की विशेषता गिनाते थक नही रहे थे।

सोसल नेटवर्किंग प्लेटफार्म को मीडिया न कहें, यहाँ केवल सब्सक्राइबर की भूख है : एनाएतुल्लाह नन्हे

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मीडिया का नाम आते ही सबके मस्तिष्क में यह बात आती है कि खबरों को हम तक पहुँचाने वाला या परोसने वाला माध्यम ही मीडिया है जबकि ऐसा नही है । केवल स्ट्रीम मीडिया ही असल मीडिया है जो टेलीविजन, रेडियो और अखबार के जरिये आता है । जिसके मापदंड और नियम कानुन होते हैं जो सरकार के द्वारा मान्यता प्राप्त होते हैं । जैसे आरएनआई अर्थात रजिस्ट्रार ऑफ न्यूज पेपर ऑफ इंडिया (फ्लक) से पंजीकृत । स्ट्रीम मीडिया ही असल मीडिया है । जो खबरों के तह तक जाकर हकीकत से रूबरू कराता है और पुलिस और प्रशासन से प्राप्त प्रतिक्रिया और आंकड़े के साथ खबरों को प्रसारित और प्रकाशित करता है न कि बगैर सूत्र के हवा-हवाई कुछ भी खबर बना कर सोसल नेटवर्किंग प्लेटफार्म यूट्यूब, फेसबुक, एक्स ट्विटर, इंस्टाग्राम, जाको, ट्विच, स्नैपचैट, व्हाट्सएप समूह आदि से सनसनी फैलाए । असल मीडिया वह है जो खबरों को खबर तक ही सीमित रखे और उस खबर में अगर सरकार के खिलाफ में है तो सरकार को जगा दे और अगर वह खबर जनहित से जुड़ा हो और सरकार उस पर संज्ञान ले तो वही कामयाब खबर है । जिसे सही पत्रकारिता कह सकते हैं । इसलिए तो कहा जाता है कि अखबार खबर नही बल्कि दस्तावेज है । जो अपनी खबर को आने वाले समय मे इतिहास बनाता है । स्टीम मीडिया को लोकतंत्र का प्राण कहें तो कोई अतिश्योक्ति नही होगी क्योंकि इससे ही जनहित का कल्याण होता है और निरंकुशता पर लगाम लगती है । मुझे यहाँ लिखने में कोई संकोच नही की आज कल जिसे पत्रकारिता और मीडिया का एबीसीडी मालूम नही वह सोसल नेटवर्किंग प्लेटफार्म पर पत्रकार बन बैठा है और अपने को मीडिया कर्मी और पत्रकार ही नही कहता है बल्कि सब के सब युट्यूबर अपने को चैनल हेड, चीफ एडिटर, प्रधान सम्पादक लिख रहे हैं । जबकि उन्हें ये भी पता नही की एक अखबार में सम्पादक तो दूर की बात ब्यूरो प्रमुख बनने के लिए कितना समय और कितना पापड़ बेलना पड़ता है । एक अखबार के रिपोर्टर को स्टिंगर और ब्यूरो चीफ बनने के लिए सालों साल लग जाते हैं । उसके लिए उन्हें कई प्रायोगिक परीक्षाओं से गुजरना भी पड़ता है और विज्ञापन का भारी-भरकम टारगेट भी पूरा करना पड़ता है तब जाकर उन्हें वह मुकाम मिलता है । जबकि युट्यूब को चैनल कहने वाले ये जान लें कि चैनल उसे कहते हैं जो सैटेलाइट के माध्यम से चलता है और उसके लिए एयर चार्ज देना पड़ता है उनके लिए भी आरएनआई कराना होगा । साथ ही मात्र एक चैनल को सैटेलाइट से चलाने के लिए 20 करोड़ रुपया खर्च करना पड़ता है । साथ ही एक से ज्यादा उसी ग्रुप का चैनल को बढ़ाना है तो प्रति चैनल 05 करोड़ रुपया खर्च करना होगा । तब जाकर कहीं एयर पर चैनल विश्व के कोने-कोने तक पहुँचता है । जबकि सोसल नेटवर्किंग प्लेटफार्म के जुड़े लोग उदाहरण स्वरूप यूट्यूबर अपने को आज कल फलाना टीवी चैनल बोलते हैं और खुद को चैनल हेड । जबकि कहीं से भी ये टीवी और चैनल नही है । जबकि आज कल के यूट्यूबर वह किसी भी एंगल से पत्रकार हैं ही नही तो फिर वह मीडिया कर्मी कैसे हो गए । जबकि भारत का सर्वोच्च न्यायालय भी सोसल नेटवर्किंग प्लेटफार्म जैसे यूट्यूब को मीडिया नही मानती है । यहाँ यह बताते चलें कि सोसल साईट या सोसल नेटवर्किंग प्लेटफार्म पर कुछ भी परोसने की छूट मिलने के कारण लोग अपने चैनल या वेवसाईट को कम से कम समय मे केवल और केवल पैसा कमाने के लिए किसी भी हद तक जा रहे हैं । सोसल नेटवर्किंग प्लेटफार्म के इंफ्लुएंसर जो यूट्यूब और इंस्टा पर अपने सब्सक्राइबर को बढ़ाने, लाईक, शेयर, कॉमेंट और मोनोटाइज करने और फिर सिल्वर बटन, गोल्डेन बटन, डायमंड बटन और कस्टम प्ले बटन को पाने के लिए अश्लीलता की सारी हदें पार कर रहे हैं । ये कैसे मीडिया हो सकते हैं जो अपने यूट्यूब चैनल के लिए आधारहीन और फर्जी वीडियो बनाकर लोगों को गुमराह कर रहे हैं । समाज को दूषित कर रहे हैं और आपसी भ्रम पैदा कर रहे हैं । जब ये मनगढ़त वीडियो बना कर यूट्यूब पर अपलोड करते हैं और उस पर साईबर द्वारा नकेल कसी जाती है तो उसे डिलीट कर देते हैं जबकि स्ट्रीम मीडिया मे छपी खबर या टीवी पर प्रसारित हुई न्यूज को नही मिटा सकते हैं क्यों कि प्रिंट मीडिया में जो एक बार छप गया वह डिलीट नही हो सकता है यही वजह है कि आज भी समाचार पत्र (अखबार) का क्रेज बरकरार है । आज कल बहुत सारे आरएनआई अखबारों के भी अपना यूट्यूब चैनल है जो सही है क्योंकि वह रजिस्टर्ड हैं । उनके चैनल को मीडिया और उनसे जुड़े मीडिया कर्मी को पत्रकार कह सकते हैं । मैं भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से ये माँग करता हूँ कि इन बिना रजिस्टर्ड हुए जो यूट्यूब वाले अपने को खबरी चैनल कह रहे हैं और मीडिया और पत्रकार का दम भर रहे हैं उन पर नकेल कसे । क्यों के इन्ही के द्वारा अफवाह से भरी सनसनी खेज खबर से दंगा, फसाद और उपद्रव बढ़ता है । इन सब के लिए भारत सरकार ने साईबर विभाग तो बना रखा है जिसके तहत हर जिला में साईबर थाना भी बन चुका है लेकिन उसका असर कुछ ज्यादा दिख नही रहा है । इसलिए कानून में और बदलाव कर इसे सख्ती से लागू करने की जरूरत है ताकि लोग सही मीडिया, सही पत्रकारित और सही पत्रकार को पहचान सके ।

अर्घ्य देने के बाद चार दिवसीय महापर्व छठ हुआ सम्पन्न

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। लोक आस्था का महापर्व छठ के चार दिवसीय अनुष्ठान के चौथे दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद चार दिवसीय लोक आस्था का महा पर्व छठ हुआ सम्पन्न। जिले के विभिन्न घाटों पर छठ पूजा मनाने के लिए बेहतर तरीके से रोशनी की व्यवस्था की गई थी ताकि किसी भी छठ वृत्तियों को पूजा अर्चना करने में दुश्वारियों का सामना करना न पड़ें।

बतादें की छठ पूजा संपूर्ण प्रकृति की पूजा है। छठ पूजा का उद्देश्य पर्यावरण एवं जीवन में संतुलन स्थापित करना है। छठ पूजा न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक पर्व है, बल्कि इसके पीछे वैज्ञानिक कारण भी जुड़े हैं। यह पर्व विशेष रूप से सूर्य देव की पूजा के लिए मनाया जाता है। छठ पूजा सामूहिक रूप से मनाई जाती है, जो समाजिक एकता और सामुदायिक सहयोग को बढ़ावा देती है। यह मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है, क्योंकि यह सकारात्मक वातावरण का निर्माण करती है। छठ पूजा का आयोजन जल स्रोतों के किनारे किया जाता है, जिससे लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ती है। यह पर्व जल और प्रकृति के संरक्षण का संदेश देता है। जिले के मथुरापुर घाट, मगरदही घाट, पासवान घाट, इमली घाट, राजघाट के अलावा मोहिउद्दीनपुर पोखर, हजपुरवा पोखर, बेगमपुर घाट, अकबरपुर पितौजिया घाट, पूसा, कल्याणपुर, चकमेहसी, ताजपुर, रोसड़ा, शिवाजीनगर, हथौड़ी, खानपुर, दलसिंहसराय, मोरवा, मुसरीघरारी, सिंघिया, विथान आदि स्थानों पर छठ वृत्तियों ने छठ पूजा की। इधर मथुरापुर घाट पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन एलर्ट मोड में नजर आई। पुलिस कप्तान अशोक मिश्रा, डीएसपी टू विजय कुमार महतो, मथुरापुर थाना अध्यक्ष मुकेश कुमार, एसआई सुप्रिया आर्य, ट्रैफिक पुलिस मो रहमतुल्लाह आदि मौजूद थे तथा किसी प्रकार का छठ वृत्तियों को परेशानी न हो अपने अपने स्तर से मॉनिटरिंग कर रहे थे। इधर छिटपुट घटनाओं को छोड़कर जिले में शांति पूर्ण तरीके से महापर्व छठ संपन्न होने पर जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा के अलावा पुलिस अधीक्षक अशोक मिश्रा, डीआरएम विनय श्रीवास्तव, समस्तीपुर सांसद शांभवी चौधरी, समस्तीपुर के विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन, वारिसनगर विधायक अशोक कुमार मुन्ना, एम एल सी डॉ तरुण कुमार चौधरी, भाजपा के जिला अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा, कांग्रेस के जिला अध्यक्ष मो अबु तमीम, राजद जिला अध्यक्ष रोमा भारती, जदयू जिला अध्यक्ष डॉ दुर्गेश राय, युवा जदयू के जिला अध्यक्ष विशाल कुमार, जदयू जिला सचिव संतोष कुमार साह, उप महापौर राम बालक पासवान, जनसुराज पार्टी के राज्य अभियान समिति सदस्य वसीम राजा, प्रखंड अध्यक्ष मो जहांगीर, समाज सेवी शिव शंकर महतो, जिला पार्षद ऊषा देवी, जिला पार्षद प्रतिनिधि लक्ष्मण कुमार, वारिसनगर प्रमुख राजू कुमार, पंचायत समिति सदस्य शंभू ठाकुर, मुखिया तेज नारायण चौधरी, मधु देवी, शाह जफर इमाम, पुष्पा सहनी, पप्पू सहनी, पैक्स अध्यक्ष मुकेश कुमार, मुखिया मृत्युंजय ठाकुर आदि ने जिला वासियों को शुभकामना एवं बधाई दी है।

स्वर कोकिला पद्म भूषण शारदा सिन्हा के निधन पर शोक सभा आयोजित, दी गयी श्रद्धांजलि

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

आज लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री आदरणीय श्री चिराग पासवान जी ने बिहार कोकिला व प्रसिद्ध लोकगायिका श्रद्धेय शारदा सिन्हा जी के निधन उपरान्त आज पटना स्थित उनके निवास पर शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं प्रकट की।

इस्लाम धर्म में नफरत और फसाद को सख्त ना पसंद करता है : सैयद शाह शमीमुद्दीन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के शेख टोली मंगरौनी में जश्ने सैयद कायनात संपन्न हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी
दूर दराज से उल्माई इकराम तशरीफ लाकर तमाम लोगों इस्लाम धर्म के ऊपर रोशनी डालते हुए सभी बिंदुओं पर प्रकाश डाला सभी को मिलजुल कर काम करने की जरूरत
मंगरौनी शेख टोली मधुबनी में एक दिवसीय धार्मिक सभा जश्ने सैय्यद ए कायनात का आयोजन किया गया था* मंगरौनी शेख टोली मधुबनी में धार्मिक सभा जश्ने सैय्यद ए कायनात का आयोजन किया गया था मगरिब के नामज के बाद मंगरौनी शेख टोली मधुबनी में वालिदा मरहूमा के एसाल सवाब के अवसर पर जिसकी अध्यक्षता प्रशिद्ध सूफी एवं महान मुस्लिम धर्म गुरु प्रोफेसर अल्लामा सय्यद शमीमुद्दीन मुनअमी साहब खानकाहे मुनअमिया फिरदौसिया पटना की ।
सभा को संबोधित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय खतीब तथा पूर्व राज्य सभा सांसद मौलाना उबैदुल्लाह खान आजमी(खतीबुल हिन्द) उपस्थित थे ,जो दशकों से मुस्लिम समाज के हितों तथा मजहबी मामलों में सदैव परिश्रम करते रहते हैं, निडरता एवं सत्यता आपकी प्रषिधि है।साथ ही साथ नौजवान मजहबी वक्ता एवं सूफी विचार धारा के प्रचारक मौलाना आरिफ इकबाल (खतीबुससूफिया) सभा को संबोधित किये ,एक और अन्य धार्मिक वक्ता एवं मार्ग दर्शक हजरत मौलाना मुफ़्ती शमशुज्जमा साबरी नागपुर थे ,जिन्हें धार्मिक विषयों पर बोलने में दक्षता प्राप्त है। पूरे प्रोग्राम में उन्होंने प्रकाश डाला.इस प्रोग्राम की कयादत हजरत कारी मोहम्मद शमीम अशरफी ने की ,इस सभा मे गोंडा से दो अन्य अतिथि कारी आजाद अशरफी कारी जाकिर अशरफी शामिल हुवे ।

24 नवंबर को पटना में जमीयत सम्मेलन को सफल बनायें: मो. सदरे आलम नौमानी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबरार नौमानी

सीतामढ़ी: जमीयत उलेमा बिहार के तत्वाधान में 24 नवंबर 2024 रोज रविवार को 10 बजे दिन में गांधी मैदान, पटना के पास स्थित बापू सभागर में अमीरल हिंद हजरत मौलाना सैयद अरशद मदनी अध्यक्ष जमीयत उलमा हिंद की अध्यक्षता में भारत के संविधान की रक्षा और राष्ट्रीय एकता पर एक सम्मेलन आयोजित होने जा रहा है. इस की तैयारी जोरों पर है भारतीय संविधान संरक्षण एवं राष्ट्रीय एकता सम्मेलन में सीतामढी से अधिक से लोग शामिल हो सकें, इसके लिए जमीयत उलेमा जिला सीतामढ़ी के पूर्व अध्यक्ष मौलाना सदरे आलम नौमानी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल जिस में मौलाना असगर अली सिद्दीकी अल कासिमी ,मौलाना तंजील हयाती मजाहिरी समेट स्थानीय प्रखंड के जमीयत कार्यकर्ता शामिल थे, प्रतिनिधिमंडल में शामिल लोगों ने नानपुर प्रखंड के बरार, दादरी, बहोरार, गोरा, रायपुर, शरीफपुर गांवों का दौरा किया. और मुसलमानों से अनुरोध किया कि समय और परिस्थितियों के सामने रखते हुए इस सम्मेलन का बहुत महत्व है, इसलिए इस सम्मेलन को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक संख्या में इस सम्मेलन में भाग लेकर अपनी ताकत दिखाएं और अपनी बात सत्ता तक पहुंचाएं।

बूढ़ी गंडक नदी में स्नान करने के दौरान युवक डुबा, खोज जारी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पूसा (समस्तीपुर)। शुक्रवार को अहले सुबह करीब छः बजे पूसा प्रखंड के मोहम्मदपुर देवपार पंचायत वार्ड संख्या 04 निवासी सुरेश पासवान का 19 वर्षीय पुत्र बादल कुमार बोस कम्पनी चौक के समीप छठ पर्व में बुढ़ी गंडक नदी घाट पर स्नान करने के दौरान डूब गया जिसका अभी तक कोई पता नहीं चला है। इसकी खोजबीन में एसडीआरएफ हवलदार सुमित कुमार के नेतृत्व मे टीम धीरज कुमार, दिलीप महतो, बब्लू कुमार, विकास कुमार, पूसा प्रखंड प्रभारी सीओ रोहन रंजन, बीडीओ रवीश कुमार रवि, पुलिस प्रशासन, जिला परिषद पूर्व प्रत्याशी सह आपदा मित्र रौशन कुमार यादव, स्थानीय आपदा मित्र ऋषि पासवान, नीरज कुमार, राजेश सहनी, राकेश कुमार, राजू कुमार, गुड्डू कुमार, मुकेश कुमार, मनीष कुमार एवं सैकड़ों जनताओं के समक्ष खोजबीन की जा रही है। खबर लिखे जाने तक बूढ़ी गंडक नदी में एसडीआरएफ टीम द्वारा खोजबीन जारी था।

स्थांतरण के गलत नीति से शिक्षकों मे बिहार सरकार के प्रति रोष

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरीफ

बीपीएससी टीआरई 1,2 के अध्यापकों के स्थांतरण के लिए ई शिक्षा पोर्टल पर आवेदन करने के लिए एप्लिकेशन जोड़ा है।

सिवान महाराजगंज 8 नवम्बर शुक्रवार । सक्षमता परीक्षा उत्तीर्ण नियोजित शिक्षकों के साथ साथ बीपीएससी टीआरई 1,2 के अध्यापकों के स्थांतरण के लिए ई शिक्षा पोर्टल पर आवेदन करने के लिए एप्लिकेशन जोड़ा है। जिसमे पुरुष,और महिला शिक्षकों के लिए अलग अलग गाइड लाइन जारी किया है ।जो एक सजा से कम नही है। बता दे की पूर्व के नियमावली को सरकार दर किनार कर नया स्थांतरण नियमावली बनाया है जो लोकतांत्रिक अधिकार का हनन है। बता दे की बिहार सरकार नियोजित शिक्षकों को परीक्षा ले कर जिला आवंटन की। जिला मिलने के बाद अब स्थांतरण के नए नीति मे पुरुष शिक्षकों से अपने गृह अनुमंडल को छोड़ कर दस अनुमंडल का विकल्प देने को कह रही है जिसे शिक्षक चिंतित है की दस अनुमंडल का विकल्प चुनने में कम से कम पांच जिला होगा जो जिला आवंटन के विरूद्ध नियमावली है ।पूर्व के नियमावली को लीपा पोती होना दिख रहा है। बिहार सरकार के इस ढुलमुल नीति के खिलाफ शिक्षक संघों ने इसे अभिलंब हटाने की मांग की है अन्यथा बाध्य होकर शिक्षक अपने चटानी एकता का परिचय देते हुए सड़क से सदन तक आंदोलन करने की चेतावनी दी है।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य समर्पित कर लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ दरभंगा के पूर्व महापौर दंपति ओमप्रकाश खेड़िया तथा बैजयंती खेड़िया के बंगलागढ़ स्थित आवासीय परिसर सम्पन्न हुआ

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य समर्पित कर लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ दरभंगा के पूर्व महापौर दंपति ओमप्रकाश खेड़िया तथा बैजयंती खेड़िया के बंगलागढ़ स्थित आवासीय परिसर सम्पन्न हुआ। परिसर स्थित अस्थाई जलाशय में बैजयंती खेड़िया ने भक्ति श्रद्धा के साथ प्रत्यक्ष देव भगवान भुवन भास्कर को विभिन्न प्रकार के पकवानों तथा फलों का अर्घ्य निवेदित किया। इस अवसर पर भारी संख्या में परिजन और संबंधी एवं इष्ट मित्र उपस्थित थे। पूर्व महापौर तथा राजद के वरीष्ठ नेता ओमप्रकाश खेड़िया ने बताया कि हमारी धर्मपत्नी बैजयंती जी दशकों पूर्व से ही लोक आस्था के महापर्व को श्रद्धा पूर्वक करतीं आ रही हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व के समय मे हम लोग भी छठ व्रत करने के लिए बागमती नदी मे जाया करते थे परन्तु बाद के दिनों मे अस्थाई जलाशय का निर्माण कर छठ व्रत करना आरंभ किया। श्री खेड़िया ने बताया कि छठ पर्व सामाजिक समरसता बनाने का बहुत ही महत्वपूर्ण माध्यम है। इसमे अमीर गरीब ऊँच नीच सभी भेदभाव मिट जाते हैं। उन्होंने कहा कि यह पर्व हमे प्रकृति के नजदीक ले जाता है। इस अवसर पर विवान यश अग्रवाल , अमृता खेड़िया,अभिनय खेड़िया, प्रतिभा बोंदिया, सरवन कंडोई,पिंटू कंदोई, सरवन खेड़िया , मुन्ना खेड़िया , नीरज खेड़िया, सनी शर्मा,, प्रदीप कंदोई , टीपू, निखिल खेड़िया , बॉबी खेड़िया , पर्ल खेड़िया , रुद्र प्रताप खेड़िया आदि दर्जनों श्रद्धालुओं ने भगवान दिनकर दीनानाथ को प्रणाम निवेदित किया।

घर आने के दौरान लोहे की रॉड चलाकर किया जख्मी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। वारिसनगर थाना क्षेत्र के रायपुर गांव में एक विवाद को लेकर कतिपय लोगों ने एक व्यक्ति को गाली गलौज करते हुए बेरहमी से मारपीट कर जख्मी कर दिया। बचाने पहुंची उसके भाई व भाभी कंचन देवी को भी जख्मी कर दिया। इस मामले में संजीत कुमार ने थाना में एक प्राथमिकी दर्ज की कराया है। जिसमें कहा है कि छठ घाट से घर जा रहे थे तो कुछ लोगों ने जाति सूचक देकर गाली गलौज करने लगा जब मना किया तो मारपीट कर जख्मी कर दिया। बचाने गईं भाभी व भाई के साथ भी मारपीट कर जख्मी कर दिया। इस मामले में मो इस्तियाक, मो इम्तियाज, मो शाहनवाज, मो तालीम, मो राजा, मो अरमान सहित छः लोगों को आरोपित किया है। थाना अध्यक्ष निरंजन कुमार ने बताया कि आवेदन मिली है, प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

समाज सेवी विश्वनाथ प्रसाद गुप्ता का निधन, शोक की लहर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। शहर के पुरानी दुर्गा स्थान पेठिया गाछी निवासी व समाज सेवी विश्वनाथ प्रसाद गुप्ता का निधन शुक्रवार को हो गया। वे लगभग 85 वर्ष के थे। बताया जाता है कि विश्वनाथ प्रसाद गुप्ता वर्तमान में वारिसनगर ब्लॉक के हांसा पंचायत के तहत महाराजगंज वार्ड संख्या 04 में रह रहे थे तथा वह कुछ दिनों से अस्वस्थ्य थे। उनके निधन से परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई। शुक्रवार की संध्या बूढ़ी गंडक नदी किनारे अंतिम संस्कार किया गया। वहीं श्री गुप्ता के निधन होने पर डॉक्टर विश्वनाथ साह, डॉक्टर बी के सिंह, डॉक्टर पप्पू कुमार,निर्मल कुमार, बब्लू कुमार, प्रकाश प्रसाद, देव नारायण, अमरेंद्र कुमार, प्रविंद महतो, रमेश गुप्ता, पैक्स अध्यक्ष उम्मीदवार नरेश कुमार महतो, प्रवीण कुमार बिट्टू, राजेश कुमार, मुखिया तेज नारायण चौधरी, सरपंच पति दीपक कुमार, अब्दुल कलाम राजा आदि ने शोक व्यक्त किया है।

पूर्व मंत्री आलोक मेहता ने दलसिंहसराय के विभिन्न छठ घाट पर पहुँचकर व्रतियों को दिया शुभकामना

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। दलसिंहसराय के स्थानीय उजियारपुर विधायक आलोक कुमार मेहता ने लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा पर अस्ताचल सूर्य की आराधना सह उर्जा के अक्षुण्ण स्त्रोत भास्कर की आराधना करते व्रतियों, उपस्थित लोंगो का अभिनंदन स्वीकारते हुए क्षेत्र के विभिन्न घाटों का सुरक्षा जायजा लिया। उन्होंने शहर और आसपास के विभिन्न नदी-पोखर घाटों पर पहुंचकर छठव्रतियों एवं श्रद्धालुओं को बधाई व शुभकामनाएं दिया। उन्होंने समाज और राष्ट्र की उन्नति, सुख-शांति, अमन-चैन की कामना की तथा व्रतियों एवं उपस्थित ग्रामीणों को छठ पूजा की बधाई दी। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष मो जाबिर हुसैन, प्रधान महासचिव राज दीपक, आपदा प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील केजरीवाल, चंदन प्रसाद, रंजित साहू, अजीत राजा पोद्दार, सोनू सिंह, सन्नी सम्राट, मो नौशाद आदि ने भ्रमण किया।

चार दिवसीय सूर्य उपासना का त्योहार हर्षोल्लास के साथ संपन्न

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र में चार दिवसीय सूर्य उपासना का त्योहार छठ पूजा का समापन शुक्रवार की सवेरे घाटों पर उदय मान सूर्य को अर्घ्य देकर संपन्न किया। प्रखंड क्षेत्र में कुछ लोग छठ व्रत दरवाजे के सामने घाट बनाकर उसे सजा कर किया। अधिकांश लोग प्रखंड क्षेत्र से गुजरने वाली बागमती नदी, सीढ़ी घाट तालाबों, बुढ़ी गंडक नदी के किनारे घाटों पर किया गया। खरसंड पूर्वी में पूर्व मुखिया रविशंकर सिंह, उप प्रमुख दीपक कुमार, सिमरिया भिंडी पंचायत मुखिया सामंत कुमार, नामापुर मुखिया राम विनोद ठाकुर, मिजार्पुर के शशि भूषण ठाकुर, सोरमार मुखिया पूनम देवी, पंचायत समिति सदस्य कल्पना कुमारी, मानवाधिकार के बृजेश मिश्रा, रामबाबू ठाकुर, भोला ठाकुर पूर्व पंचायत समिति सदस्य संगम कुमार, लदौरा पंचायत के मुखिया विनोद दास, पंचायत समिति सदस्य वीरेंद्र कुमार सिंह व संजय कुमार ने अपने - अपने पोषक क्षेत्र के घाटों पर जाकर वत्तियों के साथ सक्रिय सहयोग किया। दोनों थाना क्षेत्र की पुलिस पदाधिकारी के साथ शांति व्यवस्था बनाये रखने में सजग थे।

उगते सूर्य को अर्घ्य देकर चार दिवसीय महा पर्व छठ का हुआ समापन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

आस्था के महा पर्व चार दिवसीय छठ पूजा का मशरक नगर पंचायत और प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों के छठ घाटों पर शुक्रवार की सुबह 6 बजें उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ समापन हो गया। बनियापुर विधायक केदारनाथ सिंह और धर्मपत्नी बबिता सिंह ने सतीवारतीर छठ घाट पर अर्घ्य दिया। मौके पर छपरा पूर्व विधायक रणधीर सिंह, युवराज सुधीर सिंह , उच्च न्यायालय पटना के अधिवक्ता रितुराज सिंह मौजूद रहें। व्रती महिलाओं ने सूर्य की पहली किरण के साथ ही अर्घ्य दिया और व्रत को पूरा किया। स्वच्छता और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता जताने का यह पर्व सादगी का संदेश भी देता है। सुबह सूर्योदय हुआ तो पानी में खड़े श्रद्धालुओं के चेहरों पर भी लालिमा बिखर गई। सूर्य को अर्घ्य दिया गया, फिर कलश और वेदी का विसर्जन कर व्रत पूरा हुआ। आशीर्वाद और प्रसाद का दौर अर्घ्य देने के बाद घाट पर किया गया और बड़ों से आशीर्वाद लेने का सिलसिला शुरू हुआ। महिलाओं ने सूर्य देव और छठी मैया से मनोकामना पूर्ति हेतु प्रार्थना की। छठ व्रतियों ने निर्जला व्रत छठ माता का प्रसाद खा कर पूरा किया। पानी से बाहर निकलकर महिलाओं ने एक-दूसरे की मांग में सिंदूर लगाकर सुहाग देने की परम्परा निभाई। अखण्ड सौभाग्य के लिए लम्बा सिंदूर व्रत पूरा करने के बाद एक-दूसरे को सुहाग देते हुए महिलाओं ने नाक से मांग तक सिंदूर लगा रखा था।छठ का व्रत करने वाली महिलाओं ने बताया कि पति की दीघार्यु के लिए लम्बा सिंदूर लगाया जाता है। मान्यता है कि जितना लम्बा सिंदूर होगा उतनी ही लम्बी पति की आयु होगी। वहीं नगर पंचायत चेयरमैन सोहन महंतों,उप मुख्य पार्षद प्रतिनिधि अमित सिंह, प्रखंड प्रमुख रवि प्रकाश सिंह मंटू, प्रखंड मुखिया संघ अध्यक्ष अजीत सिंह, सोनौली मुखिया इम्तियाज खान उर्फ चुन्नू बाबू,डुमरसन मुखिया बच्चा लाल साह, पूर्व मुखिया प्रतिनिधि अमर सिंह, पूर्व मुखिया छोटा संजय,प्रखंड व्यवसायी संघ अध्यक्ष प्राण सेठ, सरपंच बिनोद प्रसाद समेत अन्य पंचायत जन प्रतिनिधि छठ घाट पर मौजूद रहें। वहीं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर डीएसपी अमरनाथ, बीडीओ पंकज कुमार,सीओ सुमंत कुमार, थानाध्यक्ष अजय कुमार समेत अन्य तैनात रहें।

लोक आस्था के महापर्व के दूसरे दिन व्रतियों ने किया खरना

बनियापुर विधायक ने धर्मपत्नी के साथ किया छठ

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

लोक आस्था का महापर्व के दूसरे दिन बुधवार की शाम 6 बजें वर्तियों ने खरना किया। बड़हिया टोला गांव में बनियापुर विधायक केदारनाथ सिंह ने धर्मपत्नी के साथ खरना पर्व किया।चार दिनों तक चलने वाले इस कठिन व्रत के लिए छठ व्रतियों ने नहाए खाए के साथ इस महा पर्व की शुरूआत किया था। दूसरे दिन बुधवार की शाम 6 बजें खरना अनुष्ठान का आयोजन किया गया। दिन भर उपवास रह कर सूर्यास्त के बाद व्रती भगवान की पूजा-अर्चना कर गुड़ की खीर, रोटी, केला का नैवेद्य देने के बाद स्वयं इसे ग्रहण किया। इसके साथ ही व्रतियों का निर्जला उपवास शुरू हुआ। वहीं तीसरे दिन यानी सात नवंबर को व्रती छठ घाट पर डूबते सूर्य को अर्घ्य देंगी। चौथे दिन आठ नवंबर को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद हवन कर सबके लिए मंगलकामना करेंगे। प्रसाद वितरण के बाद व्रती घर आकर पारण करेंगे।

महापर्व छठ में व्रतियों के बीच बनियापुर विधायक ने वितरण किया पूजन सामग्री और वस्त्र

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के शुभ अवसर पर महाराजगंज के पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह के निदेर्शानुसार बनियापुर विधानसभा क्षेत्र के राजद विधायक केदारनाथ ने मशरक प्रखंड अवस्थित बड़हिया टोला अपने आवासीय परिसर में छठ व्रतियों के बीच साड़ी एवं फल सामाग्री का वितरण किया इस अवसर पर मुख्य रूप से छपरा के पूर्व विधायक रणधीर सिंह, आईपीएल संयोजक युवराज सुधीर सिंह, मदन सिंह, अधिवक्ता ऋतुराज सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे।इस अवसर पर राजद विधायक केदारनाथ सिंह ने आस्था पवित्रता व सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा के शुभ अवसर पर बनियापुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत समस्त छठ व्रतियों के साथ साथ सभी क्षेत्र वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं व्यक्त किया है।साथ ही साथ छठी मैया से प्रार्थना किया है कि छठी मैया सभी लोगों की मनोकामना पूर्ण करें।

दरवाजे पर मवेशी बांधने के विवाद में मारपीट में 3 घायल

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के सिकटी भिखम गांव में दरवाजे पर मवेशी बांधने के विवाद में मारपीट में 3 घायल हो गए।घायलों को इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गया। घायल सिकटी भिखम गांव निवासी 22 वर्षीय चंदन कुमार और 20 वर्षीय रोहित कुमार हैं जिनके बीच मारपीट की घटना हुई वहीं बीच बचाव करने आए दवा विक्रेता सोनौली गांव निवासी 52 वर्षीय विरेन्द्र प्रसाद घायल हो गए। घायलों का डॉ चन्द्रशेखर सिंह ने इलाज किया। वहीं थाना पुलिस को आवेदन दिया गया।

प्रखंड मुखिया संघ अध्यक्ष की भौजाई के निधनं पर बनियापुर विधायक ने जताया शोक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक प्रखंड मुखिया संघ अध्यक्ष अजीत सिंह की भौजाई के निधनं की खबर पर बनियापुर विधायक केदारनाथ सिंह ने बहरौली गांव में पहुंच शोक व्यक्त किया और परिजनों से मुलाकात की। विधायक केदारनाथ सिंह ने बताया कि प्रखंड मुखिया संघ अध्यक्ष अजीत सिंह की भौजाई और अरूण सिंह की पत्नी का निधनं हो गया था,वे सामाजिक छवि और धर्मपरायण महिला थी। उनका निधनं परिवार के लिए अपूर्णीय क्षति है। वहीं विधायक केदारनाथ सिंह ने मशरक नगर पंचायत के बड़हिया टोला गांव में पूर्व सरपंच जितेन्द्र सिंह की मां से मुलाकात की और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

नावं अनियंत्रित कर पलट गयी। नाव पर सवार 10 युवक में से 08 युवक को सुरक्षित निकाल लिया गया है तथा 02 युवक की मृत्यु

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

दिनांक-08.11.24 को तरैया थाना को सूचना प्राप्त हुई कि तरैया थाना क्षेत्र के पचभिंडा गांव स्थित सरकारी तालाब में छठ पूजा के दौरान छोटी सी नाव पर 10 युवक सवार हो कर इधर-उधर घूम रहें थे। जिससे नावं अनियंत्रित कर पलट गयी। नाव पर सवार 10 युवक में से 08 युवक को सुरक्षित निकाल लिया गया है तथा 02 युवक की मृत्यु हो गयी है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया है। घटना के उपरांत आक्रोशित ग्रामीणों द्वारा नाविक के परिजनों के साथ मार-पीट की घटना कारित की गई है। तरैया थाना द्वारा घटना से जुड़ी सभी पहलुओं की जाँच कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। वर्तमान में स्थिति सामान्य है।

आम जनों से अपील है कि अफवाहों पर ध्यान न दें एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें।

सारण पुलिस, आपकी सेवा में सदैव तत्पर...

आम जनों से अपील है कि अफवाहों पर ध्यान न दें एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें।

सारण पुलिस, आपकी सेवा में सदैव तत्पर...

मशरक में सड़क दुर्घटना में आधा दर्जन घायलों में दो रेफर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के अलग-अलग गांवों में सड़क दुर्घटना में आधा दर्जन घायलों में दो को सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया गया। पहली घटना में एस एच 73 पर मुन्नी मोड़ पर बाइक दुर्घटना में बड़हिया टोला गांव निवासी नरेन्द्र सिंह काका के 40 वर्षीय पुत्र आलोक कुमार सिंह उर्फ पिंटू घायल हो गए। इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गया जहां छपरा पूर्व विधायक रणधीर सिंह ने पहुंच हाल चाल जाना। दूसरी घटना में मशरक मलमलिया के बीच बाइक सवार को बचाने के दौरान दो कार की आगे पीछे टक्कर में तरैया थाना क्षेत्र के शहनवाजपुर गांव निवासी रफीक अहमद का 23 वर्षीय पुत्र परवेज आलम और अब्दुल मन्नान का 30 वर्षीय पुत्र सद्दाम हुसैन घायल हो गए। बताया गया कि वे गोपालगंज में शादी समारोह में शामिल होने गये थें वहीं से वापस लौट रहे थे कि दुर्घटना हो गई। वहीं तीसरी घटना में बनियापुर थाना क्षेत्र के हरपुरकराह गांव निवासी स्व जगन्नाथ साह का 80 वर्षीय पुत्र विक्रमा साह को बाइक की टक्कर में घायल हालत में इलाज के लिए 112 की टीम ने सीएचसी मशरक में भर्ती कराया। घायल वृद्ध अपने रिश्तेदारी में आए थें और टहलते हुए दक्षिण टोला गांव की तरफ चलें गये जहा अनियंत्रित बाइक सवार ने टक्कर मार दी। वहीं सीएचसी मशरक में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ अनंत नारायण कश्यप ने दो को सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया।

छठ पूजा के लिए पटना में गंगा घाट पर पहुंचे सीएम नीतीश कुमार-जेपी नड्डा

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

टना: बिहार में छठ पूजा के अवसर पर विभिन्न घाटों पर भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। इस मौके पर पटना में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा छठ पूजा के लिए पटना के गंगा घाट पहुंचे। नीतीश कुमार ने पटना में छठ पूजा की रस्में निभाईं। सीएम नीतीश कुमार और जेपी नड्डा ने लोगों को छठ पूजा की बधाई दी है।वहीं, आरजेडी प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव और उनके बेटे और तेजस्वी यादव भी छठपूजा के लिए पटना के गंगा घाट पर पहुंचे हैं। इस मौके पर तेजस्वी यादव ने कहा कि हम राज्य और देशवासियों को छठ पर्व की शुभकामनाएं देते हैं। बड़ी संख्या में लोग आए हैं। हम छठी मैया से प्रार्थना करेंगे कि शांति बनी रहे, बिहार आगे बढ़ता रहे, सबके जीवन में सुख-शांति बनी रहे और बिहार और देश आगे बढ़े। अब यह छठ पूजा कई राज्यों में मनाई जा रही है, देश के बाहर भी जो लोग छठ पूजा मना रहे हैं, उन्हें हमारी शुभकामनाएं।

पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव को फिर मिली लॉरेंस गैंग से धमकी, कनॉट प्लेस थाने में दर्ज हुआ केस

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मुंबई के बांद्रा से विधायक बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली थी। इस हत्याकांड के बाद पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने लॉरेंस बिश्नोई को खुली चुनौती दी थी। इसके बाद से ही लगातार पप्पू यादव को जान से मारने की धमकी मिल रही है। बीते दिनों उन्हें जान से मारने की धमकी मिली थी। इस बीच एक बार फिर उन्होंने जान से मारने की धमकी दी गई है। धमकी देने वाले ने खुद को लॉरेंस गैंग का सदस्य बताया है। पप्पू यादव के पीए मोहम्मद सादिक आलम के अनुसार, उसके व्हाट्सऐप पर धमकी भरे मैसेज किए गए हैं। धमकी देने वाले शख्स ने लिखा, वह लॉरेंस गैंग को मिटाने की धमकी दे रहा था न, उसको बोलना उसकी सुपारी मिली है। इस मामले में सांसद के पीए ने दिल्ली के कनॉट प्लेस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। दिल्ली पुलिस को दिए आवेदन में मो. सादिक ने बताया, मेरे मोबाइल नंबर पर व्हाट्सऐप मैसेज और कॉल आए, जिसमें कहा गया कि सांसद को जान से मारेंगे। पप्पू यादव के पीए को धमकी वाला मैसेज बुधवार रात 2 बजे और फिर गुरुवार सुबह 10 बजे के करीब आया। धमकी देने वाले शख्स ने अपने व्हाट्सऐप डीपी पर लॉरेंस बिश्नोई की फोटो लगा रखी थी।धमकी देने वाले ने भेजी हथियार की तस्वीरउन्होंने बताया कि धमकी देने वाले ने हथियार की फोटो भी व्हाट्सऐप ग्रुप पर भेजी है। पुलिस में शिकायत दर्ज करने पर भी उसने लिखा कि "तूने तो पुलिस में केस कर दिया, पुलिस के पास मत जा।" बता दें कि इससे पहले भी पप्पू यादव को कई दूसरे नंबरों से भी जान से मारने की धमकी दी गई थी।

समस्तीपुर: पूजा के लिए फूल तोड़ने गए सगे भाई-बहन कुएं में गिरे, बहन की मौत से छठ का उल्लास मातम में बदला

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

जिले के शिवाजीनगर थाना अंतर्गत डुमरा मोहन पंचायत के गनौली गांव में गुरुवार सुबह फूल तोड़ने के क्रम सगे भाई बहन कुआं में गिर गए।हल्ला होने पर लोग जब तक दोनों को कुंआ से निकलते बहन की मौत हो चुकी थी। भाई को गंभीर हालत में इलाज के लिए शिवाजीनगर पीएचसी में भर्ती कराया गया। कुंआ में गिर कर मरने वाली बच्ची की रंजना कुमारी (10 वर्ष) और गंभीर रूप से जख्मी भाई की हर्ष कुमार (8 वर्ष) के रूप में पहचान की गयी है।

दोनों दरभंगा जिला के बहेड़ी थाना क्षेत्र के हावी पंचायत के कुमार पोखेर गांव के वार्ड 8 निवासी सरोज पंडित की पुत्री व पुत्र बताएं गए है। ग्रामीणों ने बताया कि दोनों बहन व भाई अपनी मां लक्ष्मी देवी के साथ डुमरा मोहन पंचायत के गनौली गांव में छठ पर्व में आये थे। गुरुवार सुबह दोनों पूजा के लिये फूल तोड़ने के लिए गांव में निकले थे। बताया गया है कि एक पुराना कुंआ झाड़ी से ढंका हुआ था, जिसकी जानकारी नहीं होने के कारण दोनों उसमें गिर गए। हल्ला होने पर ग्रामीण रामबली मंडल ने कुएं में कूद काफी मशक्कत के बाद दोनों को उपर लाया। जिसके बाद दोनों को शिवाजीनगर पीएससी में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने देखने के बाद बहन रजना कुमारी को मृत घोषित कर दिया। वहीं भाई हर्ष कुमार की गंभीर स्थिति देखते हुए रेफर कर दिया। इस संबंध में शिवाजीनगर थाना अध्यक्ष छोटेलाल सिंह ने बताया कि मृत बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए समस्तीपुर सदर अस्पताल भेज दिया गया है। दूसरी ओर इस घटना से मृत बच्ची के परिजनों के चीत्कार से गांव में छठ का उल्लास मातम में बदल गया।

पहाड़ों की चादर ओढ़े

मेघालय

शिलांग भारत के उत्तर–पूर्वी राज्य मेघालय की राजधानी है। भारत के पूर्वोत्तर में बसा शिलांग हमेशा से पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र रहा है। इसे भारत के पूरब का स्कॉटलैण्ड भी कहा जाता है। पहाड़ियों पर बसा छोटा और खूबसूरत शहर पहले असम की राजधानी था। असम के विभाजन के बाद मेघालय बना और शिलांग वहां की राजधानी। लगभग 1695 मीटर की ऊंचाई पर बसे इस शहर में मौसम हमेशा खुशगवार बना रहता है। मानसून के दौरान जब यहां बारिश होती है, तो पूरे शहर की खूबसूरती और निखर जाती है और शिलांग के चारों तरफ के झरने जीवंत हो उठते है।

शिलांग के अधिकांश लोग खासी नामक जनजाति के हैं। इस जनजाति? के ज्यादातर लोग ईसाई धर्म को मानने वाले हैं। खासी जनजाति के बारे में दिलचस्प बात यह है कि इस जनजाति में महिला को घर का मुखिया माना जाता है। जबकि भारत के अधिकांश परिवारों में पुरुष को प्रमुख माना जाता है। इस जनजाति में परिवार की सबसे बड़ी लड़की को जमीन जायदाद की मालकिन बनाया जाता है। यहां मां का उपनाम ही बच्चे अपने नाम के आगे लगाते हैं।

चेरापुंजी भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य मेघालय का एक शहर है। यह शिलांग से 60 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह स्थान दुनिया भर में मशहूर है। हाल ही में इसका नाम चेरापूंजी से बदलकर सोहरा रख दिया गया है। वास्तव में स्थानीय लोग इसे सोहरा नाम से ही जानते हैं। यह स्थान दुनियाभर में सर्वाधिक बारिश के लिए जाना जाता है। इसके नजदीक ही नोहकालीकाई झरना है, जिसे पर्यटक जरूर देखने जाते हैं। यहां कई गुफा भी हैं, जिनमें से कुछ कई किलोमीटर लम्बी हैं। चेरापूंजी बांगलादेश सीमा से काफी करीब है, इसलिए यहां से बांगलादेश को भी देखा जा सकता है।

ऐसा नहीं है की जब भी आप को अपनी छुट्टियाँ मज़ेदार बनानी हो आप गोवा या किसी हिल स्टेशन की ओर निकल पड़ें। भारत के उत्तरी पूर्वी क्षेत्र में भी आपको बेहद सुकून और शांति के अहसास का आनंद मिल सकता है । जी हाँ, अगर आप को माइंड रिफ्रेश करना हो और कुछ दिनों के लिए आप भाग दौड़ से दूर स्ट्रेस फ्री मूड में रहना चाहते हैं तो मेघालय से अच्छी कोई जगह हो ही नहीं सकती।

मेघालय यानि 'बादलों का घर', जिसका नाम ही इतना ताज़गी भरा हो सोचिये ज़रा वो जगह भी कितनी शानदार होगी। मेघालय में जो रुहानी राहत और मानसिक शांति मिलती है वो तो बस अनमोल ही है। यहाँ की मनोरम वादियाँ देख कोई भी इसकी खूबसूरती का कायल हुए बिना नहीं रह पायेगा। मेघालय की प्राकृतिक सुन्दरता ही है जो पर्यटकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करती है। यहाँ का वातावरण भी बहुत ही मनमोहक और ताज़गी से भरपूर होता है। बारिश के दिनों में तो वर्षा से भरे बादलों के बीच मेघालय की पहाड़ियां बहुत दिल लुभावनी दिखाई देती हैं।

मेघालय में घूमने के लिए बहुत सी शानदार जगहें हैं जहाँ प्रकृति की असली सुन्दरता बहुत ही भव्य रूप में नज़र आती है।

शीतल शिलॉंग

मेघालय का कैपिटल शिलॉंग पर्यटकों का सबसे महत्वपूर्ण टूरिज्म डेस्टिनेशन है। और भला ऐसे कैसे हो सकता है कि आप भारत के उत्तरी पूर्वी क्षेत्र में जायें और शिलॉंग न देखें । शिलॉंग जाये बिना तो आपके घूमने का मज़ा अधुरा ही रह जायेगा। शिलॉंग की लाजवाब खूबसूरती और यहाँ की ऊँची-ऊँची पहाड़ियां आप का दिल चुरा लेंगी। शिलॉंग जाने के लिए बारिश का मौसम बहुत ही उत्तम होता है। शिलॉंग की किसी पर्वत चोटी पर खड़े हो कर पूरे शहर का अद्वितीय नज़ारा लिया जा सकता है। शिलॉंग में अनेक मनोरम स्थल हैं जिन में वार्ड लेक, लेडी हैदरी पार्क, पोलो ग्राउंड और मिनी चिड़ियाघर प्रमुख हैं। लेकिन यहाँ पर सबसे ज़्यादा प्रसिद्द है एलीफैंट वाटर फॉल जो बहुत ही खूबसूरत है और साथ ही यहाँ पर लोग एयर बैलून का भी पूरा लुत्फ़ उठाते हैं।

चंचल चेरापूंजी

चेरापूंजी नाम सुनते ही बचपन में पढ़ा जियोग्राफी का वो चैप्टर याद आ जाता है ना जिसमे हमने पढ़ा था 'चेरापूंजी में सबसे ज़्यादा बारिश होती है'। सोचिये कितना रोमांच भरा होगा ऐसी जगह को हकीकत में देखना । चेरापूंजी पर्यटकों का फेवरेट स्पॉट है। चेरापूंजी में माकडॉक और डिमपेप घाटी का दृश्य पर्यटकों को अपनी ओर खींचता है। चेरापूंजी की बारिश की बूंदे तन-मन को ऐसे भिगो देंगी की दिल ताज़गी से भर उठेगा। चेरापूंजी का सबसे आकर्षक स्थान है नोहकलिकाई झरना। हजारों फीट ऊपर से गिरता यह दूधिया सफ़ेद झरना बहुत ही मनमोहक और खूबसूरत है। इसके अलावा चेरापूंजी का माउलंग सीम पीक एक ऐसा स्थान है जो यात्रियों के लिए रहस्य, रोमांच, साहस और सौंदर्य से भरा हुआ है। दूर एक हज़ार मीटर ऊंचाई से गिरता झरना, घने वृक्षों से घिरा जंगल, बादलों के पास बसा बांग्लादेश यहां से दिखाई देता है।

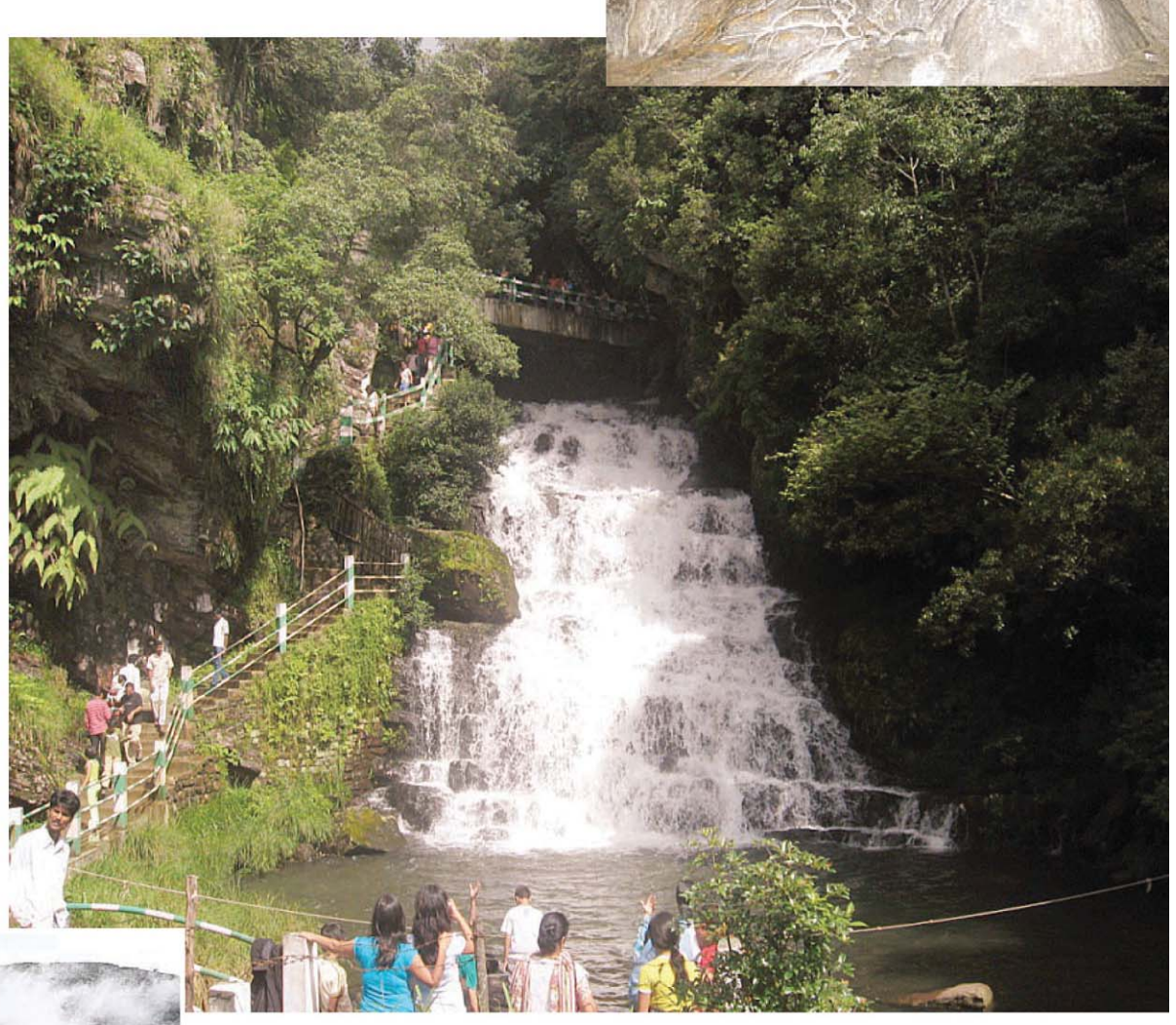

मेघालय में पाई जाने वाली गारो पहाडियों में तो मानसून के मौसम में घूमने का मज़ा दोगुना हो जायेगा। मानसूनी सीजन के वक्त यहाँ बादल हमेशा बने रहते हैं। खासी और जेंतिया पहाड़ी की ऊंचाई पर एक विशेष प्रकार का मौसम रहता है, जिसमें हल्की ठंडक हृद्वह्लद्ब है। विंटर में यहां तेज़ सर्दी पड़ती है। इसके साथ ही रामकृष्ण का मंदिर, नोखालीकाई वॉटर फॉल, वेल्श मिशनरियों की दरगाहें, ईको पार्क, डबल ड्रेकर रूट ब्रिज और चेरापूंजी मौसम विभाग वैधशाला देखने लायक स्थान हैं। चेरापूंजी में होने वाली तेज़ बारिश से यहाँ की चट्टानों में दरार पड़ गई है और सभी ढलानों पर झरने का दृश्य बेहद मनोरम है।

मेघालय देश के उत्तरी पूर्व क्षेत्र का खूबसूरत राज्य है जिसे देख कर लगता हैं मानो इसने पहाड़ की चादर ओढ़ रखी हो। इस राज्य का एक तिहाई हिस्सा घने जंगलों से भरा है। इस

राज्य को पूरब का स्काटलैंड कहा जाता है। यहां पूरे देश के मुकाबले बहुत ज्यादा बारिश होती है।

मेघालय बायोडाइवरसिटी यानी जैविक विविधता से भरपूर है। यहां पौधे, जीव-जन्तु और पक्षियों की कई प्रजातियां पाई जाती हैं। मेघालय में खेती में प्राथमिकता दी गई है। यहां की मुख्य फसलें हैं- केला, मक्का अनानास, आलू और चावल। मेघालय की शिलांग चोटी को यहां के निवासी भगवान का निवास स्थल मानते हैं।

पर्यटकों का यहां हर समय तांता लगा रहता है। इस राज्य की खूबसूरती और इसके मनमोहक दृश्य के कारण पर्यटक खिंचे चले आते हैं। यहां तीन वाइल्ड लाइफ सैंक्चुरी और दो नेशनल पार्क हैं। ट्रैकिंग हाइकिंग और पर्वतारोहण के दीवानों के लिए यह जगह बेहतर है। यह यूमियान लेक में वॉटर स्पोर्ट्स का मजा लिया जा सकता है। यहां के लोगों में वॉटर स्पोर्ट्स काफी लोकप्रिय है।

चूना पत्थर और बलुआ पत्थर से बनी लगभग 500 गुफाएं यहां मौजूद हैं। जिनमें से कुछ ऐसी भी हैं, जो देश की सबसे लंबी और गहरी गुफा है। ये गुफाएं देखने के लिए देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। इस राज्य का सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थल है चेरापूंजी। यहां के अद्भुत प्राकृतिक दृश्य पूरे उत्तरी-पूर्व भारत में सबसे अनोखे और दर्शनीय हैं।

यहां कई वाटरफॉल हैं। जैसे शेदेथम फॉल्स, विनिया फॉल्स, एलिफेंट फाल्स, नोहकालीलाई, स्वीट फॉल्स, विशप्स फाल्स और लैंगशियांग फॉल्स। इन झरनों की खूबसूरती देखते बनती है। मेघालय को खैसिस जैंटिया और गैरो हिल्स के अनुसार विभिन्न भागों में बांटा गया है। यहां कई नदियां हैं, जिनमें कुछ मौसमी हैं। इनमें से कुछ नदियां खूबसूरत वाटरफॉल बनाती हैं।

मेघालय घूमने का सबसे अच्छा मौसम है गर्मियां। वैसे आप मेघालय कभी भी जाएं गर्म कपड़ों की जरूरत हमेशा पड़ती है। सड़क, रेल और हवाई यातायात के साथ यहां हेलिकॉप्टर सेवा भी उपलब्ध है, जो शिलांग से गुवाहाटी को जोड़ती है।

दिल का दर्द
पहचानें इसके लक्षण

कोरोनरी हार्ट डिजीज किसी भी उम्र में हो सकती है। समय रहते इलाज करा लिया जाए तो आप दिल के दौरे जैसे खतरे से बच सकते हैं।

कोरोनरी धमनी रोग यानी सीएडी एक तरह का हृदय रोग है, जिसमें हमारे हृदय की धमनियों के अंदर प्लेक नाम के एक मोम जैसे पदार्थ का निर्माण होने लगता है, जिससे हमारी धमनियां सिकुड़ जाती हैं और हमारे हृदय तक ऑक्सीजन युक्त खून का प्रवाह घट जाता है। यही प्लेक जब हमारे हृदय की धमनियों के आधे हिस्से में फैल जाता है तो हमारी छाती में दर्द होने लगता है और रोजमर्रा के काम में हमें परेशानी होने लगती है।

इसके अलावा छाती में कसाव और ऐंठन भी महसूस होने लगती है, जिसे एनजाइन कहते हैं। कंधे, बांह, गर्दन, दांत के जबड़े, पीठ और पेट के ऊपरी भाग में भी यह दर्द हो सकता है। सीएडी की वजह से ही दिल का दौरा पड़ता है। किसी व्यक्ति को दिल का दौरा तब पड़ता है, जब उसके प्लेक टूटने लगते हैं और धमनियों पर खून के थक्के जमने लगते हैं, जिससे हृदय की धमनियों में खून का प्रवाह बहुत कम समय में ही अवरुद्ध हो जाता है।

ऐसे में अगर खून का प्रवाह तुरंत पहले जैसा नहीं हुआ, तो हृदय की मांसपेशियां 20 मिनटों के बाद ही मृत होने लगती हैं। ऐसे में व्यक्ति का तुरंत इलाज करवाना चाहिए, नहीं तो सेहत से जुड़ी परेशानियों के अलावा मृत्यु तक का खतरा हो सकता है। सांस की कमी, मिचली आना, उल्टी करना, चक्कर आना आदि दिल के दौरे के लक्षण हैं।

इन वजहों से सीएडी में विकास होता है

धूम्रपान, बीमारी का पारिवारिक इतिहास, मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, सुस्त जीवनशैली, व्यायाम में कमी, तनाव, हाईपरलीपिडेमिया (खून में लीपिड की मात्रा का बढ़ना)।

समय रहते करा लें इलाज

सही समय पर हृदय से जुड़ी इस परेशानी का इलाज न कराया जाए तो हृदय काम करना बंद कर सकता है। इससे हृदय की पम्पिंग क्षमता कम हो जाती है, तो फेफड़ों में खून का जमाव होने लगता है और व्यक्ति को सांस लेने में दिक्कत होने लगती है। इसके अलावा हृदय की गति अचानक से रुक जाना भी इसकी एक बड़ी समस्या है। कई बार मरीज को यह आभास नहीं हो पाता कि उन्हें हृदय से जुड़ी कोई परेशानी है। इसलिए शुरुआत में ही बीमारी की पहचान हो जाए तो इस बीमारी का इलाज करना संभव होगा। फिर भी अगर बीमारी की पहचान नहीं हो पा रही हो और दवाइयों से भी कोई फायदा नहीं हो पा रहा हो, तो कार्डिएक रिसिंक्रोनाइजेशन थेरेपी की मदद ली जा सकती है। वहीं दिल के दौरे पड़ने पर खून के थक्कों को हटाने के साथ एंजियोप्लास्टी (अवरुद्ध धमनियों को खोलने की एक तकनीक) एक सुरक्षित तरीका है।

अपनाएं ये उपाय

अपनी जीवनशैली में कुछ जरूरी बदलाव कर आप इस बीमारी से बच सकते हैं, जिसमें वजन को नियंत्रित रखने के साथ निम्न बातों पर अमल करने की सलाह दी जाती है।

स्वस्थ डाइट अपनाएं

एक स्वस्थ डाइट एक स्वस्थ जीवनशैली का अहम हिस्सा होती है। एक दिन की डाइट में 25-35 प्रतिशत से ज्यादा कैलोरी नहीं होनी चाहिए। इसके साथ ही स्वस्थ डाइट में घुलनशील फाइबर होता है। फाइबर पाचन तंत्र को कोलेस्ट्रॉल सोखने से रोकता है। ओटमील, जई का चोकर, सेब, केले, संतरे, नाशपाती, आलूबुखारे, काबुली चने, राजमा, दाल, लोबिया में फाइबर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इसके अलावा खाने में नमक संतुलित मात्रा में होनी चाहिए, साथ ही खाने में ऊपर से नमक कभी न डालें। नियमित तौर पर अल्कोहल का सेवन करने वाले पुरुषों को दिन में दो बार से ज्यादा ड्रिंक नहीं लेनी चाहिए।

शारीरिक तौर पर रहें सक्रिय

नियमित रूप से शारीरिक श्रम हृदय से जुड़ी कई बीमारियों (जैसे उच्च रक्तचाप, अत्यधिक वजन) के खतरे को कम कर देता है। यही नहीं, यह मधुमेह के खतरे को भी कम करता है। शारीरिक रूप से सक्रिय रहने के लिए आप रोज तेज-तेज चलें, सीढियां चढ़ें या कोई खेल खेलें। जॉगिंग, स्विमिंग, बाइकिंग, वॉकिंग जैसे एरोबिक व्यायाम भी आपके हृदय को स्वस्थ बनाते हैं। एक हफ्ते में 150 मिनट यानी करीब ढाई घंटे के हल्के व्यायाम या 75 मिनट यानी सवा घंटे के कड़े व्यायाम की सलाह दी जाती है।

धूम्रपान से बचें

धूम्रपान दिल का दौरा पड़ने का एक बहुत बड़ा कारण है। आंकड़े बताते हैं कि 65 साल के कम उम्र के एक तिहाई लोगों में क्रोनिक हर्ट डिजीज का मुख्य कारण धूम्रपान होता है। वहीं जिन लोगों ने समय रहते ही धूम्रपान छोड़ा है, उनमें कोरोनरी धमनी रोग से उत्पन्न मृत्यु का खतरा करीब आधा कम हो गया। यह भी देखा गया है कि जो लोग धूम्रपान नहीं करते, उनका इलाज धूम्रपान करने वाले लोगों से ज्यादा प्रभावी तरीके से हो पाता है।

तनाव से रहें दूर

रिसर्च बताते हैं कि मानसिक तनाव भी दिल का दौरा पड़ने का एक अहम कारण है। कई बार तनाव दूर करने के लिए लोग ड्रिंक, धूम्रपान या ओवरईटिंग का सहारा लेने लगते हैं, जिससे हृदय की सेहत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए तनाव से दूर रहें और हृदय को स्वस्थ रखें।

ऐसे पहचानें ब्रेन हैमरेज

सामान्य चिकित्सक सबअरैक्नॉइड हैमरेज़ के मुख्य लक्षण के तौर पर तेज होने वाले सिरदर्द की पहचान करने में विफल रहते हैं और 18 फीसदी मरीज़ों को अस्पताल में भर्ती कराते समय तंत्रिका संबंधी जांच नहीं उपलब्ध नहीं होती है।

ब्रेन हैमरेज यानी मस्तिष्क आघात, विशेषकर धमनी विकार से पीड़ित व्यक्ति की जांच या उसके इलाज में हुई देरी मरीज़ की देखभाल के लिए नुकसानदेह साबित हो सकती है।

इन 7 अंगों में दर्द हो सकता है गंभीर रोगों का इशारा

मरीज़ों की स्थिति और मृत्यु को लेकर राष्ट्रीय विश्वसनीयता जांच रिपोर्ट (एनसीईपीओडी) में कहा कि सामान्य रोग चिकित्सक मस्तिष्क आघात के लक्षणों की पहचान करने में विफल रहते हैं और स्वास्थ्य लाभ की स्थितियां खराब हैं।

बार-बार सिरदर्द के पीछे हो सकती है यह वजह

हालांकि एनसीईपीओडी ने 58 फीसदी मामलों में बेहतर देखभाल पाई है। ब्रिटेन में हर वर्ष पांच हजार लोग सबअरैक्नॉइड हैमरेज़ से प्रभावित होते हैं। एनसीईपीओडी की यह रिपोर्ट सबअरैक्नॉइड हैमरेज़ के 427 मामलों के विश्वसनीय विश्लेषण पर आधारित है। इनमें इंग्लैंड, वेल्स, उत्तरी आयरलैंड, द चैनल आइसलैंड और आइल ऑफ मैन से पीड़ित शामिल हैं। कुल मिलाकर रिपोर्ट में इस प्रकार के मस्तिष्क आघात वाले मरीज़ की देखभाल में बड़े स्तर पर आए बदलाव का एक उपलब्धि के तौर पर स्वगत किया गया है। रिपोर्ट में कहा कि 90 फीसदी अस्पतालों में सप्ताह के साते दिनों सीटी स्कैन की सुविधा उपलब्ध रहती है और 86 फीसदी मरीज़ों का इलाज आधुनिकतम एंडोवैस्कुलर तकनीकों के इस्तेमाल के जरिए होता है। लेकिन दूसरे इलाकों में मरीजों को यह सुविधाएँ उपलब्ध नहीं हैं।

सप्ताहांत में होने वाली देरी

देखा गया है कि सामान्य चिकित्सक सबअरैक्नॉइड हैमरेज़ के मुख्य लक्षण के तौर पर तेज होने वाले सिरदर्द की पहचान करने में विफल रहते हैं और 18 फीसदी मरीज़ों को अस्पताल में भर्ती कराते समय तंत्रिका संबंधी जांच नहीं उपलब्ध नहीं होती है। रिपोर्ट के अनुसार अस्पताल में भर्ती होने के बाद सप्ताहांत के समय इलाज में देरी होना आम बात है। तीस फीसदी मरीजों को 24 घंटों के अंदर इलाज मिल पाता है। जबकि सामान्य दिनों में 70 फीसदी मरीजों का इलाज संभव हो पाता है। एनसीईपीओडी की रिपोर्ट के अनुसार सर्जरी के बाद अस्पताल से छुट्टी होने पर देखभाल में सुधार किया जा सकता है।

इस रिपोर्ट के सह-लेखक और सलाहकार सर्जन प्रोफेसर माइकल गॉह ने कहा कि सबअरैक्नॉइड हैमरेज़ के बहुत से मरीज़ अपनी बाकी के जीवन में रोज़मर्रा के कामकाज के लिए दूसरों पर निर्भर हो जाते है। इसलिए यह जरूरी है कि इस बीमारी से पीड़ित सभी मरीज़ों की न केवल सर्जरी के बाद तुरंत सही देखभाल हो बल्कि बाद में ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि जिनता जल्दी संभव हो, मरीजों की उनके स्वस्थ होने में मदद की जाए। एनसीईपीओडी की इस रिपोर्ट में अस्पतालों को स्थानीय विशेषज्ञ तंत्रिकातंत्र केंद्र से सम्बद्ध करने की सिफारिश की गई है, ताकि मरीजों का समय रहते इलाज संभव हो सके। इसके साथ ही मरीजों की जांच और प्रबंधन सुधारने के लिए देखभाल के मानक प्रक्रियाएं लागू करने की सिफारिश की है।

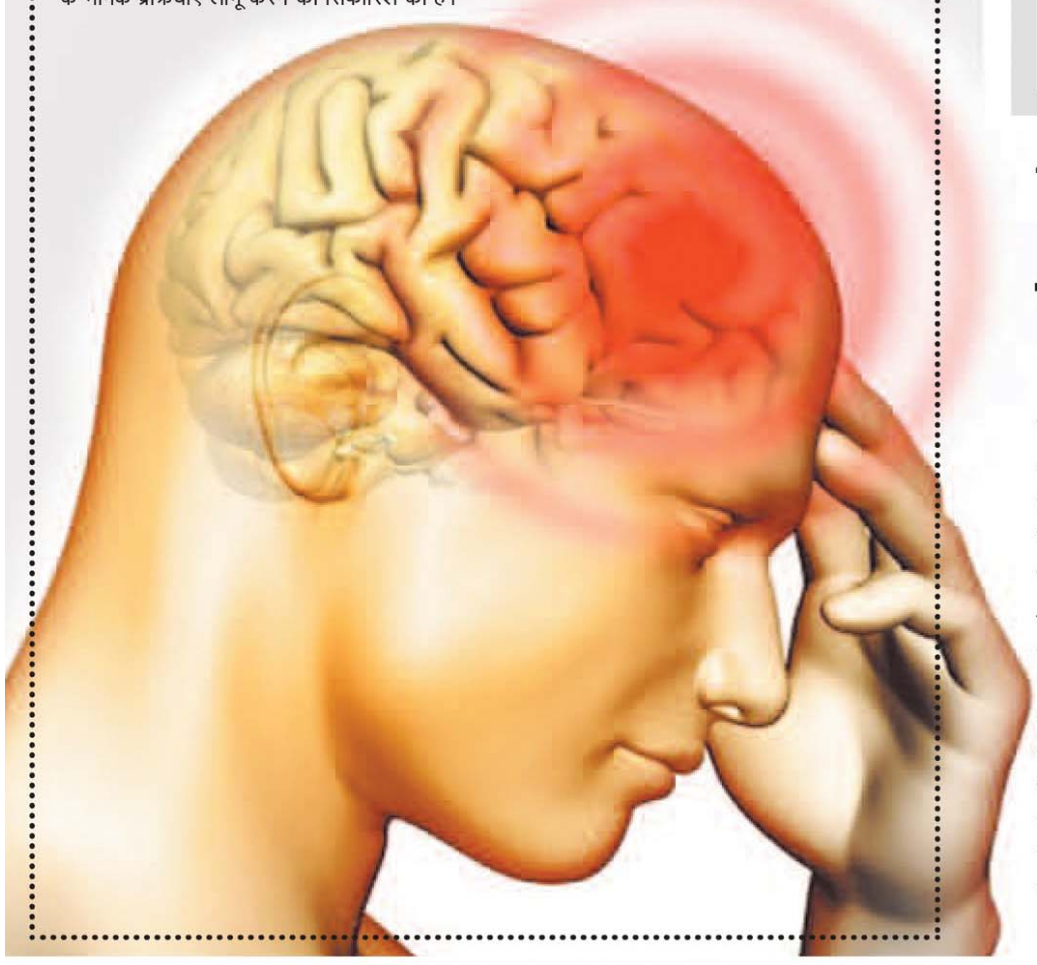

किशोरों में बढ़ रही मधुमेह की बीमारी

एक दशक पूर्व व्यस्कों में होने वाली मधुमेह की बीमारी अब किशोरों को भी चपेट में ले रही है। लेकिन इसके बारे में जानकारी हासिल करना कि बच्चा मधुमेह से पीड़ित है या नहीं प्रत्येक माता-पिता के लिए चिंता का कारण बन रही है। किशोर मधुमेह अनुसंधान फाउंडेशन के मुताबिक तेजी से बच्चों में टाइप-1 मधुमेह की बीमारी बढ़ रही है। जीवन शैली में लगातार हो रहे बदलाव से टाइप-2 मधुमेह भी बढ़ रहा है। जिले में भी एक बड़ी संख्या में बच्चे मधुमेह की चपेट में आ रहे हैं। मधुमेह के प्रति जागरूकता लाने के लिए विश्व मधुमेह दिवस किशोर मधुमेह जागरूकता के रूप में मनाया जाता है।

क्या है मधुमेह बीमारी का कारण

वरिष्ठ फिजीशियन डा. अरविंद डोगरा बताते हैं कि किशोर मधुमेह अनुवाशिक मुद्दा है। बच्चों में टाइप-1 मधुमेह का मतलब है कि उनके शरीर में इंसुलिन नहीं बन रहा और इस बीमारी से बचने के लिए उन्हें बाहर से इंसुलिन लेने की जरूरत है। किशोर मधुमेह या इंसुलिन- डिपेंटेंड मधुमेह के तौर पर जाना जाने वाली यह बीमारी बच्चे के जीवन को पुनप्परिभाषित कर सकती है जिन्हें नियमित रूप से रक्त शर्करा स्तर (बल्ड शुगर लेवल) और उसके प्रबंधन की आवश्यकता होगी।

कैलोरी का च्यादा सेवन, सामान्य चीनी, संतृप्त वसा और कम फाइबर वाले अनुचित आहार एवं कम होती शारीरिक गतिविधि के साथ तेजी से बदलती जीवनशैली उन्हें अधिक घातक टाइप-2 मधुमेह की चपेट में धकेल सकता है।

कैसे पहचाने मधुमेह

ज्यादातर लोग इस बात से अनजान हैं कि मधुमेह बच्चों को भी हो सकता है, जब तक हालात बहुत न बिगड़ जाए तब तक बीमारी का पता नहीं चलता। हालाकि बीमारी की शुरुआत धीमी है और माता-पिता अक्सर लक्षण के बारे में भ्रमित रहते हैं या उसे नजर अंदाज कर देते हैं। इसके बावजूद प्यास या पेशाब में वृद्धि, देखने की क्षमता से जुड़ी समस्याएं, अचानक कम होता वजन या बच्चे में सुस्ती कुछ ऐसे लक्षण हैं जिन्हें गंभीरता से लेना चाहिए। तुरंत किसी डॉ से परामर्श करना चाहिए और बच्चे की जरूरी जाच करनी चाहिए क्योंकि इन समस्याओं की वजह संभव है मधुमेह हो।

सावधानी बरत कर करें बचाव

मधुमेह को रोकने के लिए जरूरी है कि हम अनिवार्य और नियमित शारीरिक गतिविधि के साथ स्वस्थ खानपान और ग्लूकोस के स्तर की नियमित निगरानी करें। स्वस्थ खानपान और शारीरिक गतिविधि के जरिए मोटापे और इसके विनाशकारी परिणाम से बचा सकती है। मधुमेह से पीड़ित कोई बच्चा हाइपोग्लिसेमिक (ब्लड शुगर कम हो जाना) हो जाए, तो जरूरी है कि बच्चे को दो चम्मच चीनी, ग्लूकोज या मीठा पेय दिया जाए।

रोज योग का फायदा जानते हैं आप?

योग हमारी सेहत के लिए कितना फायदेमंद है, यह बताने की जरूरत नहीं। पर यह फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित मरीजों की जिंदगी को बेहतर बनाने का बेहद आसान और कम खर्चीला तरीका भी साबित हो सकता है।

ये नौकरियां हैं फेफड़े के लिए खतरनाक

एम्स के डॉक्टरों द्वारा किए गए अध्ययन में यह दावा किया गया है। इस अध्ययन को यहां आयोजित चेस्ट 2013 की बैठक में पेश किया गया।

जानें, एक्सरसाइज के दिलचल्प विकल्प

इसमें 12 हफ्तों की ट्रेनिंग के बाद क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पुलमोनेरी डिजीज (सीओपीडी) से पीड़ित मरीजों के फेफड़े और सांस संबंधी तकलीफों में महत्वपूर्ण सुधार देखने को मिला। ऐसे मरीजों को अपने फेफड़ों से सांस बाहर निकालने में तकलीफ होती है, जिससे ताजी हवा शरीर के अंदर लेना मुश्किल हो जाता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि वैसे तो सीओपीडी का कोई इलाज नहीं है, लेकिन सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षणों को नियंत्रित कर इस बीमारी से पीड़ित मरीजों की जिंदगी को बेहतर बनाया जा सकता है। सिगरेट पीने की वजह से ज्यादातर लोग इस बीमारी की चपेट में आ जाते हैं और इसके लक्षण अक्सर 40 की उम्र में देखने को मिलते हैं।

भारत को 2030 तक एक लाख कंपनी सचिवों की आवश्यकता होगी: आईसीएसआई

नई दिल्ली ।

कंपनी सचिवों के शीर्ष निकाय आईसीएसआई का कहना है कि तेज आर्थिक वृद्धि और बढ़ते हुए कंपनी संचालन के दौरान भारत को 2030 तक लगभग एक लाख कंपनी सचिवों की जरूरत होगी। वर्तमान में 73,000 से अधिक कंपनी सचिव हैं और इनमें से लगभग 12,000 कंपनी सचिव कार्यरत हैं। कंपनी सचिव कंपनियों में विभिन्न सांविधिक जरूरतों का अनुपालन सुनिश्चित कर कॉरपोरेट संचालन ढांचे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को देखने के नजरिये में महत्वपूर्ण बदलाव आया है और कंपनी सचिव भारत को दुनिया के सबसे पसंदीदा निवेश स्थलों में से एक बनाने में एक महत्वपूर्ण कड़ी बन गये हैं। उन्होंने हाल ही में कहा कि भारत को 2030 तक लगभग एक लाख कंपनी सचिवों की आवश्यकता होगी। विभिन्न अनुमानों के अनुसार भारत के 2030 तक 7,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद है। वित्त मंत्रालय की इस साल जनवरी में जारी रिपोर्ट में कहा गया था कि वित्तीय क्षेत्र और हाल के तथा भविष्य के संरचनात्मक सुधारों के दम पर आने वाले वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर सात प्रतिशत से ऊपर रहेगी। मुद्रास्फीति रुख और विनिमय दर के आधार पर, भारत 2030 तक 7,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है। संस्थान ने पेशे में अधिक युवा प्रतिभाओं को आकर्षित करने के लिए कंपनी सचिव कार्यकारी कार्यक्रम में स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों का सीधा पंजीकरण भी शुरू किया है। आईसीएसआई ने अन्य उपायों के अलावा कॉरपोरेट निदेशक मंडल में अपनाई जाने वाली सचिव स्तर की गतिविधियों में एकरूपता लाने के लिए मानक पेश किये हैं।

महाराष्ट्र में नये सोयाबीन फसल की आवक के बीच सोयाबीन तिलहन टूटा

नई दिल्ली ।

महाराष्ट्र के सांगली मंडी में खरीफ सोयाबीन के नये फसल की आवक शुरु होने के दौरान देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में शनिवार को सोयाबीन तिलहन के दाम में गिरावट के साथ बंद हुए। शिकागो एक्सचेंज में शुक्रवार रात लगभग दो प्रतिशत के सुधार के बीच यहां सरसों तेल तिलहन, सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम सुधार के साथ बंद हुए। सूत्रों ने कहा कि सहकारी संस्था नाफेड अलग अलग राज्यों में तेल मात्रा की प्रतिशत के हिसाब से सरसों तिलहन की बिक्री 5,150 से 5,550 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर कर रही है। हालांकि सरसों के नये एमएसपी के हिसाब से सरसों के दोनों भाव एमएसपी से कम ही हैं। इसके अलावा प्रति क्विंटल सरसों के लिए लगभग 150 रुपये का वारदाना मुफ्त दिया जा रहा है। सूत्रों ने कहा कि मौजूदा समय में आयातित तेलों के थोक दाम बेहद सस्ते हैं। तेल तिलहन की महंगाई की चिंता करने वाले समीक्षकों व संबद्ध अधिकारियों को इस सुनहरे वक्त का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का इंतजाम करना चाहिये। तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे: सरसों तिलहन 5,925-5,965 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली 6,425-6,700 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 15,350 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,290-2,590 रुपये प्रति टिन, सरसों तेल दादरी 11,600 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी 1,875-1,975 रुपये प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी 1,875-2,000 रुपये प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 10,100 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 9,775 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला 8,350 रुपये प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला 8,750 रुपये प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 9,575 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली 9,925 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स कांडला-9025 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना 4,300-4,330 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज 4,110-4,235 रुपये प्रति क्विंटल और मक्का खल (सरिस्का) 4,150 रुपये प्रति क्विंटल।

एफपीआई ने अगस्त में अब तक 21,201 करोड़ के शेयर बेचे

नई दिल्ली ।

विदेशी निवेशकों ने अगस्त में भारतीय शेयर बाजारों में अब तक कुल 21,101 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। इसकी वजह येन मुद्रा में कैरी ट्रेड यानी निम्न ब्याज दर वाले वाले देश से कर्ज लेकर दूसरे देश की परिसंपत्तियों में निवेश का बंद होना, अमेरिका में मंदी की आशंका और वैश्विक स्तर पर बढ़ता तनाव है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार एफआईआई ने जुलाई में 32,365 करोड़ रुपये और जून में 26,565 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे थे। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने आर्थिक वृद्धि निरंतर बने रहने, सुधार जारी रहने, कंपनियों के तिमाही परिणाम उम्मीद से बेहतर रहने और राजनीतिक स्तर पर स्थिरता की उम्मीद में इन दो महीनों में निवेश किये। इससे पहले एफपीआई ने लोकसभा चुनावों के दौरान मई में 25,586 करोड़ रुपये और मॉरीशस के साथ भारत के कर समझौते में बदलाव तथा अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में लगातार वृद्धि पर चिंताओं के बीच अप्रैल में 8,700 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की थी। आंकड़ों के मुताबिक एफपीआई ने इस महीने 1-17 अगस्त तक शेयर बाजार से 21,201 करोड़ रुपये की पूंजी निकासी की है। एफपीआई ने इस साल अब तक इक्विटी शेयर में 14,364 करोड़ रुपये का निवेश किया है। अगस्त में एफपीआई की निकासी का मुख्य कारण वैश्विक और घरेलू कारक हैं। बाजार के जानकार कहते हैं कि वैश्विक स्तर पर, येन कैरी ट्रेड के समाप्त होने, वैश्विक मंदी की आशंका, धीमी आर्थिक वृद्धि और वैश्विक स्तर पर जारी संघर्षों को लेकर चिंताओं के कारण बाजार में अस्थिरता और जोखिम से बचने का रुख बना है। बैंक ऑफ जापान ने मुख्य ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत तक की वृद्धि की है। इसके बाद में येन कैरी ट्रेड के समाप्त होने से पूंजी निकासी शुरू हुई। घरेलू स्तर पर जून और जुलाई में शुद्ध लिवाल होने के बाद कुछ एफपीआई ने पिछली तिमाहियों में मजबूत तेजी के बाद मुनाफा वसूली का विकल्प चुना होगा। इसके अलावा कंपनियों के तिमाही परिणाम मिले-जुले होने तथा अपेक्षाकृत उच्च मूल्यांकन ने भारतीय शेयर बाजार को कम आकर्षक बना दिया है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतें लगभग सभी राज्यों में स्थिर

नई दिल्ली ।

सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के भाव अपडेट कर दिए हैं। रे विवार को भी फ्यूल की कीमतों में किसी भी तरह का बदलाव नहीं हुआ है। पेट्रोल और डीजल पुरानी कीमतों पर ही खरीदा जा सकेगा। मालूम हो कि पेट्रोल पर जीएसटी नहीं लगता है लेकिन, पेट्रोल का रिटेल सेलिंग प्राइस एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमिशन, वैट जुड़ने के बाद फाइनल होता है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक अलग-अलग महानगरों और शहरों में पेट्रोल-डीजल की ताजा कीमत इस प्रकार है- दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 89.97 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये प्रति लीटर और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है। वहीं नोएडा में पेट्रोल 94.83 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 102.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.94 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर और पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर है।

भारत को 2030 तक 14.8 करोड़ अतिरिक्त रोजगार पैदा करने की जरूरत: गोपीनाथ

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रथम उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ ने कहा कि जनसंख्या वृद्धि को देखते हुए देश को 2030 तक 14.8 करोड़ अतिरिक्त रोजगार पैदा करने की जरूरत है। उन्होंने दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के हीरक जयंती कार्यक्रम में कहा कि 2010 से शुरू होने वाले दशक में भारत की औसत वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रही, लेकिन रोजगार दर दो प्रतिशत से कम रही। गोपीनाथ ने कहा कि इसलिए भारत की रोजगार दर अन्य जी-20 देशों की तुलना में काफी कम है। यदि आप जनसंख्या वृद्धि के लिहाज से भारत के अनुमानों को देखें तो भारत को अब से लेकर 2030 तक कुल मिलाकर छह करोड़ से 14.8 करोड़ अतिरिक्त नौकरियां पैदा करनी होंगी। हम पहले से ही 2024 में हैं, इसलिए हमें कम समय में बहुत सारी नौकरियां पैदा करनी होंगी। इसके लिए भूमि सुधार और श्रम संहिताओं को लागू करने सहित बुनियादी सुधारों की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि अधिक नौकरियां के अवसर देने के लिए निजी निवेश बढ़ाने की भी जरूरत है, क्योंकि यह सकल घरेलू उत्पाद में सात प्रतिशत वृद्धि के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक निवेश अच्छा चल रहा है, लेकिन निजी निवेश में सुधार करना होगा। गोपीनाथ ने यह भी कहा कि भारत को अपनी शिक्षा प्रणाली में सुधार करना चाहिए, ताकि वह अपने वर्कफोर्स के स्किल विकास कर सके।

मारुति सुजुकी फ्रोंक्स की हो रही शानदार बिक्री

नई दिल्ली । भारत और विदेश में मारुति सुजुकी फ्रोंक्स की शानदार बिक्री हो रही है। कंपनी इस गाड़ी की दोनों बाजारों में 2 लाख से ज्यादा यूनिट्स बेच चुकी है। मारुति सुजुकी फ्रोंक्स अब भारत से जापान निर्यात कर रही है। फ्रोंक्स को अब लैटिन अमेरिका, मध्य पूर्व और अफ्रीका के कई देशों में निर्यात किया जा रहा है। हाल ही में इसे जापान में भी निर्यात करना शुरू कर दिया गया है। जापानी कंपनी सुजुकी ने फ्रॉन्क्स के डिजाइन के लिए भारत में मारुति के साथ साझेदारी की है। इस कार का निर्माण भारत के गुजरात में किया जाता है। हालांकि सुजुकी द्वारा इसे डिजाइन किया गया है। भारत में बनने के कारण उम्मीद है कि यह जापान में भी पसंद की जाएगी। बता दें मारुति सुजुकी फ्रोंक्स ऑटो एक्सपो 2023 में लॉन्च की गई थी। इसकी बिक्री 24 अप्रैल 2023 से शुरू हुई थी। इस गाड़ी की 10 महीनों के अंदर 1 लाख से ज्यादा यूनिट बिक गईं थी।

पेज एक का शेष

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान...

शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए मॉडल स्कूल का संचालन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत लोगों को अनुदानित दर पर ऋण उपलब्धकराकर रोजगार से जोड़ने का काम निरंतर चल रहा है। खाद्य सुरक्षा योजना से आच्छादित सभी परिवारों को साल में दो बार वस्त्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

सब कुछ सही हुआ होता तो यह योजना एक वर्ष पहले धरातल पर उतर गई होती : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि अगर सब कुछ अच्छा हुआ होता तो यह महत्वाकांक्षी योजना आज नहीं बल्कि एक साल पहले धरातल पर उतर गई होती। राज्य सरकार की योजनाओं पर कुछ तत्वों द्वारा अनेक प्रकार से रोड़ा लगाने का काम किया जाता है। ऐसे लोगों से हम सभी को सावधान रहने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अच्छी बात यह है कि देर से ही सही पर दुरुस्त तरीके से यह योजना अब अनवरत बिना रुकावट चलती रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजनाझ के तहत आज पाकुड़ जिला की 81 हजार से अधिक पात्र बहन-बेटियों को डीबीटी के माध्यम से उनके बैंक खाते में 1 हजार रुपए की सम्मान राशि भेजी गई। इन महिलाओं को प्रत्येक वर्ष 12 हजार रुपए भेजे जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि रिमोट का बटन दबाकर आज अपनी बहन-बेटियों यह सम्मान राशि भेजने में हमने सफलता पायी है। यहां की बहन-बेटियों को यह सम्मान अनवरत मिलती रहे इस संकल्प के साथ उनकी सरकार आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सभी जिलों की महिलाओं के बैंक खाते में महीने के 15 तारीख तक इस योजना के तहत मिलने वाली सम्मान राशि भेजा जाना सुनिश्चित किया गया है। यह योजना कितना महत्वपूर्ण है यह इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि जिस घर में 21 वर्ष से 50 वर्ष के उम्र की दो-तीन,चार अथवा पांच महिलाएं हैं उस घर में प्रति वर्ष सम्मान राशि के रूप में कितने रुपए भेजी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना राज्य की नारी शक्ति को समर्पित योजना है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पाकुड़ जिलावासियों को दी इन महत्वपूर्ण योजनाओं की सौगात : मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 105.8015 करोड़ रुपए की 215 योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया। इसमें 32.877 करोड़ रुपए की 14 योजनाओं का उद्घाटन और 72.9244 करोड़ रुपए की 201 योजनाओं की आधारशिला रखी। मौके पर मुख्यमंत्री ने कुल 65948 लाभुकों के बीच 126.1593 करोड़ रुपए की परिसंपत्तियों का वितरण भी किया।इस अवसर पर मंत्री सत्यानंद भोक्ता, मंत्री बेबी देवी, मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह, विधायक दिनेश विलियम मरांडी, विधायक कल्पना सोरेन, जिला परिषद अध्यक्ष जुली क्रिस्टमनी हेमब्रम, पूर्व मंत्री हेमलाल मुर्मू, महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के सचिव मनोज कुमार, संताल परगना प्रमंडल के आयुक्त श्री लालचंद डाडेल सहित पाकुड़ जिले के उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक एवं अन्य पदाधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

पीएम मोदी के...

एमपॉक्स का आखिरी मामला मार्च 2024 में पता चला था।प्रधान सचिव मिश्रा ने निर्देश दिया कि निगरानी बढ़ाई जाए और मामलों का शीघ्र पता लगाने के लिए प्रभावी उपाय किए जाएं। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि प्रारंभिक उपचार के लिए परीक्षण प्रयोगशालाओं के नेटवर्क को तैयार किया जाना चाहिए। वर्तमान में 32 प्रयोगशालाएं परीक्षण के लिए सुसज्जित हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि बीमारी की रोकथाम और उपचार के लिए प्रोटोकॉल बड़े पैमाने पर प्रसारित किए जा सकते हैं। इसके बाद उन्होंने स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के बीच बीमारी के संकेतों और लक्षणों के बारे में जागरूकता अभियान एवं निगरानी प्रणाली को समय पर सूचित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

188 हिंदू प्रवासियों...

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आजादी के समय भारत का विभाजन धर्म के आधार पर किया गया और उस समय भीषण दंगे हुए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बंगलादेश में रहने वाले करोड़ों हिंदू, बौद्ध, सिख, जैन और ईसाई समुदाय के लोग अपनी वेदना नहीं भूल सकते। उन्होंने कहा कि उस वक्त विभाजन का फैसला करते हुए तत्कालीन सरकार ने वादा किया था कि पड़ोसी देशों से आने वाले हिंदू, बौद्ध, सिख, जैन और ईसाई संप्रदायों के लोगों को भारत की नागरिकता दी जाएगी।शाह ने कहा कि चुनाव आते-आते तत्कालीन सरकार के नेता इन वादों से मुकरते गए और 1947, 1948 और 1950 में किए गए इन वादों को भुला दिया गया। उन्होंने कहा कि उस समय की सरकार ने इन लोगों को इसी लिए नागरिकता नहीं दी कि इससे उनका वोट बैंक नाराज हो जाएगा। उन्होंने कहा कि तुष्टिकरण की नीति के कारण इन लाखों-करोड़ों लोगों को नागरिकता से वंचित रखा गया और इससे बड़ा पाप कोई नहीं हो सकता।

शरिया कानून से...

उन्होंने कहा कि संविधान में एक संघवादी राजनीतिक संरचना और बहुलवादी समाज की परिकल्पना की गई है, जहां धार्मिक संप्रदायों और सांस्कृतिक इकाइयों को अपने धर्म का पालन करने और अपनी संस्कृति को बनाए रखने का अधिकार है। उन्होंने प्रधानमंत्री की ओर से संवैधानिक शब्द समान नागरिक संहिता के स्थान पर ह्यसेक्युलर सिविल कोडह्ल का प्रयोग करने की आलोचना की। इलियास ने प्रधानमंत्री की मंशा पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि वह केवल शरिया कानून को ही निशाना बना रहे हैं।

कारखानों के ज्यादातर मजदूरों का वेतन 20,000 से कम: रिपोर्ट

नई दिल्ली। देश में कारखानों में काम करने वाले ज्यादातर मजदूरों का वेतन 20,000 रुपये प्रतिमाह या उससे कम है। एक रिपोर्ट में कहा गया है, इससे पता चलता है कि कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा वित्तीय तनाव से झेल रहा है तथा आवास, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहा है। प्रौद्योगिकी से जुड़े एक श्रम प्रधान भर्ती मंच ने रिपोर्ट में कहा कि 57.63 प्रतिशत से अधिक श्रम प्रधान नौकरियां 20,000 रुपये प्रति माह या उससे कम वेतन सीमा में आती हैं। यह दिखाता है कि कई श्रमिक न्यूनतम मजदूरी के करीब कमाते हैं। रिपोर्ट से पता चला है कि लगभग 29.34 प्रतिशत श्रम प्रधान नौकरियां मध्यम आय वर्ग में हैं, जिनमें वेतन 20,000-40,000 रुपये प्रति माह है। इसमें कहा गया है कि इस श्रेणी में आने वाले श्रमिकों को वित्तीय सुरक्षा में मामूली सुधार का अनुभव होता है, लेकिन वे आरामदायक जीवन स्तर प्राप्त करने से बहुत दूर हैं। रिपोर्ट के अनुसार इस सीमा में आय से आवश्यकताएं तो पूरी हो जाती हैं, लेकिन बचत या निवेश के लिए बहुत कम गुंजाइश बचती है, जो इस श्रेणी के कार्यबल के एक बड़े हिस्से की आर्थिक कमजोरी को उजागर करता है। आंकड़ों से पता चलता है कि श्रम क्षेत्र में कम वेतन वाली नौकरियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और उच्च आय के लिए सीमित अवसर हैं।

वैश्विक रुख और विदेशी निवेशक तय करेंगे शेयर बाजार की चाल: विश्लेषक

- एफआईआई के पूंजी प्रवाह और कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव पर भी नजर रहेगी

मुंबई ।

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजार की चाल वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों से तय होगी। कंपनियों के वित्तीय परिणाम जारी हो चुके हैं, ऐसे में इन दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण है। यह बात विशेषज्ञों ने कही है। इस सप्ताह जारी होने वाले अमेरिकी फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक के ब्योरे पर निवेशकों की नजर होगी। बाजार के विश्लेषकों ने कहा कि चूंकि कंपनियों के वित्तीय परिणाम आ चुके हैं, ऐसे में इस सप्ताह, वृहद आर्थिक मोर्चों पर ऐसी कोई महत्वपूर्ण गतिविधियां नहीं हैं, जिससे निवेशक संकेत लें। हालांकि, वैश्विक स्तर पर आर्थिक आंकड़े महत्वपूर्ण होंगे। इसमें जापान में मुद्रास्फीति आंकड़े और अमेरिकी एफओएमसी बैठक का ब्योरा महत्वपूर्ण हैं, जिसपर निवेशकों की नजरें होंगी। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता की स्थिति बाजार के लिए जोखिम बनी हुई है। उन्होंने कहा कि कारोबारियों की विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के पूंजी प्रवाह और कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव पर भी नजर होगी।अमेरिका में मंदी की आशंका कम होने से शुक्रवार को वैश्विक बाजार में तेजी आई। अमेरिका में मुद्रास्फीति में नरमी और खुदरा बिक्री के मजबूत आंकड़े जैसे सकारात्मक आंकड़ों ने मंदी की आशंकाओं को दूर किया है। इसके अलावा अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अगले महीने की शुरुआत में नीतिगत दर में कटौती की संभावना से भारत सहित वैश्विक शेयर बाजारों में एक बड़ी तेजी आई। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि बाजार का रुख एफओएमसी बैठक के ब्योरे, अमेरिका में घरों की बिक्री के आंकड़ों से तय होगा। इस सप्ताह सभी की नजरें अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक के ब्योरे पर होंगी। कुल मिलाकर हम उम्मीद करते हैं कि बाजार मजबूत होगा और वैश्विक गतिविधियों से संकेत लेगा।

देश की शीर्ष 10 कंपनियों में सात का मार्केट कैप 1.40 लाख करोड़ बढ़ा

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और इन्फोसिस सबसे ज्यादा लाभ में रहीं

नई दिल्ली । बीते सप्ताह देश की शीर्ष 10 कंपनियों में से सात का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) संयुक्त रूप से 1,40,863.66 करोड़ रुपये बढ़ा। बीएसई सेंसेक्स में एक प्रतिशत की तेजी के साथ कंपनियों का बाजार मूल्यांकन बढ़ा है। बेहतर कारोबारी उम्मीद के साथ टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और इन्फोसिस सबसे ज्यादा लाभ में रहीं। पिछले सप्ताह अवकाश के कारण कारोबारी दिवस कम था। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 67,477.33 करोड़ रुपये बढ़कर 15,97,946.44 करोड़ रुपये, इन्फोसिस का मूल्यांकन 36,746.21 करोड़ रुपये बढ़कर 7,72,023.49 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 11,727.55 करोड़ रुपये बढ़कर 8,45,123.87 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 10,913.96 करोड़ रुपये बढ़कर 8,36,115.19 करोड़ रुपये, आईटीसी का मूल्यांकन 8,569.73 करोड़ रुपये बढ़कर 6,28,399.10 करोड़ रुपये, रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 5,311.4 करोड़ रुपये बढ़कर 20,00,076.41 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 117.48 करोड़ रुपये बढ़कर 6,45,926.13 करोड़ रुपये रहा। हालांकि भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसीआई) का बाजार पूंजीकरण 47,943.48 करोड़ रुपये घटकर 6,69,058.26 करोड़ रुपये पर रहा। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 13,064 करोड़ रुपये घटकर 12,43,441.53 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक का मूल्यांकन 10,486.42 करोड़ रुपये घटकर 7,25,080.10 करोड़ रुपये रहा। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज ने सबसे मूल्यवान कंपनी का दर्जा बरकरार रखा है। उसके बाद क्रमश: टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, एलआईसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

बीपीसीएल अगले पांच साल में करेगी 1.7 लाख करोड़ का निवेश

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (बीपीसीएल) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा है कि कंपनी अगले पांच साल में 1.7 लाख करोड़ रुपये के निवेश करने पर विचार कर रही है। कंपनी यह निवेश अपने मुख्य कारोबार तेल शोधन और ईंधन विपणन को बढ़ाने के साथ-साथ पेट्रोरसायन तथा हरित ऊर्जा जैसे नये क्षेत्रों में करेगी। बीपीसीएल के पास वर्तमान में देश की कुल तेल शोधन क्षमता का लगभग 14 प्रतिशत और ईंधन खुदरा नेटवर्क का लगभग एक चौथाई हिस्सा है। कंपनी नये क्षेत्रों में दस्तक देने के साथ अपने मुख्य कारोबार को बढ़ाने की योजना बना रही है। कंपनी के अधिकारी ने सालाना रिपोर्ट में कहा है कि बीपीसीएल अब प्रोजेक्ट एस्पायर के रूप में कई दशक की आकांक्षी यात्रा के पहले चरण को लागू कर रही है। इसका पांच साल का रणनीतिक ढांचा दो मूलभूत स्तंभों पर आधारित है। इसमें मुख्य कारोबार को बढ़ावा और दूसरा भविष्य की परियोजनाओं में निवेश है। अे धिकारी ने कहा कि हमारी मध्यम अवधि की रणनीति जारी है। इसके तहत एक एक तरफ जहां हम अपने मुख्य कारोबार पेट्रोलियम उत्पादों की रिफाइनिंग और विपणन तथा खोज और उत्पादन गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ पेट्रोरसायन, गैस, हरित ऊर्जा, गैर-ईंधन खुदरा और डिजिटल जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर समान रूप से ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

भारत की आर्थिक प्रगति में समाज से अपेक्षा

प्रहलाद सबनानी

भारत में भी आर्थिक विकास की दर में तेजी तो दृष्टिगोचर है तथा प्रति व्यक्ति आय में भी वृद्धि हो रही है और आज यह लगभग 2500 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष हो गई है। प्रति व्यक्ति आय यदि 14000 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष हो जाती है तो भारत विकसित राष्ट्र की श्रेणी में शामिल हो जाएगा। अतः प्रति व्यक्ति आय को बढ़ाने के लिए भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की आय में वृद्धि करने पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

विश्व के लगभग समस्त देशों में पूंजीवादी मॉडल को अपनाकर आर्थिक विकास को गति देने का प्रयास पिछले 100 वर्षों से भी अधिक समय से हो रहा है। पूंजीवाद की यह विशेषता है कि व्यक्ति केवल अपनी प्रगति के बारे में ही विचार करता है और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी के एहसास को भूल जाता है। जिससे, विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के चलते समाज में असमानता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। विनिर्माण इकाईयों में मशीनों के अधिक उपयोग से उत्पादन में तो वृद्धि होती है परंतु रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित नहीं हो पाते हैं। रोजगार की उपलब्धता में कमी के चलते समाज में कई प्रकार की बुराईयां जन्म लेने लगती हैं क्योंकि यदि किसी नागरिक के पास रोजगार ही नहीं होगा तो वह अपनी भूख मिटाने के लिए चोरी चकारी एवं हिंसा जैसी गतिविधियों में लिप्त होने लगता है। पूंजीवाद की नीतियों के अनुपालन के चलते वर्तमान में विश्व के कई देशों में सामाजिक तानाबाना छिन्न भिन्न हो रहा है। परंतु, प्राचीनकाल में भारत में उपयोग में लाए जा रहे आर्थिक मॉडल को अपनाए जाने के कारण भारत में प्रत्येक नागरिक को रोजगार उपलब्ध रहता था। भारत में अतिप्राचीन काल से ग्रामीण क्षेत्र ही विकास के केंद्र रहते आए हैं। भारत का कृषि क्षेत्र तो विकसित था ही, साथ में, कुटीर उद्योग भी अपने चरम पर था। पीढ़ी दर पीढ़ी व्यवसाय को आगे बढ़ाया जाता था। नौकरी शब्द तो शायद उपयोग में था ही नहीं क्योंकि परिवार के सदस्य ही अपने पुरखों के व्यवसाय को आगे बढ़ाने में रुचि लेते थे अतः भारत के प्राचीन काल में नागरिक उद्यमी थे। नौकरी को तो निकृष्ट कार्य की श्रेणी में रखा जाता था।

भारत में भी आर्थिक विकास की दर में तेजी तो दृष्टिगोचर है तथा प्रति व्यक्ति आय में भी वृद्धि हो रही है और आज यह लगभग 2500 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष हो गई है। प्रति व्यक्ति आय यदि 14000 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष हो जाती है तो भारत विकसित राष्ट्र की श्रेणी में शामिल हो जाएगा। अतः प्रति व्यक्ति आय को बढ़ाने के लिए भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की आय में वृद्धि करने पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। भारत में आर्थिक विकास के साथ साथ मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या भी बढ़ रही है। परंतु, साथ में आय की असमानता की खाई भी चौड़ी हो रही है, क्योंकि उच्चवर्गीय एवं उच्च मध्यमवर्गीय परिवारों की आय तुलनात्मक रूप से तेज गति से बढ़ रही है। हालांकि केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा गरीब वर्ग, विशेष रूप से गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों, के लिए कई विशेष योजनाएं चलाई जा रही हैं और इसका असर भी धरातल पर दिखाई दे रहा है। हाल ही के वर्षों में गरीबी

रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या में भारी कमी दिखाई दी है।

भारत में आर्थिक प्रगति के चलते सम्पत्ति के निर्माण की गति भी तेज हुई है। वित्तीय वर्ष 2023 के अंत में आयकर विभाग में जमा की गई विवरणियों के अनुसार, 230,000 नागरिकों ने अपनी कर योग्य आय को एक करोड़ रुपए से अधिक की बताया है। यह संख्या पिछले 10 वर्षों के दौरान 5 गुणा बढ़ी है। वित्तीय वर्ष 2012-13 में 44,078 नागरिकों ने अपनी कर योग्य आय को एक करोड़ रुपए से अधिक की घोषित किया था। उक्त आंकड़ों में वेतन पाने वाले नागरिकों का प्रतिशत वित्तीय वर्ष 2022-23 में 52 प्रतिशत रहा है, वित्तीय वर्ष 2021-22 में यह 49.2 प्रतिशत था तथा वित्तीय वर्ष 2012-13 में यह प्रतिशत 51 प्रतिशत था। इस प्रकार एक करोड़ रुपए से अधिक का वेतन पाने वाले नागरिकों की संख्या में कोई परिवर्तन नहीं आया है। जबकि व्यवसाय करने वाले नागरिकों की आय और अधिक तेज गति से बढ़ी है। 500 करोड़ रुपए से अधिक की कर योग्य आय घोषित करने वाले नागरिकों में समस्त करदाता व्यवसायी हैं। 100 करोड़ रुपए से 500 करोड़ रुपए की कर योग्य आय घोषित करने वाले नागरिकों में 262 व्यवसायी हैं एवं केवल 19 वेतन पाने वाले नागरिक हैं। भारत के एक प्रतिशत नागरिकों के पास देश की 40 प्रतिशत से अधिक की सम्पत्ति है। अतः देश में आय की असमानता स्पष्टतः दिखाई दे रही है।

एक अनुमान के अनुसार यदि उच्चवर्गीय एवं उच्च मध्यमवर्गीय परिवार की आय में 100 रुपए की वृद्धि होती है तो वह केवल 10 रुपए का खर्च करता है एवं 90 रुपए की बचत करता है जबकि एक गरीब परिवार की आय में यदि 100 रुपए की वृद्धि होती है तो वह 90 रुपए का खर्च करता है एवं केवल 10 रुपए की बचत करता है। इस प्रकार किसी भी देश को यदि उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि करना है तो गरीब वर्ग के हाथों में अधिक धनराशि उपलब्ध करानी होगी। जबकि विकसित देशों एवं अन्य देशों में इसके ठीक विपरीत हो रहा है, उच्चवर्गीय एवं उच्च मध्यमवर्गीय परिवारों की आय में तेज गति से वृद्धि हो रही है जिसके चलते कई विकसित देशों में आज उत्पादों की मांग बढ़ने के स्थान पर कम हो रही है और इन देशों के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि की दर बहुत कम हो गई है तथा इन देशों की अर्थव्यवस्था में आज मंदी का खतरा मंडरा रहा है।

उक्त परिस्थितियों के बीच वैश्विक पटल पर भारत आज एक दैदीप्यमान सितारे के रूप में चमक रहा है। भारत में आर्थिक विकास दर 8 प्रतिशत के आसपास आ गई है और इसे यदि 10 प्रतिशत के ऊपर ले जाना है तो भारत में ही उत्पादों की आंतरिक मांग उत्पन्न करनी होगी इसके लिए गरीब वर्ग की आय में वृद्धि करने सम्बंधी उपाय करने होंगे तथा रोजगार के अधिक से अधिक अवसर निर्मित करने होंगे। प्राचीनकाल में भारत में उपयोग किए जा रहे आर्थिक दर्शन को एक बार पुनः देश में लागू किए जाने की आवश्यकता है। आज भारत में शहरों को केंद्र में रखकर विकास की विभिन्न योजनाएं (स्मार्ट सिटी, आदि) बनाई जा रही है, जबकि, आज भी 60 प्रतिशत से अधिक आबादी ग्रामीण इलाकों में ही निवास करती है। इसलिए भारत को पुनः ग्रामों की ओर रूख करना होगा। न केवल कृषि क्षेत्र बल्कि ग्रामीण इलाकों में कुटीर एवं लघु उद्योगों की स्थापना की जानी चाहिए जिससे रोजगार के पर्याप्त अवसर ग्रामीण इलाकों में ही निर्मित हों और इन स्थानों पर उत्पादित की जा रही वस्तुओं के लिए बाजार भी ग्रामीण इलाकों में ही विकसित हो सकें। लगभग 50 गावों के क्लस्टर विकसित किए जा सकते हैं, इन इलाकों में निर्मित उत्पादों को इस क्लस्टर में ही बेचा जा सकता है और यदि इन इलाकों के स्थित कुटीर एवं लघु उद्योगों में उत्पादन बढ़ता है तो उसे आस पास के अन्य क्लस्टर एवं शहरों में बेचा जा सकता है। इससे स्थानीय स्तर पर ही उत्पादों की मांग को बढ़ावा मिलेगा एवं रोजगार के अवसर निर्मित होने से ग्रामीण इलाकों में निवास कर रहे परिवारों के शहरों की ओर पलायन को भी रोका जा सकेगा। अंततः इससे शहरों के बुनियादी ढांचे पर लगातार बढ़ रहे दबाव को भी कम किया जा सकेगा।

भारत में हिंदू सनातन संस्कृति की यह विशेषता रही है कि समाज में निवास कर रहे गरीब वर्ग के नागरिकों की सहायता के लिए सक्षम समाज हमेशा से ही आगे रहता आया है। यह सेवा कार्य विभिन्न मंदिरों, मठ्ठ, सामाजिक संस्थाओं, सांस्कृतिक संस्थाओं एवं न्यासों द्वारा सफलता पूर्वक किया जाता रहा हैं। एक अनुमान के अनुसार, भारत में प्रतिदिन लगभग 10 करोड़ नागरिकों के लिए अन्न क्षेत्रों में भोजन प्रसादी उपलब्ध कराई जाती है। इसी प्रकार कई सामाजिक, सांस्कृतिक एवं न्यासों द्वारा अस्पताल चलाए जाते हैं, जहां मुफ्त अथवा बहुत ही कम कीमत पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। कुछ संस्थानों द्वारा स्कूल भी चलाए जाते हैं जहां गरीब वर्ग के बच्चों को शिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती है। इस प्रकार समाज के गरीब वर्ग को यदि भोजन, स्वास्थ्य एवं शिक्षा सुविधाएं मुफ्त अथवा कम कीमत पर उपलब्ध हो सकती हैं तो उनके द्वारा अर्जित की जा रही आय को अन्य उत्पादों को खरीदने में उपयोग किया जा सकता है जिससे अंततः विभिन्न उत्पादों की मांग में वृद्धि दर्ज होती है। यह मॉडल भी केवल भारत में ही दिखाई देता है। वरना, अन्य विकसित देशों में तो कुछ भी मुफ्त नहीं है। विकसित देशों में नागरिकों को केवल अपनी प्रगति की चिंता है, समाज में गरीब वर्ग के अन्य नागरिकों के लिए कोई चिंता का भाव दिखाई ही नहीं देता है। अतः भारत में समाज के नागरिकों द्वारा गरीब वर्ग के सहायतार्थ चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं को गति देने के प्रयास करने चाहिए, जिससे देश के विकास को और अधिक गति मिल सके।

(सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

संपादकीय

ट्रंप के आने के मायने

रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अमेरिका के राष्ट्रपति बन गए हैं। उन्होंने बहुमत के जादुई आंकड़ों से अधिक मत हासिल किए हैं जो अमेरिकी समाज में उनकी लोकप्रियता के दशार्ता है। वह 2016 में भी चुनाव जीते थे। उनकी यह दूसरी जीत इसलिए भी विशेष मायने रखती है कि इस बार उनकी पार्टी को सीनेट में भी बहुमत मिल गया है। चुनाव अभियान के दौरान डोनाल्ड ट्रंप पर जानलेवा हमला हुआ था। इस घटना ने अमेरिकी समाज को गहरे तक झकझोर दिया था। हमले के समय ट्रंप ने जैसी हिम्मत और दिलेरी दिखाई थी उसे अमेरिकी मतदाता बहुत प्रभावित हुआ था। आम लोगों में यह धारणा बनी कि आज की अस्थिर और संघर्ष से जूझ रही दुनिया में ट्रंप जैसे दृढ़ संकल्प वाले नेता की जरूरत है। उनकी ऐतिहासिक जीत में ट्रंप के व्यक्तित्व के इस करिश्माई पहलू की बड़ी भूमिका रही है। चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में डेमोक्रेटिक पार्टी के दो बड़े नेताओं ने ट्रंप को समर्थन देने की घोषणा करके हलचल मचा दी। कॉमेडी परिवार के सदस्य रॉबर्ट एस कैनेड़ी ट्रंप के समर्थन में आ गए। जनमत सर्वेक्षणों के मुताबिक वह पांच फीसद मतदाताओं की पसंद थे। उनके पहले बदलने से कड़ी टक्कर वाले ह्वास्विंग स्टेट' ट्रंप को भारी सफलता मिली। इसी तरह डेमोक्रेटिक पार्टी की एक और पूर्व नेता तुलसी गबार्ड.ने भी ट्रंप को समर्थन देने की घोषणा की। सैनिक होने के बावजूद तुलसी युद्ध विरोधी हैं। डोनाल्ड ट्रंप की जीत का असर अमेरिका की घरेलू राजनीति के साथ वैश्विक राजनीति पर भी पड़ेगा। घरेलू स्तर पर अमेरिकी समाज और राजनीति में ध्रुवीकरण की प्रक्रिया तेज होगी। विदेश मोर्चे पर ट्रंप बाइडेन प्रशासन से अलग राह पकड़ सकते हैं। चुनाव जीतने के बाद उन्होंने कहा कि 'मैं युद्ध शुरू नहीं करूंगा बल्कि रोकने की कोशिश करूंगा।' उनकी इस घोषणा से उम्मीद बनती है कि रूस-यूक्रेन युद्ध अब जल्द समाप्त होगा। ट्रंप भारत को ट्रंप से काफी अपेक्षाएं भी हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि बाइडेन प्रशासन की शह पर कनाडा जिस तरह से भारत के खिलाफ दुष्प्रचार कर रहा है उस पर रोक लगेगी। हालांकि ट्रंप मनमौजी की किस्म के व्यक्ति हैं। वह किसी मुद्दे पर क्या रुख अपनाएंगे यह कहना मुश्किल है। फिर भी ट्रंप की नीतियों से भारत के हित एक हद तक सधेंगे ऐसा कहा जा सकता है।

चिंतन-मनन

विचारों की तरंगें

राजा की सवारी निकल रही थी। सर्वत्र जय-जयकार हो रही थी। सवारी बाजार के मध्य से गुजर रही थी। राजा की दृष्टि एक व्यापारी पर पड़ी। वह चन्दन का व्यापार करता था। राजा ने व्यापारी को देखा। मन में घृणा और ग्लानि उभर आई। उसने मन ही मन सोचा, यह व्यापारी बुरा है। इसे मृत्युदंड दे देना चाहिए।

नगर-परिभ्रमण कर राजा महल में पहुंचा। मंत्री को बुलाकर कहा, मंत्रीवर! न जाने क्यों उस व्यापारी को देखकर मेरा मन उद्विग्न हो गया और मन में आया कि उसको मार डाला जाए। मंत्री ने कहा, राजन्! मैं सारी व्यवस्था करता हूं। मंत्री व्यापारी के पास गया। औपचारिक बातें हुई। व्यापारी ने कहा, मंत्रीजी! चन्दन का भाव प्रतिदिन कम होता जा रहा है। मेरे पास चन्दन का बहुत संग्रह है। लाखों रूपयों का घाटा हो रहा है। मन चिन्ता से भरा है। राजा के सिवाय चन्दन को कौन खरीदे? राजा भी क्यों खरीदेगा? यह तो मरणवेला में प्रचुर मात्रा में काम आती है। मैं घाटे से दबा जा रहा हूं।

सच कहूं, आज जब राजा की सवारी निकल रही थी, तब राजा को देखकर मेरे मन में आया कि यदि आज राजा की मृत्यु हो जाए तो मेरा सारा चन्दन बिक जाए, अच्छे मूल्य में बिक जाए।

मंत्री ने सुना। राजा के उदास होने और व्यापारी को मृत्युदंड देने की भावना के जागने का रहस्य समझ में आ गया। विचार संप्रमणशील होते हैं। वे बिना कहे दूसरे तक पहुंच जाते हैं। विचारों की रश्मियां होती हैं और तरंगें पूरे आकाशमण्डल में फैल जाती हैं और सम्बन्धित व्यक्ति के मस्तिष्क से टकराकर उसे प्रभावित करती हैं।

कैसी होगी दूसरे कार्यकाल में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की विदेश नीति?

निरंजन मार्जनी

डोनाल्ड ट्रम्प दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए हैं। लगभग सारे चुनावी सर्वेक्षण और अनुमानों को गलत साबित करते हुए ट्रम्प ने अपनी प्रतिद्वंदी और अमेरिका की वर्तमान उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को पीछे छोड़ते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल की।

दुनिया की महासत्ता होने के कारण अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव का असर पूरी दुनिया की राजनीति और अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। ऐसे में अमेरिका की विदेश नीति का रूख भी महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इससे विश्व व्यवस्था भी प्रभावित होती है। ट्रम्प की विदेश नीति क्या रह सकती है यह समझना जरूरी है।

राष्ट्रपति का चुनाव जीतते ही ट्रम्प को अलग अलग देशों के नेताओं की तरफ से बधाई संदेश भेजे गए। ट्रम्प ने कुछ नेताओं से फोन पर भी बात की। जिन नेताओं से ट्रम्प ने सबसे पहले बात की उनमें भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू और सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान शामिल थे। इस बातचीत के मायने भी विदेश नीति की दृष्टि से देखते हैं।

मोदी के साथ बात करना भारत और अमेरिका के मजबूत रिश्तों को दशार्ता है। ट्रम्प के पहले कार्यकाल में भारत-अमेरिका संबंध मजबूत हुए इसकी एक वजह थी मोदी और ट्रम्प की व्यक्तिगत मित्रता। दोनों नेता एक दुसरे को अपना दोस्त कहते हैं। हालांकि कूटनीति राष्ट्रहित को ध्यान में रखकर की जाती है लेकिन ऐसी व्यक्तिगत मित्रता भी कई बार महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ट्रम्प के दुसरे कार्यकाल में भी भारत से अमेरिका के दृढ संबंधों की अपेक्षा है।

इसका मतलब है की भारत और अमेरिका के बीच सामरिक रिश्ते और आगे बढ़ सकते हैं। चीन की चुनौती का मुकाबला करने में भारत को अमेरिका का सहयोग मिल सकता है। पाकिस्तान के साथ अमेरिका के रिश्तों पर भी ट्रम्प पुनर्विचार कर सकते हैं। आतंकवाद के खिलाफ पहले भी ट्रम्प भारत का समर्थन और पाकिस्तान का विरोध कर चुके हैं। हाल ही में चुनाव प्रचार के दौरान ट्रम्प ने बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ हो रही हिंसा की खुलकर आलोचना की थी। इस्लामिक आतंकवाद के विरुद्ध भारत की लड़ाई में ट्रम्प भारत के पक्ष में रहेंगे।

सुरक्षा के अलावा कूटनीति में भी विश्व स्तर पर भारत को संतुलन बनाए रखने की कवायद कम करनी पड़ सकती है। रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते भारत को रूस और पश्चिमी देशों से अपने रिश्ते सामान्य रखने के लिए काफी प्रयास करने पड़ रहे हैं। रूस और रुसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के प्रति ट्रम्प का रूख बाइडेन प्रशासन जितना सख़्त नहीं है। चुनाव प्रचार के दौरान ट्रम्प ने रूस-यूक्रेन युद्ध में दोनों पक्षों की सहमति से समाधान खोजने की बात कही थी।

साथ ही नेतन्याहू और मोहम्मद बिन सलमान से बात करना भी ट्रम्प की आगामी नीति के संकेत हैं। अमेरिका की विदेश नीति में इस्त्राएल को पारंपारिक रूप से दशकों से सैन्य और आर्थिक समर्थन मिलता आ रहा है। लेकिन जो बाइडेन के कार्यकाल में अमेरिका में इस्त्राएल-हमास युद्ध में हमास और फिलिस्तीन को भी इजरायल के खिलाफ काफी समर्थन मिला है। लेकिन अब ट्रम्प के कार्यकाल में फिलिस्तीन और हमास पर अमेरिका का रूख कड़ा रह सकता है। उसी तरह सऊदी अरब से भी अमेरिका अपने करीबी रिश्तों को स्थिर रखना चाहेगा। अपने पहले कार्यकाल में ट्रम्प ने पश्चिम एशिया में कोई भी युद्ध शुरू नहीं किया था। बल्कि अमेरिका की मध्यस्थता से चार अरब देशों के इस्त्राएल के साथ कूटनीतिक संबंध प्रस्थापित हुए थे ।

अगर ट्रम्प रूस-यूक्रेन युद्ध और इजरायल-हमास युद्ध को खत्म करते हैं तो यह उनकी विदेश नीति की एक बड़ी सफलता होगी।

एक दिलचस्प बात यह है की राष्ट्रपति का चुनाव जीतते ही ट्रम्प ने जिन देशों के नेताओं से बात की, उनमें कोई भी यूरोपीय देशों के नेता नहीं थे। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है की ट्रम्प की यूरोप के प्रति नीति उनके पहले कार्यकाल जैसी ही होगी। 2016 से 2020 तक के अपने कार्यकाल में यूरोपीय देशों से ट्रम्प के रिश्ते बहुत अच्छे नहीं थे। यूरोपीय देशों ने अपनी सुरक्षा की जिम्मेदारी खुद उठानी चाहिए और अमेरिका पर हर वक़्त निर्भर नहीं रहना चाहिए यह ट्रम्प की नीति रही है। साथ ही जो यूरोपीय देश नाटो के सदस्य हैं वे नाटो में पर्याप्त आर्थिक योगदान न देने की वजह से भी ट्रम्प यूरोपीय देशों से नाराज रहे हैं। अगर ट्रम्प यूरोप को समर्थन देना बंद करते हैं तो अपने आप यूक्रेन को मिलने वाली आर्थिक और सैन्य मदद में भी कमी आएगी जिससे रूस-यूक्रेन युद्ध के समाप्त होने के आसार बढ़ सकते हैं।

हालांकि यह जानना भी आवश्यक है की ट्रम्प एक ऐसे व्यक्ति हैं जो कूटनीति में व्यापारिक दृष्टिकोण रखते हैं। एक उद्योगपति होने के कारण ट्रम्प हमेशा लाभ और हानि के नजरिये से ही विदेश नीति को देखेंगे। अपने पहले कार्यकाल में भी ट्रम्प इसी नीति के लिए जाने जाते थे। इसका असर दक्षिण पूर्व एशिया, पूर्व एशिया और प्रशांत महासागर क्षेत्र पर पड़ सकता है। यूरोपीय देशों की तरह ट्रम्प दक्षिण कोरिया, जापान और ऑस्ट्रेलिया को भी सुरक्षा मामलों में आत्मनिर्भर होने के लिए कह सकते हैं। इससे इस क्षेत्र में चीन की गतिविधियों पर नियंत्रण पाना मुश्किल हो सकता है।

ट्रम्प की जीत को अमेरिका में ही नहीं, पूरी दुनिया में एक उलटफेर के तौर पर देखा जा रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं है की ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में विश्व व्यवस्था में भी काफी बदलाव हो सकते हैं।

भारत : ईमानदारी और शुचिता बेहद जरूरी

सुनिधि मिश्रा

हाल ही में इंटरनेशनल डायबिटीज फेडरेशन द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2045 तक मधुमेह के रोगियों की संख्या 134 मिलियन होने का अनुमान है। चिंता का विषय यह है कि भारत में मधुमेह का निदान औसतन 10 वर्ष पहले हो रहा है, जो पश्चिमी देशों की तुलना में काफी कम उम्र है। वर्तमान समय में हमारा देश एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती का सामना कर रहा है। वह है मेटाबोलिक सिंड्रोम। यह एक जटिल स्वास्थ्य समस्या है जो उच्च रक्तचाप, मधुमेह (उच्च रक्त शर्करा), असामान्य कोलेस्ट्रॉल स्तर और अधिक शरीर वसा जैसे कई लक्षणों का संयोजन है। अक्टूबर 2023 में, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद ने एक व्यापक अध्ययन जारी किया, जिसमें पाया गया कि भारत में मेटाबोलिक सिंड्रोम की दर पिछले पांच वर्षों में 15 फीसद बढ़ गई है। यह वृद्धि विशेष रूप से 30-45 वर्ष की आयु वर्ग में देखी गई है, जो चिंता का विषय है।

भारत में मेटाबोलिक सिंड्रोम की स्थिति चिंताजनक है। विशेष रूप से मधुमेह, हृदय रोग और मोटापे के संदर्भ में। इन तीनों स्थितियों का मेटाबोलिक सिंड्रोम से गहरा संबंध है और ये एक दूसरे को प्रभावित करती हैं। भारत को 'मधुमेह की राजधानी' के रूप में जाना जाता है, और यह उपाधि बिना किसी कारण के नहीं दी गई है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत में लगभग 77 मिलियन लोग मधुमेह से पीड़ित हैं, जो विश्व में दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। मेटाबोलिक सिंड्रोम वाले व्यक्तियों में टाइप 2 मधुमेह विकसित होने का जोखिम 5 गुना अधिक होता है। भारतीय आबादी में इंसुलिन प्रतिरोध की उच्च दर पाई गई है, जो मेटाबोलिक सिंड्रोम का एक प्रमुख लक्षण है। मेटाबोलिक सिंड्रोम का दूसरा प्रमुख लक्षण हृदय रोग है जो कि भारत में मृत्यु का प्रमुख कारण है। भारत में हर साल लगभग 4.77 मिलियन लोगों की मृत्यु हृदय रोग के कारण होती है। एक अध्ययन के अनुसार, भारतीयों में हृदय रोग का खतरा पश्चिमी आबादी की तुलना में 3-4 गुना अधिक है। मेटाबोलिक सिंड्रोम वाले व्यक्तियों में हृदय रोग का जोखिम 2 से 3 गुना अधिक होता है। भारत में हृदय रोग के मामले युवा आयु वर्ग (30-40 वर्ष) में भी तेजी से बढ़ रहे हैं, जो मेटाबोलिक सिंड्रोम के बढ़ते प्रसार से जुड़ा हो सकता है। मोटापा भी मेटाबोलिक सिंड्रोम का एक प्रमुख घटक है और भारत में यह एक बढ़ती हुई समस्या है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 (2019-21) के अनुसार, भारत में 24 फीसदी महिलाएं और 22 फीसदी पुरुष मोटापे या अधिक वजन की समस्या से ग्रस्त हैं। शहरी क्षेत्रों में यह आंकड़ा और भी अधिक है। एक अध्ययन के अनुसार, मेटाबोलिक सिंड्रोम वाले व्यक्तियों में कोविड-19 के गंभीर लक्षण विकसित होने का खतरा 3.4 गुना अधिक था। महामारी के दौरान लॉकडाउन और सामाजिक दूरी के कारण लोगों की शारीरिक गतिविधियां कम हुई और खान-पान की आदतें बिगड़ीं, जिसने मेटाबोलिक सिंड्रोम के जोखिम को और बढ़ा दिया। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में महामारी के दौरान मोटापे के मामलों में 5.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो मेटाबोलिक सिंड्रोम का एक प्रमुख कारक है। महामारी के दौरान से ही वर्क खॅम होम और हाइब्रिड कार्य मॉडल के चलते लोगों की दिनचर्या में बड़े बदलाव आए हैं। एक ताजा सर्वेक्षण के अनुसार, भारत में 68 फीसदी कर्मचारियों ने माना कि वर्क खॅम होम के दौरान उनकी शारीरिक गतिविधियां कम हुई हैं और 42 फीसदी ने अस्वस्थ खाने की आदतों में वृद्धि की सूचना दी। ये दोनों कारक मेटाबोलिक सिंड्रोम के जोखिम को बढ़ाते हैं। एक अनुमान के अनुसार, भारत में मेटाबोलिक सिंड्रोम से जुड़ी बीमारियों के इलाज पर हर साल लगभग 30 बिलियन डॉलर खर्च होते हैं। कोविड-19 महामारी के बाद की आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर, यह व्यय देश की अर्थव्यवस्था पर एक बड़ा बोझ है।

इस बढ़ती समस्या से निपटने के लिए व्यापक रणनीति की आवश्यकता है। सबसे पहले, जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है। सरकार और स्वास्थ्य संगठनों को मेटाबोलिक सिंड्रोम के बारे में जन जागरूकता अभियान चलाने चाहिए। लोगों को इसके लक्षणों, कारणों और परिणामों के बारे में शिक्षित करना

महत्त्वपूर्ण है। स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना दूसरा महत्त्वपूर्ण कदम है। नियमित व्यायाम और संतुलित आहार को बढ़ावा देना चाहिए। एक नए सर्वेक्षण के अनुसार, नियमित व्यायाम करने वाले लोगों में मेटाबोलिक सिंड्रोम का जोखिम 30 फीसद तक कम हो जाता है। आहार में सुधार भी अहम है। पारंपरिक भारतीय आहार, जो फलों, सब्जियों और साबुत अनाज से समृद्ध है, को बढ़ावा देना चाहिए। प्रोसेस्ड और जंक फूड पर कर बढ़ाने जैसे नीतिगत हस्तक्षेप भी मददगार हो सकते हैं। हमें याद रखना चाहिए कि स्वस्थ समाज ही एक समृद्ध राष्ट्र का आधार है। मेटाबोलिक सिंड्रोम से लड़ना न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य के लिए महत्त्वपूर्ण है, बल्कि यह हमारे देश के समग्र विकास के लिए भी आवश्यक है।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार` मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

दीपिका ने वीडियो शेयर कर बताया वर्कआउट का महत्व

छोटे परदे की अभिनेत्री दीपिका सिंह ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक मंडे मोटिवेशन वीडियो शेयर किया। अभिनेत्री इस वीडियो में वह सुपरसेट्स करते हुए पैरों और हाथों का वर्कआउट कर रही हैं। इस वर्कआउट के महत्व पर जोर देते हुए दीपिका ने बताया कि सुपरसेट्स का अभ्यास मांसपेशियों की सक्रियता को बढ़ाता है, जिससे मांसपेशियों की वृद्धि और ताकत में सुधार होता है। सुपरसेट्स के फायदे बताते हुए दीपिका ने कहा कि यह सेट्स के बीच आराम की अवधि को घटाकर कम समय में अधिक व्यायाम करने की अनुमति देता है। इसके अलावा, यह हार्ट रेट को बढ़ाकर कैलोरी बर्न और कार्डियोवस्कुलर फिटनेस में सुधार करता है। दीपिका ने वीडियो में एथलेजर पहन रखा था और हल्के वजन के साथ एक्सरसाइज कर रही थीं। उन्होंने अपने कैप्शन में लिखा कि सुपरसेट्स न केवल कसरत के समय को कम करते हैं, बल्कि हृदय की स्थिति को भी बेहतर बनाते हैं। अभिनेत्री का यह वीडियो उनके प्रशंसकों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है। पिछले महीने, दीपिका सिंह ने एक और वीडियो शेयर किया था जिसमें वह फाल्गुनी पाठक के गाने अइयो रामा पर डांस करती नजर आईं। हालांकि, यह वीडियो अनपॉलिश और बिना अभ्यास का था, जिसे लेकर उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया। ट्रोलिंग का सामना करते हुए दीपिका ने ट्रोलर्स पर निशाना साधते हुए लिखा कि नफरत करने वाले नफरत करेंगे, लेकिन वह इसे शालीनता से स्वीकार करती हैं। उन्होंने आगे लिखा कि वह सोशल मीडिया पर एक्टिव रहना चाहती हैं, भले ही उन्हें इसके लिए ट्रोलिंग का सामना करना पड़े। दीपिका ने कहा, हां, मैं बेहतर कर सकती हूं, लेकिन इसके लिए समय और अभ्यास की जरूरत होती है। अभिनेत्री ने अपनी बात को स्पष्ट करते हुए कहा कि उनके पास माता-पिता, पति और उनके ओडिसी डांस टीचर जैसे समर्थक हैं, जिन्होंने उन्हें शालीनता और धैर्य के साथ जीवन की परिस्थितियों को स्वीकारना सिखाया है। दीपिका ने कहा कि जब उन्हें बिना कारण ट्रोल किया जाता है, तो यह दर्शाता है कि वह अपने काम में अच्छा कर रही हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो दीपिका सिंह फिलहाल कलर्स चैनल पर प्रसारित शो मंगल लक्ष्मी में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। बता दें कि दीपिका को शो दीया और बाती हम में संध्या राठी की भूमिका के लिए जाना जाता है।

सामंथा ने किया वीडियो शेयर, हैवी वर्कआउट करते आ रही नजर

हाल ही में अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो शेयर किया। वीडियो में वह जिम में हैवी वर्कआउट करती नजर आ रही हैं। वीडियो के कैप्शन में उन्होंने डिस्ट्रेसिंग लिखा और सिटाडेल हनी बन्नी प्रीमियर का हैशटैग भी जोड़ा, जो उनके वर्कआउट के साथ-साथ उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट को भी प्रमोट करता है। सामंथा ने काले रंग की ओवरसाइज्ड टी-शर्ट, शॉर्ट्स और नी कैप पहनी हुई है। इस क्लिप में वह लगभग 40 किलो वजन उठाते हुए स्क्वैट्स कर रही हैं, जो उनकी फिटनेस के प्रति गंभीरता को दर्शाता है। मालूम हो कि सामंथा रुथ प्रभु और वरुण धवन की जोड़ी सिटाडेल-हनी बन्नी में दिखाई देगी, जो राज और डीके द्वारा निर्देशित है। इस शो में वरुण धवन एक कुशल स्टंटमैन बन्नी का किरदार निभा रहे हैं, जबकि सामंथा एक जासूस की भूमिका में नजर आएंगी। कहानी वरुण और सामंथा के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां वे अपनी पहचान बदलते हैं और एक रोमांचक मिशन पर निकलते हैं। इस शो में के के मेनन, साकिब सलीम और सिकंदर खेर भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं, जो इस प्रोजेक्ट को और भी दिलचस्प बनाते हैं। हाल ही में सामंथा ने राजस्थान में एक छोटी सी छुट्टी का आनंद लिया, जहां उन्होंने अपनी यात्रा की कई तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों में उन्हें मिट्टी के बर्तन बनाने के सत्र में भाग लेते और स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेते हुए देखा गया। सामंथा ने पहले भी जंगली जानवरों के साथ प्रकृति की खूबसूरती को समर्पित शानदार तस्वीरें शेयर की थीं, जिसमें उन्होंने लिखा था, 'बाघ के साथ प्रकृति की भव्यता देखी।' इस सप्ताह की शुरुआत में, सामंथा को जयपुर के हवाई अड्डे पर देखा गया, जहां पैपराजी ने उन्हें कैमरे में कैद किया। सामंथा की फिटनेस और उनके प्रोजेक्ट्स के प्रति उनकी लगन उनकी लोकप्रियता में चार चांद लगाते हैं।

फ्रेंच में बात करती नजर आ रही हैं उर्वशी रौतेला

हाल ही में सोशल मीडिया पर बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला एक वीडियो फ्रेंच में बात करती नजर आ रही हैं। वीडियो को अपने इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए उर्वशी ने लिखा, जब आपको फ्रांस से इतना प्यार मिलता है, तो उनकी भाषा को अपनाना ही सही लगता है। फ्रेंच में एक नए सफर की प्रेरणा के लिए धन्यवाद। इस वीडियो में उर्वशी शॉर्ट कस्टम-मेड चमकीला आउटफिट पहने हुए नजर आ रही हैं, जिसमें उनका लुक बेहद आकर्षक लग रहा है। उनका मेकअप और हेयरस्टाइल भी शानदार है, जो उनके ग्लैमरस अंदाज को और भी निखारता है। इस वीडियो में वह न केवल अपनी भाषा कौशल का प्रदर्शन करती हैं, बल्कि अपने फैन्स को एक नया आयाम भी दिखाती हैं। उनके फ्रेंच बोलने का तरीका उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाता है और इसने उनके फैंस को प्रभावित किया है। उर्वशी रौतेला, जो मिस दिवा - मिस यूनिवर्स इंडिया 2015 का खिताब जीतने के बाद प्रसिद्धि की ओर बढ़ी, के पास इस समय कई रोमांचक फिल्म प्रोजेक्ट्स हैं। अभिनेत्री जल्द ही नंदमुरी बालकृष्ण और बॉबी देओल के साथ फिल्म एनबीके 109 में नजर आएंगी। इसके अलावा, वह कमल हासन और शंकर के साथ इंडियन 2 और आफताब शिवदासानी और जस्सी गिल के साथ फिल्म कसूर में भी काम कर रही हैं। उर्वशी रौतेला की आगामी फिल्में अक्षय कुमार के साथ वेलकम 3 और रणदीप हुड्डा के साथ इंस्पेक्टर अविनाश 2 में भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगी। वह सनी देओल और संजय दत्त के साथ हॉलीवुड ब्लॉकबस्टर द एक्सपेंडेबल्स के रीमेक बाप में भी अभिनय कर रही हैं। इसके अलावा, वह एक आगामी बायोपिक में परवीन बॉबी का किरदार भी निभाने वाली हैं। उर्वशी ने 2013 में फिल्म सिंह साहब द ग्रेट से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी, और इसके बाद वह सनम रे, ग्रेट ग्रैंड मस्ती, हेट स्टोरी 4 और पागलपंती जैसी कई सफल फिल्मों में दिखाई दीं। इसके अलावा, उन्होंने म्यूजिक वीडियो जैसे लव डोज और गल बन गई में भी अपनी विशेष पहचान बनाई है।

केदारनाथ के पहाड़ पर ट्रैकिंग की सारा अली खान ने

बीते दिनों बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान ने केदारनाथ के पहाड़ पर ट्रैकिंग की और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया। उन्होंने केदारनाथ के ऊपर बादलों के बगीचे की एक झलक दिखाई है। सारा ने इंस्टाग्राम पर एक रील वीडियो शेयर किया, जिसमें वह पहाड़ पर ट्रैकिंग कर रही हैं। पिंक फुल स्लीव टॉप, स्वेटपैंट और बेसबॉल कैप पहने अभिनेत्री ने केदारनाथ की ओर इशारा करते हुए कहा : ये देखो वहां पे है केदारनाथ। इसके बाद वह पहाड़ पर चढ़ती हैं और उन्हें यह कहते हुए सुना जा सकता है- पहाड़ तो खत्म हो गया। इसके बाद वह एक खूबसूरत जगह दिखाती हैं, जहां वह लंबी ट्रैकिंग के बाद पहुंची हैं। कैप्शन में उन्होंने लिखा- आज मैं ऊपर.. आसमान नीचे... कभी नहीं देखे ऐसे बादलों के बगीचे। बैकग्राउंड स्कोर के लिए, सारा ने संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित 1996 की फिल्म 'खामोशी : द म्यूजिकल' से कविता कृष्णमूर्ति और कुमार सानू द्वारा गाया गया ट्रैक 'आज मैं ऊपर' का इस्तेमाल किया। 4 नवंबर को, सारा ने अज्ञात स्थल से कुछ खूबसूरत क्लिक्स साझा की थी। इसमें सूरज की भी एक झलक थी। कैप्शन में उन्होंने लिखा था : दिवाली के बाद का शूट डे। वास्तविकता में वापस, अभी भी सूरज का पीछा करते हुए।' हालांकि, अभिनेता सैफ अली खान और अमृता सिंह की बेटी अभिनेत्री ने यह नहीं बताया कि वह किस फिल्म की शूटिंग कर रही हैं। 25 अक्टूबर को, सारा ने खुलासा किया कि वह फिल्म निर्माता अमर कौशिक और अभिनेता आयुष्मान खुराना के साथ हिमाचल प्रदेश के मनाली में अपनी अगली फिल्म की शूटिंग कर रही हैं। जिसके बाद, वो 24 मीटर ऊंचे हिडिम्बा देवी मंदिर दर्शन करने पहुंची थीं। सारा ने निर्देशक और अभिनेता के साथ अलाव के पास बैठे हुए कई तस्वीरें साझा कीं। एक तस्वीर में, अभिनेत्री को काले और सफेद रंग की ग्रैफिटी हुडी के साथ गहरे रंग की जींस और इयरमफ्स पहने देखा गया। रंग कोड को ध्यान में रखते हुए, कौशिक और आयुष्मान ने भी काले रंग के कपड़े पहने थे।

नताशा की जिंदगी में आया कोई नया इंसान?

क्रिकेटर हार्दिक पंड्या की पूर्व पत्नी एवं बॉलीवुड एक्ट्रेस नताशा स्टेनकोविक सोशल मीडिया पर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर कई हिंट दे रही हैं। नताशा ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट डाला है, जिससे यह कयास लगाए जा रहे हैं कि शायद उन्होंने अपनी लव लाइफ में आगे बढ़ने का फैसला किया है। हाल ही में नताशा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की, जिसमें उन्होंने लिखा, अगर मैं गाड़ी चलाते हुए आपसे बात करूं, तो मैं वाकई आपको पसंद करती हूं। क्योंकि वो मेरा म्यूजिक सुनने का समय है। इस पोस्ट से यह इशारा किया गया कि शायद उनकी जिंदगी में कोई खास इंसान आ गया है। अब सवाल यह उठ रहा है कि नताशा किसे पसंद करती हैं? वह किसके साथ गाड़ी चला रही हैं और किसके साथ बातचीत कर रही हैं? हालांकि नताशा ने इस बारे में सीधे कुछ नहीं कहा है, लेकिन उनके पोस्ट ने उनके फैंस को कन्फ्यूज कर दिया है। फैंस अब यह जानना चाहते हैं कि नताशा की जिंदगी में नया कौन है। नताशा का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और अब इसे उनकी लव लाइफ से जोड़कर देखा जा रहा है। लोग यह अनुमान लगा रहे हैं कि नताशा शायद किसी को लेकर दिलचस्पी रख रही हैं, लेकिन इस बारे में अब तक नताशा ने कोई साफ-साफ बयान नहीं दिया है। अब यह तो वक्त ही बताएगा कि नताशा ने वाकई अपनी जिंदगी में आगे बढ़ने का फैसला किया है या फिर यह सब सिर्फ अफवाहें हैं। लेकिन एक बात तो साफ है कि नताशा की इस पोस्ट ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है और उनके फैंस इस रहस्य के बारे में और जानने के लिए उत्सुक हैं। बता दें कि जब नताशा और हार्दिक का रिश्ता टूटने की खबरें आईं, तो दोनों के फैंस को हैरानी हुई थी। इसके बाद हार्दिक का नाम ब्रिटिश सिंगर जैस्मिन वालिया के साथ जुड़ा था, जिससे यह अफवाहें उड़ी थीं कि हार्दिक अपनी जिंदगी में आगे बढ़ चुके हैं।

माधवन

'अधीरष्टसाली' से फिर दिल जीतने को तैयार

बालीवुड अभिनेता आर. माधवन अपनी आगामी फिल्म 'अधीरष्टसाली' के साथ एक बार फिर दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर माधवन ने अपने फर्स्ट लुक का पोस्टर साझा किया, जिससे फिल्म के प्रति उत्सुकता और बढ़ गई है। अभिनेता ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, गर्व से अपनी फिल्म 'अधीरष्टसाली' का पहला लुक जारी कर रहा हूं। यह मिथान आर जवाहर द्वारा निर्देशित एक शानदार और कभी न भूल पाने वाली यात्रा रही है।पोस्टर में आर. माधवन दोहरी भूमिका में नजर आ रहे हैं। एक तरफ, वह एक बड़े व्यवसायी के रूप में दिखते हैं, जबकि दूसरी तरफ, वह ग्रामीण पृष्ठभूमि में एक आम और परेशान आदमी के रूप में दिखाई देते हैं। इस विविधता ने दर्शकों में फिल्म के प्रति और भी जिज्ञासा पैदा कर दी है। 'अधीरष्टसाली' का निर्देशन मिथ्रान आर जवाहर ने किया है, जिन्होंने 'यारदी नी मोहिनी' और 'थिरुचित्रम्बलम' जैसी सफल फिल्मों का निर्देशन किया है। यह फिल्म माधवन और मिथ्रान की पहली संयुक्त परियोजना है, जो दर्शकों को एक नई कहानी और अनुभव देने का वादा करती है। फिल्म की पटकथा लेखक जयमोहन ने लिखी है, जो अपने बेहतरीन लेखन के लिए जाने जाते हैं। फिल्म में आर. माधवन के साथ कई प्रतिभाशाली कलाकार भी शामिल हैं, जैसे शर्मिला मांड्रे, राधिका सरथकुमार, मैडोना सेबेस्टियन, साईं धनशिका, जगन, निरूप एनके, उपासना आरसी, मैथ्यू वर्गीस, उदय महेश, केएसजी वेंकटेश और रवि प्रकाश। इसमें शर्मिला मांड्रे मुख्य भूमिका में हैं, जबकि राधिका सरथकुमार माधवन की मां की भूमिका निभा रही हैं। फिल्म की शूटिंग हाल ही में पूरी हुई है और इसमें 'हैरी पॉटर' फिल्म के विक्टोरिया स्ट्रीट पर भी कुछ दृश्य फिल्माए गए हैं। हालांकि, निर्माताओं ने अभी तक फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा नहीं की है, जिससे दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है। आर. माधवन के वर्कफ्रंट की बात करें तो, उन्होंने इस साल रिलीज हुई हॉरर फिल्म 'शैतान' में भी अहम भूमिका निभाई थी। 'अधीरष्टसाली' के अलावा, वह शशिकांत द्वारा निर्देशित तमिल फिल्म टेस्ट में भी नजर आएंगे।

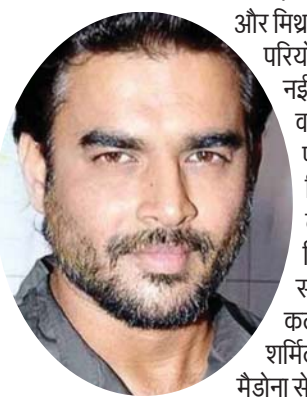

बहुप्रतीक्षित फिल्म आज़ाद का टीज़र जारी

दिग्गज कलाकार अजय देवगन और डायना पेंटी की बहुप्रतीक्षित फिल्म आज़ाद का टीज़र जारी हो चुका है। टीज़र की शुरुआत से ही यह स्पष्ट हो जाता है कि फिल्म एक महाकाव्य एक्शन-एडवेंचर होने का वादा करती है, जो अपनी अनोखी कहानी और भव्य दृश्य प्रस्तुतियों से दर्शकों को आकर्षित करने के लिए तैयार है। फिल्म का टीज़र शेयर करते हुए प्रसिद्ध निर्देशक अभिषेक कपूर की अभिषेक कपूर ने सोशल मीडिया पर लिखा, हर जंग में, हर बहादुर योद्धा के साथ, एक वफ़ादार घोड़ा ज़रूर रहा है। आज़ाद टीजर आउट नाउ। विटनेस द एडवेंचर ऑन बिग स्क्रीन्स दिस जनवरी 2025। इस पोस्ट के साथ उन्होंने फिल्म के रिलीज़ होने की तारीख और सिनेमाघरों में एक्सक्लूसिव टीज़र प्रीमियर की भी जानकारी दी। आज़ाद में बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार अजय देवगन और डायना पेंटी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इसके साथ ही, फिल्म में अमन देवगन और राशा थडानी के रूप में नए चेहरे भी देखने को मिलेंगे, जो अपने डेब्यू से फिल्म को और रोमांचक बनाने का वादा करते हैं। फिल्म का निर्माण रोनी स्क्रूवाला और प्रज्ञा कपूर द्वारा किया गया है, जो अभिषेक कपूर की सिनेमाई प्रतिभा को बड़े पर्दे पर फिर से पेश करने का काम कर रहे हैं। टीज़र से दर्शकों को फिल्म की भव्यता और नाटकीय तत्वों की एक झलक मिलती है। शानदार सिनेमैटोग्राफी और कहानी में छिपे इमोशन्स से भरी आज़ाद यकीनन दर्शकों के लिए एक विशेष अनुभव होगा। फिल्म की कहानी और इसके अद्वितीय कैरेक्टर्स को लेकर फैंस की जिज्ञासा अब और बढ़ गई है। दिवाली पर फिल्म के टाइटल का खुलासा करने के बाद, निर्माताओं ने इस टीज़र को जारी कर एक बार फिर दर्शकों की उम्मीदों को ऊंचा कर दिया है।

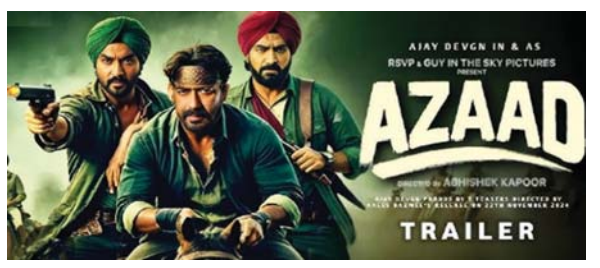

खूबसूरत आउटफिट में नई तस्वीरें साझा की माधुरी ने

हाल ही में, मशहूर एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लाल रंग की खूबसूरत आउटफिट में अपनी नई तस्वीरें साझा की हैं। एक्ट्रेस ने तस्वीरों के साथ एक शानदार कैप्शन भी दिया है, जिसमें उन्होंने लिखा, लाल मेरे दिल का हाल और साथ ही हैशटैग के साथ शनिवार, फोटो ऑफ दी डे, और प्रमोशंस भी जोड़े हैं।
शेयर की गई तस्वीरों में माधुरी खिलखिलाते हुए हंसती नजर आ रही हैं, जो उनकी अद्वितीय खूबसूरती को और भी निखारती हैं। उनके फैंस ने इन तस्वीरों पर काफी सकारात्मक प्रतिक्रियाएं दी हैं। एक प्रशंसक ने लिखा, ओएमजी, वहीं दूसरे ने कहा, क्या बात है और एक अन्य ने उनकी खूबसूरती की तारीफ करते हुए लिखा, आप इतनी खूबसूरत क्यों हैं? माधुरी दीक्षित की बहुप्रतीक्षित फिल्म भूल भुलैया 3 हाल ही में सिनेमाघरों में रिलीज हुई है, जिसमें उन्होंने मंजुलिका के किरदार में दर्शकों का दिल जीता है। इस फिल्म के बारे में बात करते हुए, माधुरी ने कहा, मैं डरावनी भूमिका में दर्शकों के सामने आने के लिए तैयार हूं। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें हॉरर फिल्में ज्यादा पसंद नहीं हैं क्योंकि वह खुद डर जाती हैं, लेकिन इस प्रकार की फिल्में उनके लिए एक नई शुरुआत का संकेत देती हैं।
फिल्म 'भूल भुलैया 3' में माधुरी दीक्षित के साथ कार्तिक आर्यन, विद्या बालन, और तृप्ति डिमरी जैसे कलाकार भी मुख्य भूमिका में हैं। अनीस बज्मी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में राजपाल यादव और संजय मिश्रा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। माधुरी दीक्षित का यह नया अवतार और उनकी अदाकारी ने न केवल दर्शकों का दिल जीतने में कामयाबी पाई है, बल्कि फिल्म की सफलता में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी ये नई तस्वीरें और फिल्म की चर्चा उनके फैंस के बीच एक बार फिर से हलचल मचा रही हैं। बॉलीवुड की 'धक धक गर्ल' माधुरी दीक्षित एक बार फिर से सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी : झुका पीसीबी, 'हाइब्रिड मॉडल' अपनाने को तैयार, यूएई में खेलेगा भारत

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अपने पिछले रुख से पीछे हटते हुए अपनी मेजबानी में होने वाली 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम में बदलाव करने को तैयार है और भारत के मुकाबले यूएई में हो सकते हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इसका मतलब यह है कि टूर्नामेंट 'हाइब्रिड मॉडल' में आयोजित किया जा सकता है क्योंकि मौजूदा सामाजिक-राजनीतिक माहौल और राष्ट्रीय टीम के लिए सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए भारत सरकार के अपनी टीम को पाकिस्तान की यात्रा करने की अनुमति देने की संभावना नहीं है। पाकिस्तान ने पिछली बार जब 2023 में एशिया कप की मेजबानी की थी तो इसका आयोजन भी 'हाइब्रिड मॉडल% में किया गया था जिसमें भारत ने अपने मैच श्रीलंका में खेले थे क्योंकि सरकार ने खिलाड़ियों को सीमा पार यात्रा करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था।

पीसीबी के एक विश्वसनीय सूत्र का कहना है कि पीसीबी को लगता है कि भले ही भारत सरकार पाकिस्तान दौरे को मंजूरी ना दे लेकिन कार्यक्रम में थोड़ा बदलाव किया जा सकता है क्योंकि पूरी संभावना है कि भारत अपने मैच दुबई या शारजाह में खेलेगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अपनी ओर से किसी भी बोर्ड को अपनी सरकारी नीति के खिलाफ जाने के लिए मजबूर नहीं कर सकता और यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) इस मामले में अंतिम फैसला कब लेता है। जब अंतिम फैसला होने की संभावना है तब आईसीसी की अध्यक्षता भारत के जय शाह करेंगे। इस बीच पीसीबी आईसीसी पर अगले सप्ताह तक टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा करने के लिए दबाव डाल रहा है क्योंकि वैश्विक संचालन संस्था के कुछ शीर्ष अधिकारी अगले सप्ताह फिर से लाहौर का दौरा करने वाले हैं।

सूत्र ने कहा कि पीसीबी ने आईसीसी के साथ उस संभावित कार्यक्रम पर चर्चा की है जो उन्होंने कुछ महीने पहले भेजा था और वह चाहता है कि 11 नवंबर को उसी कार्यक्रम की घोषणा की जाए। उन्होंने कहा कि उन्होंने आईसीसी से कहा है कि संशोधित बजट के साथ एक वैकल्पिक योजना पहले से ही मौजूद है इसलिए संभावित कार्यक्रम जारी करने में देरी करने का कोई मतलब नहीं है। सूत्र ने कहा कि पीसीबी ने आईसीसी से यह भी कहा है कि वह बीसीसीआई पर यह पुष्टि करने के लिए दबाव डाले कि क्या वे अगले साल फरवरी-मार्च में होने वाली प्रतियोगिता के लिए अपनी टीम पाकिस्तान भेजेंगे। सूत्र ने कहा कि पीसीबी चाहता है कि बीसीसीआई लिखित में दे कि उन्हें अपनी टीम पाकिस्तान भेजने के लिए अपनी सरकार से अनुमति मिली है या नहीं।

पीसीबी द्वारा प्रस्तावित अस्थायी कार्यक्रम के अनुसार अगले साल एक मार्च को लाहौर में चिर प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान के बीच

चैंपियंस ट्रॉफी का मुकाबला होना है। टूर्नामेंट 19 फरवरी 2025 को शुरू होगा जिसका पहला मैच पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच कराची में होगा। फाइनल नौ मार्च को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में होगा। अस्थायी कार्यक्रम के अनुसार सुरक्षा और साजों-सामान से जुड़े कारणों से भारत के सभी मैच लाहौर में ही रखे गए हैं। सूत्रों के अनुसार पीसीबी कराची, लाहौर और रावलपिंडी में अपने स्टेडियमों के नवीनीकरण पर लगभग 13 अरब रुपये खर्च कर रहा है जहां चैंपियन्स ट्रॉफी के मैच होने हैं।

ऋषभ, रोहित और विराट हमारे निशाने पर रहेंगे : कमिंस

सिडनी (एजेंसी)। इस माह 22 नवंबर से शुरु हो रही बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज को लेकर ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी रणनीति बनानी शुरु कर दी है। आगामी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल को देखते हुए ये सीरीज बेहद अहम मानी जा रही है। इसी को देखते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी ओर से कोई कमी नहीं रखना चाहती है। पिछले एक दशक से वह भारत से ये सीरीज नहीं जीत पायी है। ऐसे में इस बार कमिंस घरेलू धरती पर ये सीरीज जीतकर प्रशंसकों को खुश करना चाहेंगे। कमिंस ने कहा कि इस सीरीज में उसके निशाने पर आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के अलावा भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली हैं। कमिंस ने कहा कि ऋषभ जबरदस्त फार्म में हैं ऐसे में हमें उनपर अंकुश लगाना होगा। जहां तक रोहित और विराट की बात है ये दोनो ही हाल के समय में फार्म में नहीं हैं पर ये सोचकर कम आराम से नहीं बैठ सकते क्योंकि ये दोनो ही विश्व के बेहतरीन बल्लेबाज हैं जो कभी भी मैच पलट सकते हैं। विराट का रिकार्ड ऑस्ट्रेलिया में काफी अच्छा रहा है। ऐस में कमिंस ने कहा कि इन तीनों के लिए गेम प्लान तैयार हैं।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 5 मैच की बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज का आगाज 22 नवंबर से होने जा रहा है। न्यूजीलैंड से 0-3 से सीरीज हारने के बाद टीम इंडिया का मनोबल गिरा है। कमिंस ने ऋषभ को लेकर कहा कि, हां वह हमेशा खेल को बहुत तेजी से आगे बढ़ाता है इसलिए कुछ खिलाड़ियों के लिए, आपके पास कुछ ठोस योजनाएं भी होनी चाहिए। उसने न्यूजीलैंड के खिलाफ अच्छा खेला है, उसने पिछली बार ऑस्ट्रेलिया में एक अच्छी सीरीज खेली थी। हम जानते हैं कि जब वह आगे बढ़ता है तो वह खतरनाक हो सकता है इसलिए कोशिश करेंगे और कुछ अच्छी योजनाएं बनाएंगे और उम्मीद करेंगे कि वे सफल हों।

कुछ महीनों से हमारी परीक्षा की घड़ी चल रही है- डरबन टी20 से पहले बोले ऐडन मार्कराम

डरबन (एजेंसी)। बारबाडोस में जब से दक्षिण अफ्रीका ने भारत से पुरुष टी-20 विश्व कप फाइनल 2024 गंवाया है, तब से वह इस फार्मेट में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछली सीरीज से वह 3-0 से हार गए। इसके अलावा संयुक्त अरब अमीरात में आयरलैंड के खिलाफ सीरीज 1-1 से ड्रा रही। इसी बीच भारत के खिलाफ सीरीज शुरू होने से पहले दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्कराम ने स्वीकार किया है कि इस प्रारूप में पिछले कुछ महीने उनके लिए कठिन रहे हैं, लेकिन उन्हें अपनी टीम के लिए अच्छे दिन देखने की उम्मीद है, क्योंकि शुक्रवार को किंग्समीड में श्रृंखला के पहले मैच में उनका सामना भारत से होगा।

मार्कराम ने कहा कि अभी कुछ महीनों से इसका परीक्षण चल रहा है। जाहिर है, हमने इसके पीछे के कारणों, विकास के अवसरों, उन चीजों पर ध्यान दिया है जो लंबे समय में दक्षिण अफ्रीका में क्रिकेटरों को बेहतर बनाने वाली हैं। मार्कराम ने कहा कभी-कभी आपको इस कठिन समय से गुजरना पड़ता है और उम्मीद है कि एक टीम के रूप में सुरंग के अंत में हमारे लिए कुछ रोशनी होगी। जाहिर तौर पर दक्षिण अफ्रीका के लिए मैच जीतना और सीरीज जीतना चाहता हूं। लेकिन आप बड़ी तस्वीर पर ध्यान दें, आप इस बात पर ध्यान दें कि इससे दक्षिण अफ्रीका में क्रिकेट को आगे बढ़ने में कितनी मदद मिलेगी।

दक्षिण अफ्रीका और भारत के बीच 4 मैचों की टी20 श्रृंखला भी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मेगा नीलामी की पृष्ठभूमि में हो रही है, जो 24 और 25 नवंबर को जेद्दा में होने वाली है। भारत के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन कई लोगों के लिए बड़े आईपीएल सौदों की उम्मीद कर सकता है। उन्होंने कहा कि जैसा कि हम सभी जानते हैं, खिलाड़ियों के लिए बहुत सी चीजें हो सकती हैं और हम भाग्यशाली हैं कि हम नीलामी होने से ठीक पहले (भारत) के खिलाफ श्रृंखला में खेल रहे हैं। यह काफी हद तक अच्छा प्रदर्शन करने का बोनस होगा।

भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया में जीत के लिए हाल में मिली असफलताओं से उबरना होगा : संदीप पाटिल

मुंबई (एजेंसी)। भारत क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज संदीप पाटिल ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारतीय टीम को अगर जीत दर्ज करनी है तो उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली हार से उबरना होगा। पाटिल ने कहा कि कमजोर मनोबल के साथ कोई भी टीम नहीं जीत सकती। इसलिए खिलाड़ियों को पिछली गलतियों से सबक लेते हुए आगे बढ़ना होगा। जिससे टीम ऑस्ट्रेलिया में जीत की राह पर लौट सके। न्यूजीलैंड के खिलाफ हार के बाद भारतीय टीम की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की संभावना भी कम हुई है। अब उसके ऑस्ट्रेलिया के पांच टेस्ट मैचों में से चार जीतने होंगे। इसी को लेकर पाटिल का मानना है भारतीय टीम अभी भी काफी अच्छी है

और मेरा मानना है कि कीवी टीम के खिताफ लगे झटकों से वह नहीं डरी होगी।

पाटिल ने कहा कि उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसकी धरती पर ही खेलना है। उन्हें यह भूलना होगा कि पिछली बार वहां क्या हुआ था। उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ हुई सीरीज में जो हुआ उसे भी भूलकर आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि विश्व कप जीतने से पहले हम सभी अभ्यास मैच हार गये थे। इसी को देखते हुए आपको सकारात्मक सोचना होगा और सकारात्मक तरीके से खेलना होगा, तभी आपको अपनी पसंद के परिणाम मिलेंगे। पाटिल ने कहा कि जीत के लिए आक्रामक रुख अपना होगा क्योंकि अगर आप रक्षात्मक क्रिकेट खेलते हैं और जीतने के बारे में सोचते हैं तो ऐसा नहीं होने वाला है। हालांकि पाटिल ने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ पहली सीरीज में 3-0 की हार भारतीय टीम के लिए एक चेतावनी है। उन्होंने कहा कि सीरीज में यह हार एक चेतावनी की तरह थी। ऐसा नहीं है कि हमारी टीम खराब हो गयी है। कुछ महीने पहले उन्होंने टी20 विश्व कप जीता था। हमारी टीम में कुछ बड़े खिलाड़ी हैं जो इस हार से सबक लेकर दमदार वापसी करेंगे।

वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने अल्जारी पर दो मैचों का प्रतिबंध लगाया

नई दिल्ली । वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ को इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में गुस्सा दिखाते हुए मैदान छोड़ना भारी पड़ा है। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने अल्जारी पर दो मैच के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। इस मैच में अल्जारी ने कप्तान के एक फैसले पर नाराजगी जताते हुए मैदान छोड़ दिया था। ऐसे में टीम को कुछ समय के लिए 10 खिलाड़ियों के साथ ही खेलना पड़ा था। कुछ देर बार जोसेफ वापस मैदान में आए और उन्होंने अपने कोटे के 10 ओवर पूरे किए। मगर जोसेफ से रवैये से नाराजगी जताते हुए वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने उन पर ये प्रतिबंध लगाया है। यह घटना इंग्लैंड की पारी के चौथे ओवर की है। अज्जारी कप्तान शाई होप की लगायी हुई फिल्डिंग से सहमत नहीं थे और उन्होंने इसे बदलने को कहा पर कप्तान इसके लिए तैयार नहीं हुए। इसपर अल्जारी ने तेज गेंदबाजी करते हुए ओवर पूरा कर दिया और मैदान से बाहर चले गये।।

राहुल दूसरी पारी में अजीब तरीके से आउट हुए

मेलबर्न। बल्लेबाज केएल राहुल एक बार फिर असफल रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे में लय हासिल करने के लिए राहुल को भारत ए की टीम में शामिल किया गया था पर उन्होंने यहां भी निराश किया। राहुल ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ जहां पहली पारी में केवल चार रन ही बना पाये। वहीं दूसरी पारी में वह 44 गेंदों पर 10 रन ही बना पाये और अजीब तरीके से आउट हुए। दूसरी पारी में ऑफ स्पिनर कोरी रोच्चियोली की गेंद लेग स्टंप के बाहर जा रही थी पर इसके बाद भी राहुल का ऑफ स्टंप उड़ा ले गयी। राहुल ने इस दौरान गेंद को से पैड से धकेलने का भी प्रयास किया पर वह सीधे विकेट में चली गयी। इस प्रकार से राहुल को आउट होते देख सभी हैरान हो गये। यहां तक कि कमेंटेटर भी कुछ समझ नहीं पाये। राहुल के बोल्ड होने के बाद कमेंटेटर ने कहा, मुझे नहीं पता कैसे लेकिन यह आउट है। गेंद राहुल के दोनों पैरों के बीच से होकर विकेट पर जा लगी। इस मैच में सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे राहुल ने 44 गेंदों पर 10 रन बनाये थे। इस प्रकार दूसरी पारी में भी भारतीय टीम लड़खड़ा गयी और उसके आधे खिलाड़ी 56 रनों के अंदर पेवेलियन लौट गये। अभिमन्यु ईश्वरन ने 17 रन जबकि साई सुदर्शन ने 3 रन बनाये। कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने एक बार फिर निराश किया। वह 1 रन ही बना पाये।

भारतीय टीम वापसी करेगी, एक सीरीज हारने से खराब नहीं हो गयी : लाथम

वेलिंगटन । न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लाथम ने भारतीय टीम की आलोचना करने वालों को करारा जवाब देते हुए कहा है कि एक सिरीज हारने का मतलब ये नहीं है कि भारतीय टीम कमजोर हो गयी है। लाथम ने कहा कि भारतीय टीम अभी भी काफी अच्छी है और वह शानदार वापसी करेगी। लाथम की कप्तानी में भी कीवी टी ने तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में भारतीय टीम को 3-0 से हराया था। स्वदेश पहुंचने पर लाथम ने कहा, भारतीय क्रिकेट वास्तव में विशेष है। हमने उनके खिलाफ बहुत खेला है। हमारे खिलाड़ी आईपीएल में उनके साथ खेलते रहे हैं। वे निश्चित रूप से हार में भी उदार थे और वे अभी भी एक शीर्ष स्तर वाली टीम हैं। वे निश्चित रूप से एकाएक खराब टीम नहीं बन जाते हैं और मुझे भरोसा है कि वे समय के साथ हालातों को बदल देंगे। लाथम ने कहा कि सीरीज की जीत इसलिए भी हमारे लिए अच्छी रही क्योंकि हमें इससे पहले श्रीलंका के खिलाफ 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा, जब हम कुछ सप्ताह श्रीलंका में थे, जहां चीजें हमारे अनुरुप नहीं थी तब भी हम निराश नहीं थे। ऐसे में मुझे लगता है कि जब आप कुछ ऐसा हासिल कर पाते हैं जो पहले हासिल नहीं हुआ, तो यह समय और भी खास हो जाता है। यह केवल जश्न मनाने के बारे में है। हमारे पास वहां ठीक होने के लिए कुछ अतिरिक्त दिन थे, इसलिए यह बहुत अच्छा था। न्यूजीलैंड टीम अब अपनी घरेलू धरती पर तीन मैचों की सीरीज में इंग्लैंड का मुकाबला करेगी। इसी को लेकर और लाथम ने कहा कि अब आक्रामक क्रिकेट का सामना करना उनकी टीम को एक अलग प्रकार की चुनौती होग। इंग्लैंड अपनी आक्रामक शैली के लिए जानी जाती है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह एक रोमांचक सीरीज होगी।

पाकिस्तान ने दूसरे एकदिवसीय में ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से हराया

-सीरीज 1-1 से बराबरी पर आई

एडीलेड (एजेंसी)। हारिस रऊफ , सैम अयूब और अब्दुल्ला शफीक के शानदार प्रदर्शन से पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने यहां ऑस्ट्रेलिया को दूसरे एकदिवसीय मैच में 9 विकेट से हराकर सीरीज में 1-1 से बराबरी की है। इस मैच में पाक टीम ने जीत के लिए मिले 163 रनों के लक्ष्य को केवल एक विकेट के नुकसान पर ही 26.3 ओवर में हासिल कर लिया। यह आस्ट्रेलिया में पाकिस्तान की सबसे बड़ी जीत है। इस मैच में पाक टीम ने ऑस्ट्रेलिया को पहले बल्लेबाजी करते हुए 35 ओवरों में ही 163 रनों पर समेट दिया। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को आराम से हासिल कर लिया। पाकिस्तान की ओर हारिस रऊफ ने घातक गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट लिए जबकि बल्लेबाजी में सैम अयूब ने सबसे अधिक 82 रन बनाए।

163 रनों के लक्ष्य को पाकिस्तान ने आसानी से हासिल कर लिया। शफीक और अयूब ने मिलकर पहले विकेट के लिए 137 रन जोड़ बनाये। मिचेल स्टार्क और पैट कमिंस इनपर दबाव नहीं डाल पाये। अयूब ने 71 गेंदों पर 82 रन बनाए, जिसमें पांच चौके और छह छक्के शामिल थे। वहीं शफीक 69 गेंदों पर 64 रन बनाकर नाबाद रहे और बाबर आजम 20 गेंद पर 15 रन बनाकर नाबाद रहे। बाबर ने छक्का लगाकर पाक टीम को जीत दिलायी। मो रिजवान की कप्तानी में ये पाक टीम की पहली जीत है।

इससे पहले पाकिस्तान ने टॉस जीता और पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया जो सही रहा। ऑस्ट्रेलियाई टीम 35 ओवर में 163 रन ही बना पायी। स्टीव स्मिथ के अलावा सभी खिलाड़ी विफल रहे। स्मिथ ने सबसे अधिक 35 रन बनाये। अन्य बल्लेबाज 20 रनों तक भी नहीं बना पाये। राउफ ने आठ ओवर में 29 रन देकर पांच विकेट लिए जबकि शाहीन अफरीदी ने 8 ओवर में 26 रन देकर तीन विकेट लिए। नसीम को केवल एक विकेट मिला।

डब्ल्यूटीए फाइनल्स : कोको गॉफ को हराकर क्रेजिसिकोवा सेमीफाइनल में, स्वियातेक बाहर

रियाद । बारबोरा क्रेजिसिकोवा ने कोको गॉफ को सीधे सेटों में 7-5, 6-4 से हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में प्रवेश किया जिससे दूसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक जीत दर्ज करने के बावजूद वर्ष के इस अंतिम टेनिस टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। क्रेजिसिकोवा सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली अंतिम खिलाड़ी है। शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका, झेंग किनवेन और गॉफ पहले ही अंतिम चार में अपनी जगह सुरक्षित कर चुकी थी। विंबलडन चैंपियन क्रेजिसिकोवा ऑरेंज ग्रुप में शीर्ष पर रही और सेमीफाइनल में उनका मुकाबला झेंग से होगा। एक अन्य सेमीफाइनल में गॉफ पर्पल ग्रुप विजेता सबालेंका से भिड़ेंगी। स्वियातेक ने डारिया कसाटकिना को एक घंटे से भी कम समय में 6-1, 6-0 से हराया, लेकिन गॉफ की क्रेजिसिकोवा पर जीत से ही वह ऑरेंज ग्रुप से आगे बढ़ पाती।

ऑस्ट्रेलिया को हराते ही पाकिस्तान ने भारत को पछाड़ा, ये खास रिकॉर्ड तोड़ा

एडीलेड (एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया में कुल 75 वनडे इंटरनेशनल मैच जीते हैं, इसके बाद इंग्लैंड का नाम आता है, जिसने ऑस्ट्रेलिया में 53 मैच जीते हैं। पाकिस्तान तीसरे नंबर पर 41 मैचों मे जीत के साथ है। वहीं भारत ने ऑस्ट्रेलिया में कुल 40 मैच जीते हैं। एशियाई टीमों में अब पाकिस्तान ने भारत को पीछे छोड़ दिया है। ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज का पहला मैच तीन विकेट से जीता था।

मैच की बात करें तो पाकिस्तान ने टॉस जीता और ऑस्ट्रेलिया को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता दिया। ऑस्ट्रेलियाई टीम 35 ओवर में ही 163 रनों पर ऑलराउडर हो गई। हारिस राउफ ने पांच विकेट चटकाए और प्लेयर ऑफ द मैच भी चुने गए। हारिस राउफ ने पांच विकेट चटकाए और प्लेयर ऑफ द मैच भी चुने गए। वहीं शाहीन अफरीदी ने तीन विकेट निकाले। ऑस्ट्रेलिया की ओर से स्टीव स्मिथ ने सबसे ज्यादा 35 रनों का योगदान दिया। स्मिथ के अलावा किसी और ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने 20 रन तक नहीं बनाए। 13 से 19 रनों के बीच बाकी बल्लेबाज आउट होते गए।

इसके जवाब में पाकिस्तान ने 26.3 ओवर में ही एक विकेट पर 169 बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। सैम अयूब ने 82 रनों की पारी खेली, वहीं अब्दुल्ला शफीक ने 64 रन बनाए।

पूर्व पाक तेज गेंदबाज बोला, शफीक और अयूब किसी काम के नहीं

-पीसीबी की चयन प्रणाली पर उठे सवाल

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व पाक तेज गेंदबाज सिकंदर बख्त ने कहा है टीम में शामिल दो बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक और सैम अयूब किसी काम के नहीं हैं। बख्त ने कहा कि इस प्रकार के खिलाड़ियों को रखने से कोई लाभ नहीं जो टीम पर एक प्रकार से बोझ से अधिक कुछ नहीं हैं। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने टीम के खराब प्रदर्शन पर चिनता जतायी है और कहा कि अनभवी खिलाड़ी भी अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रहे। पाक टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही एकदिवसीय सीरीज के पहले ही मैच में हार का समना करना पड़ा था। बख्त ने वरिष्ठ और युवा दोनों खिलाड़ियों के खराबा फॉर्म पर नाराजगी जतायी है। इस पूर्व क्रिकेटर के बयान के बाद पाक टीम की चयन प्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं।

1976 और 1989 के बीच पाकिस्तान के लिए 26 टेस्ट मैच और 27 एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि अनुभवी होने के बाद भी बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान टीम को आगे नहीं ले जा पा रहे हैं। इससे इनकी नेतृत्व क्षमता पर भी सवाल उठ रहे हैं। बख्त ने कहा कि बाबर और रिजवान टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं, फिर भी वे कठिन समय में टीम को सही दिशा नहीं दे पा रहे। उन्होंने कहा कि मैच विजेता खिलाड़ी फखर जमान को टीम से बाहर किया जान भी एक गलत फैसला रहा। बख्त ने हालांकि गेंदबाज नसीम शाह के रवैये की प्रशंसा की। इस तेज गेंदबाज ने पहले एकदिवसीय में दबाव के बाद भी अच्छी गेंदबाजी की। नसीम की गेंदबाजी के कारण एक समय ऑस्ट्रेलियाई टीम के हाथ से मैच निकलने लगा था पर अंत में कप्तान पैट कमिंस ने अच्छी बल्लेबाजी कर अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

प्रत्येक महीने ट्रेनिंग के लिए दक्षिण अफ्रीका जाएंगे नीरज चोपड़ा, इसलिए लिया फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा अगले साल होने वाली प्रतियोगिताओं की शुरुआती तैयारी शुरू करने की मुहिम में सत्र के इतर ट्रेनिंग के लिए इस महीने के अंत में दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम जाएंगे। ओलंपिक में 2 बार के पदक विजेता 26 वर्षीय नीरज अंतिम बार सितंबर में डायमंड लीग फाइनल में खेले थे। वह दक्षिण अफ्रीका के इस शहर में ट्रेनिंग के लिए 31 दिन रहेंगे। चोपड़ा की ट्रेनिंग का खर्चा खेल मंत्रालय उठाएगा।

मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि वह अपनी ट्रेनिंग जल्दी शुरू करेंगे और 31 दिन के लिए पोटचेफस्ट्रूम में रहेंगे। इसके अनुसार- नीरज की ट्रेनिंग का खर्च खेल मंत्रालय उठाएगा जिसमें उनके और उनके फिजियोथेरेपिस्ट के दक्षिण अफ्रीका में रहने के दौरान रहने, खाने-पीने और ट्रेनिंग का खर्च शामिल होगा। चोपड़ा ने पहले भी तोक्यो और पेरिस ओलंपिक से पहले कई बार पोटचेफस्ट्रूम में ट्रेनिंग की है। उन्होंने जनवरी 2020 में भी वहां एक प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था जो दुनिया भर में कोविड-19 महामारी फैलने से ठीक पहले हुई थी।

चोपड़ा पूरे वर्ष जांघ की मांसपेशियों की परेशानी से जूझते रहे जिससे पेरिस ओलंपिक और डायमंड लीग फाइनल में उनका प्रदर्शन भी प्रभावित हुआ। उन्होंने सत्र के अंत में डॉक्टरों से परामर्श लेने की बात कही थी ताकि वह इस समस्या से निजात पाने के लिए सर्जरी कराने या नहीं कराने पर फैसला ले सकें। लेकिन 27 सितंबर को पीटीआई से बात करते हुए चोपड़ा ने चोट की चिंताओं को खारिज कर दिया था और कहा था कि वह अपनी तकनीक सुधारने की कोशिश करेंगे।

तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के 3 साल बाद पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाले इस स्टार एथलीट ने कहा था कि यह चोटों से घिरा हुआ वर्ष रहा लेकिन अब चोट ठीक है। मैं नये सत्र के लिए पूरी तरह फिट रहूंगा। हाल में वह जर्मनी के कोच क्लॉस बार्टोनिट्ज से अलग हो गये जिन्होंने पारिवारिक प्रतिबद्धताओं का हवाला देते हुए स्टार भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी के साथ अपनी पांच साल की साझेदारी समाप्त कर दी।

ट्रंप ने सूसी विल्स को चीफ ऑफ स्टाफ नियुक्त किया

वॉशिंगटन। हाल ही में अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने आगामी प्रशासन के लिए सूसी विल्स को व्हाइट हाउस चीफ ऑफ स्टाफ नियुक्त किया है। सूसी इस पद पर नियुक्त होने वाली पहली महिला हैं, जिससे यह नियुक्ति ऐतिहासिक बन गई है। ट्रंप ने अपने बयान में सूसी को 'कठोर, बुद्धिमान और नवोन्मेषी' बताया और कहा कि उन्हें इसमें कोई संदेह नहीं है कि सूसी अमेरिका को गौरवान्वित करेंगी। ट्रंप की यह घोषणा उनकी टीम में महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियों की शुरुआत को दर्शाती है, और यह निर्णय उनकी सरकार की दिशा और कार्यप्रणाली का संकेत देता है। सूसी विल्स का करियर कई दशकों से अमेरिकी राजनीति में सक्रिय है। वह नेशनल फुटबॉल लीग के प्रसिद्ध खिलाड़ी और खेल प्रसारक पैट समरॉल की बेटी हैं और उन्होंने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत 1970 के दशक में न्यूयॉर्क रिपब्लिकन जैक केम्प के वाशिंगटन कार्यालय से की थी। इसके बाद, 1980 के दशक में सूसी ने रोनाल्ड रीगन के राष्ट्रपति चुनाव अभियान में भूमिका निभाई, जिससे उनकी राष्ट्रीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण पहचान बनी। रीगन के अभियान के बाद वह फ्लोरिडा चली गईं, जहां उन्होंने जैक्सनविले के मेयरों और कई अन्य रिपब्लिकन नेताओं को सलाह दी और चुनावी अभियानों में सफलता हासिल की।

ट्रंप की जीत के बाद अमेंरिका छोड़ना चाहती हैं एलन मस्क की बेटी

वॉशिंगटन। अरबपति एलन मस्क की बेटी विवियन जेना विल्सन ने अमेरिका छोड़ने की बात कही है।चुनाव नतीजे के बाद ट्रांसजेंडर बेटी ने पोस्ट किया, मैंने कुछ समय पहले यह सोचा था, मगर अब इसकी पुष्टि भी हो गई है। मैं संयुक्त राज्य अमेरिका में अपना भविष्य नहीं देखती हूं। इसलिए अमेरिका छोड़ रही हूं। बता दें कि अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की व्हाइट हाउस में वापसी के लिए उनके सबसे प्रमुख समर्थकों में से एक एलन मस्क रहे हैं। ट्रंप की जीत में उनका अहम योगदान माना जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के सबसे अमीर आदमी ने फ्लोरिडा में ट्रंप के साथ उनके मार-ए-लागो रिसॉर्ट में चुनावी रात बिताई। ट्रंप की जीत लगभग निश्चित दिखाई देने के बाद मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, अमेरिका के लोगों ने डोनाल्ड ट्रंप को आज रात बदलाव के लिए स्पष्ट जनादेश दिया।मस्क से अलग हो चुकी बेटी ने राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद यह कसम खाई। उन्होंने कहा कि भले ही वह केवल 4 साल के लिए पद पर रहें। भले ही ट्रांस-विरोधी नियम लागू न हों। जिन लोगों ने स्वेच्छा से इसके लिए मतदान किया, वे जल्द नहीं बदलने वाले हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पाम बीच कन्वेंशन सेंटर में अपने विजय भाषण में डोनाल्ड ट्रंप ने मस्क की प्रशंसा की थी। उन्होंने मस्क की कंपनियों में से एक स्पेसएक्स की ओर से निर्मित रॉकेट की सफल लैंडिंग को याद करते हुए कई मिनट बिताए। बता दें कि एलन मस्क के बेटे जेवियर ने साल 2022 में 18 साल की उम्र पार करने के बाद अपना जेंडर बदलवाया था। इसके बाद जेवियर ने अपना नाम विवियन जेना विल्सन रखा लिया था। इसे लेकर मस्क ने एक इंटरव्यू में कहा था कि जेंडर बदलवाने की सर्जरी ने उनसे उनके बेटे को अलग कर दिया। इसके जवाब में विवियन कहा, मस्क का कहना था कि मैं एक लड़की नहीं हूं। मैं उनके लिए मर चुकी हूं।

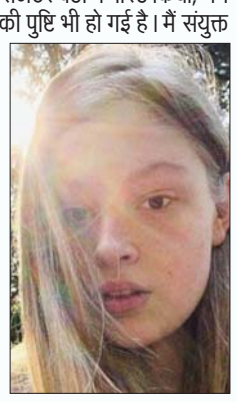

चीन दुनिया को दिखाएगा अपनी सैन्य ताकत,एचक्यू-19 एंटी बैलिस्टिक मिसाइल का होगा प्रदर्शन

बीजिंग। वैश्विक हथियारों की होड़ में चीन का पांचवीं पीढ़ी का जे-35ए फाइटर जेट पहले से ही सुर्खियों में है। अब चीन एक और आधुनिक हथियार का प्रदर्शन करने जा रहा है। आगामी झुहाई एयर शो (12-17 नवंबर) में चीन एचक्यू-19 एंटी बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम का प्रदर्शन करेगा, जिसे अमेरिका के टीएचएएडी (टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एयर डिफेंस) का विकल्प माना जा रहा है। चीन मीडिया के अनुसार, इस एयर शो में जे-35ए स्टील्थ फाइटर जेट भी लोगों का ध्यान खींचेगा। एचक्यू-19 के बारे में माना जा रहा है कि यह बाहरी वायुमंडल में ही बैलिस्टिक मिसाइलों को नष्ट कर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस सिस्टम का पहली बार परीक्षण 2021 में हुआ था और यह चीन की सैन्य सेवाओं में शामिल हो चुका है। इसकी सीमा 1000 से 3000 किलोमीटर तक होने का अनुमान है, जो इसे लंबी दूरी की रक्षा प्रणाली बनाता है। मिलिट्री विशेषज्ञों का मानना है कि एचक्यू-19 अमेरिकी और रूसी एस-400 के समकक्ष है। यह हिट-टू-किल तकनीक का उपयोग कर सकता है, जो मिसाइल को लक्ष्य पर सटीकता से मार गिराने की क्षमता देती है। इस तकनीक को अब तक अमेरिकी इंटरसेप्टर मिसाइलों के लिए प्रमुख माना जाता था। अमेरिकी रक्षा विभाग की 2020 और 2021 की रिपोर्टों में भी चीन के इस मिलिट्री प्रोग्राम का उल्लेख किया गया था, जिसमें इसे बैलिस्टिक मिसाइल सुरक्षा के लिए सक्षम प्रणाली बताया गया है। झुहाई एयर शो चाइना 2024, दक्षिण चीन के गुआंगडोंग प्रांत में आयोजित होने जा रहा है, और यह इस शो का 15वां संस्करण होगा। दुनियाभर के रक्षा विशेषज्ञ और देशों की नजरें इस शो पर होंगी, जहाँ चीन की आधुनिक रक्षा क्षमताओं का प्रदर्शन किया जाएगा।

देश के नागरिक प्रतिबद्धता के साथ फिर जुड़ें, हम स्वतंत्रता की रक्षा करेंगे

ट्रंप की जीत के बाद पत्नी मेलानिया ने अमेरिकियों से की एकता की बात

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति चुने जाने पर उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- अधिकांश अमेरिकियों ने हमें यह अहम जिम्मेदारी सौंपी है। हम अपने गणतंत्र की दिल से स्वतंत्रता की रक्षा करेंगे। एकता और देशवासियों की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि मैं उम्मीद करती हूं कि हमारे देश के नागरिक प्रतिबद्धता के साथ फिर से जुड़ेंगे और व्यक्तिगत स्वतंत्रता, आर्थिक समृद्धि, और सुरक्षा के लिए विचारधारा से ऊपर उठेंगे। बता दें कि बुधवार को डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव जीतकर इतिहास रच दिया है। वह हारने होने के बाद फिर चुने जाने वाले अमेरिका के दूसरे राष्ट्रपति बने गए हैं, इससे पहले यह रिकॉर्ड ग्रोवर क्लीवलैंड के पास था, जिन्होंने 1892 में दूसरी बार चुनाव जीते थे। डोनाल्ड ट्रंप 78 साल की उम्र में व्हाइट हाउस में कदम रखने वाले सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति होंगे। ट्रंप की यह जीत इसलिए खास है क्योंकि इस बार रिपब्लिकन पार्टी ने सीनेट में भी बहुमत हासिल कर लिया है। गुरुवार को फ्लोरिडा में अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी जीत का एलान किया और इसे अमेरिका का स्वर्ण युग बताया। उन्होंने कहा कि यह अमेरिकी लोगों के लिए एक शानदार जीत है, जो हमें अमेरिका को फिर से महान बनाने का अवसर देगी।

कैलीफोर्निया में एक पहाड़ी पर लगी आग के बीच ही उड़ता हुआ हेलीकॉप्टर।

ट्रंप के राष्ट्रपति बनने का चीन से संबंधों पर नहीं होगा असर

-पाकिस्तान ने कहा- अमेरिका हमारा मित्र व साझेदार

इस्लामाबाद (ईएमएस)। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के नए राष्ट्रपति के रूप में निर्वाचन से चीन के साथ पाकिस्तान के संबंधों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। अमेरिका पुराना मित्र व साझेदार है। यह बात पाकिस्तान के विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने कही। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप को बधाई दी है। अमेरिका के साथ हमारे संबंध दशकों पुराने हैं। हमें विश्वास है कि आने वाले समय में पाकिस्तान और अमेरिका के संबंध हर क्षेत्र में और भी मजबूत और व्यापक होंगे। प्रवक्ता ने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच रक्षा, व्यापार, शिक्षा और आपसी हित के कई अन्य क्षेत्रों में गहरा सहयोग है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अमेरिका के किसी भी नए राष्ट्रपति का चुनाव पाकिस्तान-चीन संबंधों पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं डालेगा, क्योंकि पाकिस्तान और चीन के बीच का संबंध आयरन ब्रदरहुड के रूप में स्थापित है। बलोच ने स्पष्ट किया कि चीन के साथ पाकिस्तान के संबंध ऐतिहासिक और रणनीतिक हैं। अमेरिका के साथ मजबूत संबंध होने के बावजूद, पाकिस्तान की चीन के प्रति नीतियों में किसी तरह का बदलाव नहीं आएगा। पाकिस्तान के इस रुख से यह साफ है कि वह चीन और अमेरिका दोनों के साथ संतुलित संबंध बनाए रखना चाहता है।

बांग्लादेश के हिंदू अल्पसंख्यकों में भय का माहौल

-हिंदुओं पर हमले के बाद भारत और अमेरिका ने जताई चिंता

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में हालही में हुए हमलों के चलते वहां के हिंदू अल्पसंख्यक समुदाय में भय का माहौल है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों की खबर पर भारत व अमेरिका ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश से चरमपंथी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने और हिंदू समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इन हमलों की निंदा करते हुए बांग्लादेश सरकार से हिंदुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि इस हिंसा के पीछे सोशल मीडिया पर फैलाई गई भड़काऊ पोस्ट्स का हाथ है। इन घटनाओं की गूंज अमेरिका तक भी पहुंची है। भारतीय-अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने अमेरिकी विदेश विभाग से आग्रह किया है कि वे बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। अमेरिकी विदेश विभाग ने उन्हें यह भरोसा दिलाया कि बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। बता दें कि बांग्लादेश के दक्षिण-पूर्वी बंदरगाह शहर चटगांव में एक मुस्लिम दुकानदार द्वारा इस्कॉन (इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉनशस्नेस) पर सोशल मीडिया पर भड़काऊ टिप्पणी के बाद हिंसा भड़क गई, जिससे कई लोग घायल हो गए और इलाके में तनाव फैल गया।

हिंदू समुदाय की सुरक्षा पर अंतरराष्ट्रीय दबाव

बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हो रही हिंसा ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ गई है। बांग्लादेश में छात्रों के नेतृत्व वाले आंदोलनों के दौरान मंदिरों पर हमले और तोड़-फोड़ की घटनाओं की बढ़ोतरी हुई है। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारत और अमेरिका के बीच सहयोग बढ़ता दिख रहा है, जिससे बांग्लादेश सरकार पर दबाव बन रहा है। स्थिति पर बांग्लादेश सरकार की कार्रवाई और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समर्थन के बाद उम्मीद है कि अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे ताकि इस समुदाय के लोगों में सुरक्षा का भाव लौट सके।

पुतिन ने ट्रंप को जीत पर दी बधाई, बातचीत को तैयार

-अमेरिका के प्रति बदल रहा नजरिया

मास्को (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिकी राष्ट्रपति बनने पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बधाई देते हुए कहा कि मॉस्को रिपब्लिकन पार्टी के डोनाल्ड ट्रंप के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं। सूत्रों की माने तो ट्रंप के आने से अमेरिका के प्रति पुतिन का नजरिया बदल सकता है। पुतिन ने कहा, मैं इस मौके पर अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप की जीत पर उन्हें बधाई देता हूं। मैंने पहले भी कहा था कि हम किसी भी राष्ट्र प्रमुख के साथ काम करेंगे जिस पर अमेरिकी लोगों को भरोसा है। डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद पुतिन की यह पहली सार्वजनिक टिप्पणी थी। उन्होंने 14 जुलाई को पेंसिल्वेनिया की चुनावी रैली में ट्रंप की हत्या के प्रयास के दौरान साहस दिखाने के लिए उनकी तारीफ की। ट्रंप की हत्या के प्रयास पर उन्होंने कहा, मेरी राय में उन्होंने बहुत सही बर्ताव किया। एक असली आदमी की तरह साहस दिखाया। पुतिन ने यूक्रेन संकट को समाप्त करने में मदद करने के लिए रूस से संबंधों को बहाल करने की उनकी इच्छा का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ट्रंप की टिप्पणियां कम से कम ध्यान देने योग्य हैं।

आइए जानते हैं यूक्रेन युद्ध को लेकर ट्रंप का रुख

ट्रंप कीव और मॉस्को को युद्ध विराम के लिए मजबूर करने कर सकते हैं। इसे लेकर कोई स्थायी समझौता भी हो सकता है। इसमें रूस के कब्जे वाले क्षेत्रों के लिए एक व्यवस्था होगी, जहां 2014 में क्रीमिया का विलय और फरवरी 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से कब्जा किए गए क्षेत्र शामिल हैं। संभावना है कि ट्रंप भविष्य में यूक्रेन को नाटो का सदस्य बनने से रोकने के लिए रूसी राष्ट्रपति पुतिन की मांगों को स्वीकार कर लें। नाटो के प्रति ट्रंप के नकारात्मक रवैये के मद्देनजर यह कीव के यूरोपीय सहयोगियों पर भी महत्वपूर्ण दबाव होगा। ट्रंप एक बार फिर यूरोपीय देशों को यूक्रेन के मुद्दे पर पुतिन के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए गठबंधन छोड़ने की धमकी दे सकते हैं।

अवैध प्रवासियों को अमेरिका से जाना होगा

-राष्ट्रपति चुने जानें के बाद डोनाल्ड ट्रंप का चुनावी वादे पर जोर

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी चुनावी वादों में शामिल अवैध प्रवासियों को देश से वापस भेजने के मुद्दे पर जोर देते हुए कहा कि उनका उद्देश्य अमेरिकी सीमा को मजबूत और शक्तिशाली बनाना है, ताकि केवल वैध तरीके से प्रवासियों का प्रवेश हो सके। अवैध प्रवासियों को अमेरिका से जाना होगा।

नवनिर्वाचित ट्रंप ने कहा, हम चाहते हैं कि लोग हमारे देश में आएं, लेकिन यह वैध तरीके से होना चाहिए। राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद अपने पहले इंटरव्यू में ट्रंप कहा कि वह किसी को देश में घुसने से नहीं रोकते, बल्कि वह चाहते हैं कि सभी लोग कानूनी तरीके से आएं। जब उनसे अवैध प्रवासियों को देश से बाहर भेजने में आने वाली लागत के बारे में सवाल किया गया, तो ट्रंप ने कहा कि इसके लिए लागत कोई मुद्दा नहीं है। उन्होंने कहा, लोगों ने हत्या की है, ड्रग माफियाओं ने देशों को नष्ट कर दिया है, इसलिए ऐसी स्थिति में वापस भेजने की कीमत कोई बड़ा सवाल नहीं है।

बाइडेन व कमला के साथ बातचीत को सम्मानजनक बताया

ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ अपनी बातचीत को बहुत अच्छी और बहुत सम्मानजनक बताया। उन्होंने कहा कि उन्हें बाइडेन के साथ लंच करने की उम्मीद है, जो अमेरिका के राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण होगा। ट्रंप ने यह भी बताया कि उन्होंने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की सहित 70 विश्व नेताओं से बातचीत की है, लेकिन रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से अभी तक नहीं।

ऑस्ट्रेलिया का दौरा पूरा कर सिंगापुर पहुंचे विदेश मंत्री जयशंकर

सिंगापुर (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर शुक्रवार को सिंगापुर पहुंचे। वे ऑस्ट्रेलिया का सफल दौरा पूरा करने के बाद सिंगापुर पहुंचे हैं। इस यात्रा के दौरान उन्होंने सिंगापुर के उपप्रधानमंत्री और व्यापार एवं उद्योग मंत्री गान किम योंग से मुलाकात की, जिसमें औद्योगिक पार्क, हरित ऊर्जा, कौशल विकास, नवाचार और सेमीकंडक्टर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की गई। जयशंकर का यह दौरा भारत और सिंगापुर के बीच द्विपक्षीय साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के उद्देश्य से है। उनके सिंगापुर दौरे के दौरान आसियान (दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन) - इंडिया नेटवर्क ऑफ थिंक टैंक्स के आठवें गोलमेज सम्मेलन को भी संबोधित करेंगे। इस अवसर पर वे सिंगापुर के शीर्ष नेतृत्व के साथ मिलकर दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और अधिक मजबूत करने के मार्ग तलाशेंगे। सिंगापुर में जयशंकर ने ट्वीट करते हुए कहा, सिंगापुर के उपप्रधानमंत्री और व्यापार एवं उद्योग मंत्री गान किम योंग से मुलाकात कर सिंगापुर की यात्रा की शुरुआत की। जयशंकर की इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है, जिससे भारत और सिंगापुर की सामरिक साझेदारी को और अधिक विस्तार मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी के कूटनीतिक मिशन को बढ़ाते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर की यह यात्रा भारत की वैश्विक छवि को और अधिक सशक्त बनाने का प्रयास है, जिसमें भारत अपने मित्र देशों के साथ मिलकर विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य कर रहा है।

ट्रंप सरकार में प्रमुख चेहरे होंगे शामिल, भारतीय मूल के कश्यप बन सकते हैं सीआईए प्रमुख

वाशिंगटन (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर साबित कर कर दिया कि वह अमेरिका के राष्ट्रपति पद संभालने की ताकत रखते हैं उन्होंने इस चुनाव में दमदार वापसी की है। 34 आरोपों में दोषी पाए दिए जाने के बावजूद ट्रंप ने 292 निर्वाचक मंडल वोट हासिल किए हैं, जिसे अमेरिकी राजनीति में सबसे बड़ी वापसी माना जा रहा है। ट्रंप सरकार में कई प्रमुख चेहरों को अहम जिम्मेदारी मिलने की उम्मीद है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक भारतीय मूल के कश्यप काश पटेल विशेष रूप से चर्चाओं में है। ट्रंप उन्हें अमेरिका की सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी (सीआईए) का प्रमुख बना सकते हैं। वहीं स्कॉट बेसेंट को ट्रंप सरकार का प्रमुख आर्थिक सलाहकार नियुक्त किया जा सकता है। स्कॉट, न्यूयॉर्क स्थित स्क्वायर कैपिटल मैनेजमेंट के सीईओ रहे हैं और वित्तीय क्षेत्र में उनका अनुभव ट्रंप सरकार के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। रिचर्ड ग्रेनेल को विदेश नीति की जिम्मेदारी दी जा सकती है। ग्रेनेल की विदेश नीति में गहरी समझ और विदेशी नेताओं के साथ उनके अच्छे संबंध हैं। वह यूक्रेन में स्वायत्त क्षेत्र की स्थापना का समर्थन करने को लेकर भी चर्चा में रहे। डिफेंस की कमान माइक वाल्ट्ज को मिल सकती है। वाल्ट्ज अमेरिकी सेना में कर्नल हैं और ट्रंप के करीबी माने जाते हैं। उनका भारत के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण माना जाता है। वित्त मंत्रालय की कमान संभालने के लिए जॉन पॉलसन का नाम सबसे ऊपर है। साथ ही लैरी कुडलो, रॉबर्ट लाइटहाइजर और हावर्ड लुटनिक के नाम भी दावेदारों में शामिल हैं। इन नामों के साथ, ट्रंप अपनी नई सरकार में अनुभवी और वफादार सहयोगियों को अहम पदों पर नियुक्त कर सकते हैं।

235 साल बाद भी अमेरिका को नहीं मिल रही महिला राष्ट्रपति, उठने लगे सवाल

-भारत-पाकिस्तान समेत कई देशों में महिलाएं संभाल चुकी हैं देश की बागडोर

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव परिणामों ने एक बार फिर अमेरिका में महिला राष्ट्रपति बनने की संभावना को खत्म कर दिया है। रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप इस दौड़ में विजयी रहे हैं, जबकि डेमोक्रेट उम्मीदवार कमला हैरिस पीछे रह गईं। इस चुनाव ने अमेरिका के लोकतांत्रिक स्वरूप पर फिर सवाल उठ रहे हैं, खासकर महिला नेतृत्व को लेकर।

इतिहासकारों और राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विक्टोरिया वुडहुल 1872 में राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार बनने वाली पहली महिला थीं। अमेरिका को अब तक अपनी पहली महिला राष्ट्रपति नहीं मिल पाई है, जबकि देश में ज्यादातर उच्च पदों पर महिलाओं ने सफलता हासिल की है। यह 235 सालों से ज्यादा का समय हो चुका है, और अब तक कोई महिला अमेरिका का सर्वोच्च पद यानी राष्ट्रपति की कुर्सी पर नहीं बैठ पाई है।

अमेरिका में कई उच्च पदों पर महिलाएं रही हैं, जैसे संसद के दोनों सदनों में महिलाओं की उपस्थिति और कुछ महत्वपूर्ण मंत्रालयों में उनकी भूमिका रही है, लेकिन जब बात राष्ट्रपति पद की आती है, तो अमेरिका का रिकॉर्ड शून्य है। 2016 में हिलेरी क्लिंटन ने राष्ट्रपति पद के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा की थी, लेकिन वह ट्रंप से हार गईं थीं। हालांकि, उन्हें ट्रंप से करीब 28 लाख ज्यादा पॉपुलर वोट मिले थे, लेकिन इलेक्टोरल कॉलेज के बहुमत के कारण ट्रंप की जीत मिली थी।

इसके विपरीत अन्य देश इस मुद्दे पर अमेरिका से कहीं आगे हैं। 1960 में श्रीलंका ने सिरीमावो भंडारनायके को पीएम बनाकर इतिहास रचा था। वह दुनिया की पहली महिला थीं, जिन्हें किसी देश का प्रमुख चुना गया। इसके छह साल बाद भारत ने 1966 में इंदिरा गांधी को पीएम पद पर आसीन किया था। इंदिरा गांधी को आज भी भारत के सबसे ताकतवर प्रधानमंत्रियों में गिना जाता है। पाकिस्तान ने 1988 में बेनजीर भुट्टो को पीएम बनाकर महिलाओं को राजनीति में आगे बढ़ने का उदाहरण पेश किया था।

अमेरिका में महिलाओं की राजनीति में भागीदारी के बावजूद सर्वोच्च पद पर किसी महिला का न होना इस लोकतंत्र पर सवाल खड़े करता है। क्या अमेरिका अपनी पितृसत्तात्मक व्यवस्था से बाहर निकलकर एक महिला को राष्ट्रपति बनाने के लिए तैयार है? यह सवाल अब भी बना हुआ है, और इसके जवाब की तलाश अमेरिकी समाज को करनी होगी।

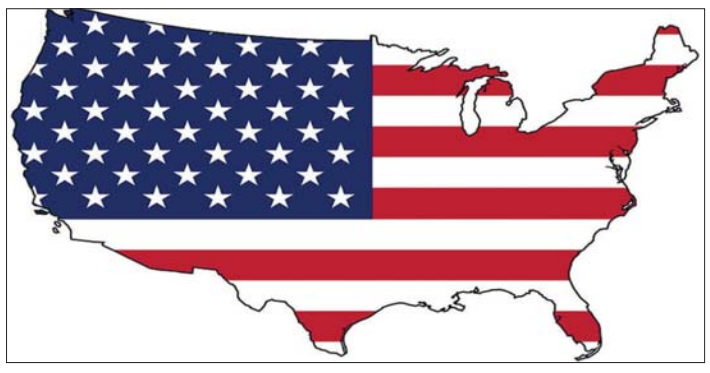

देश में महंगाई से ज्यादा, युद्ध और अपराधिक हिंसा की चिंता पहले नंबर पर

नई दिल्ली। भारत सहित दुनिया के सभी देशों में महंगाई बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। अभी तक महंगाई सबसे बड़ी चिंता बनी हुई थी। लेकिन अब महंगाई के स्थान पर युद्ध और अपराधिक घटनाओं में हिंसा बढ़ने की चिंता लोगों को सबसे ज्यादा हो गई है। वैश्विक मार्केट रिसर्च फॉर्म ईप्सोस ने जो सर्वे किया है। उसके अनुसार रूस यूक्रेन युद्ध के बाद जिस तरह की आशंका बनी है। भारत जैसे देशों में हिंसा और अपराध जिस तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। उसने लोगों की चिंताएं, महंगाई से हटाकर अपराध और हिंसा को लेकर चिंतित कर दिया है। भारत में किए गए सर्वे में 78त्न भारतीयों ने देश की मौजूदा आर्थिक स्थिति को बेहतर बताया है। दुनिया के अन्य देशों में 61 फ़ीसदी लोगों का मानना है,आर्थिक हालत खराब हो रही है। जापान में यह संख्या 86 फ़ीसदी पाई गई है। सारी दुनिया के देशों में सर्वे में एक बात नए रूप से सामने आई है। महंगाई से ज्यादा अब लोगों को अपराध,हिंसा और वैश्विक युद्ध की संभावना बनी हुई है। उसने चिंता में डाल दिया है। सर्वे में पहले नंबर पर युद्ध की आशंका अपराध और हिंसा माना गया है।दूसरे नंबर पर महंगाई को माना गया है।तीसरे नंबर पर गरीबी और असमानता को लेकर चिंता प्रकट की गई है। चौथे नंबर पर बेरोजगारी को लेकर चिंता जताई गई है। राजनीतिक भ्रष्टाचार को पांचवें नंबर पर सर्वे एजेंसी ने रखा है।

चुनाव से पहले महाराष्ट्र के मांडवी में पकड़ी गई 2.80 करोड़ रुपये से भरी एक वैन

मुंबई। मांडवी पुलिस ने कनेर चौकी चेक पोस्ट के पास एक वैन को रोका और उसमें से 2 करोड़ 80 लाख रुपये बरामद किए। बता दे कि महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव है और राजनैतिक दल चुनाव प्रचार में लगे हैं और वोटरों को प्रभावित करने में चुनावी वादे कर रहे हैं। बता दें कि भारत निर्वाचन आयोग ने अक्टूबर में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा की थी। महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों के लिए 20 नवंबर को मतदान होगा, जबकि 23 नवंबर को मतगणना की जाएगी। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के अनुसार, राज्य में कुल 9.63 करोड़ मतदाता हैं। पुलिस ने बताया कि वैन के कर्मचारियों से जब पूछताछ की गई, तो वे कैश के बारे में सही जानकारी देने में असमर्थ रहे, जिसके बाद पुलिस ने तुरंत चुनाव आयोग की टीम को सूचित किया और कैश को जब्त कर लिया। पुलिस ने बताया कि वैन में रखे गए इस कैश को लेकर कर्मचारियों ने दावा किया कि यह एटीएम में भरने के लिए ले जाया जा रहा था। कर्मचारियों के अनुसार, यह वैन सीएमएस कंपनी की थी, जो रोजाना विभिन्न बैंकों के एटीएम में कैश ट्रांसफर करती है। हालांकि, कर्मचारियों द्वारा सही जानकारी नहीं देने पर पुलिस ने मामले को गंभीर मानते हुए चुनाव आयोग को सूचित किया।

जोधपुर में ब्यूटीशियन का हत्यारा मुंबई से गिरफ्तार

जोधपुर। जोधपुर में ब्यूटीशियन अनीता चौधरी (50) की निर्मम हत्या के बाद शव के टुकड़े-टुकड़े कर उसे छिपाने के मामले में आरोपी गुलामुद्दीन फारूकी मुंबई से गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, गुलामुद्दीन पिछले नौ दिनों से फरार था और उसे वीपी रोड पुलिस थाने के अधिकारियों और राजस्थान पुलिस की संयुक्त टीम ने दक्षिण मुंबई से गिरफ्तार किया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि हत्या का मकसद अनीता के सोने के आभूषणों को लूटना था। गुलामुद्दीन ने अनीता को अक्टूबर के अंत में अपने घर बुलाकर उसकी हत्या की और फिर शव के टुकड़े कर उसे अपने घर के पास 10 फुट गहरे गड्ढे में छिपा दिया। इस दिल दहला देने वाली घटना का खुलासा 28 अक्टूबर को हुआ। पुलिस ने बताया कि अनीता के गायब होने के बाद जांच में यह जानकारी मिली कि वह आखिरी बार गुलामुद्दीन के घर गई थी। गुलामुद्दीन की पत्नी ने बताया था कि उसके पति ने ही हत्या को अंजाम दिया था। पुलिस ने उसकी पत्नी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। हत्या के बाद गिरफ्तारी से बचने के लिए गुलामुद्दीन मुंबई में छिपा हुआ था, लेकिन पुलिस ने उसकी जानकारी जुटाते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। इस मामले से क्षेत्र में दहशत का माहौल है और पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

सीएम सुक्खू के लिए मंगाए समोसे स्टाफ में बांट दिए, हो गया विवाद

-बीजेपी ने कसा तंज-सरकार को खानपान की चिंता, विकासात्मक कार्यों की नहीं

शिमला। हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू के लिए होटल से मंगवाए गए समोसे और केक को उनके स्टाफ में बांटने के बाद विवाद हो गया है। इस घटना पर बीजेपी ने प्रतिक्रिया दी है। बीजेपी का कहना है कि राज्य की जनता परेशान है, लेकिन सरकार को केवल सीएम के खानपान की चिंता है, न कि विकासात्मक कार्यों की। यह घटना 21 अक्टूबर को सीआईडी दफ्तर में सीएम सुक्खू के दौरे के दौरान हुई, जब एक होटल से सीएम के लिए समोसे और केक मंगवाया गया था। गलती से ये समोसे सीएम के बजाय उनकी सुरक्षा टीम को बांट दिए गए। इस गड़बड़ी के बाद सीआईडी ने जांच शुरू की और इसको सरकार विरोधी कृत्य बताया। बीजेपी विधायक और मीडिया विभाग के प्रभारी रणधीर शर्मा ने इस घटना पर तंज कसते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश की जनता गंभीर समस्याओं से जूझ रही है और सरकार को केवल सीएम के समोसे की चिंता है। यह हास्यास्पद है कि सरकार का ध्यान विकास कार्यों पर नहीं, बल्कि छोटे से मुद्दे पर है। सीआईडी जांच में पता चला है कि समोसे और केक के तीन डिब्बे होटल से मंगवाए गए थे, लेकिन डिप्टी एसपी रैंक के अधिकारी ने इस आदेश को सही तरीके से लागू नहीं किया। एसआई और एएसआई को नाश्ता लाने का काम सौंपा गया था, लेकिन उन्हें यह स्पष्ट नहीं था कि ये डिब्बे सीएम के लिए हैं। पर्यटन विभाग के कर्मचारियों से इस बारे में सलाह ली, लेकिन उन्हें बताया गया कि यह मेनू का हिस्सा नहीं है, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हुई। जांच में यह भी सामने आया कि महिला इंस्पेक्टर ने वरिष्ठ अधिकारी से पुष्टि किए बिना इन डिब्बों को मैकेनिकल ट्रांसपोर्ट सेक्शन को भेज दिया।

भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर ने कनाडा को सबक सिखाने बनाया मास्टर प्लान

- फाइव-आइज देशों के सहयोग से पीएम ट्रूडो पर बनाया जाएगा दबाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और कनाडा के बीच तनाव बना हुआ है, जब कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने भारत को अपने दुश्मन देशों की सूची में डाल दिया है। इस पर भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कनाडा को सबक सिखाने मास्टर प्लान तैयार किया है। जयशंकर जो भारत की विदेश नीति के प्रमुख रणनीतिकार माने जाते हैं, इस समय वैश्विक कूटनीति में सक्रिय हैं और उनका मुख्य लक्ष्य कनाडा पर दबाव बनाना है।

जयशंकर की रणनीति में फाइव-आइज देशों का सहयोग महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। फाइव-आइज एक खुफिया संगठन है, जिसमें अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और यूनाइटेड किंगडम (यूके) शामिल हैं। इन देशों के बीच खुफिया जानकारी का आदान-प्रदान होता है और जयशंकर का मानना है कि इन देशों के जरिए से कनाडा पर दबाव डाला जा सकता है।

विशेष रूप से अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पीएम नरेंद्र मोदी के बीच मजबूत रिश्ते को ध्यान में रखते हुए जयशंकर यह उम्मीद करते हैं कि ट्रंप के समर्थन से कनाडा पर प्रभाव डाला जा सकता है। कनाडा में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर और ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग की प्रेस कॉन्फ्रेंस का प्रसारण हुआ था। भारत ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और यह मामला कनाडा के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर परेशानी का कारण बन सकता है। ऑस्ट्रेलिया के साथ भारत के संबंध बेहद मजबूत हैं, और ऐसी घटनाएं कनाडा के लिए मुश्किलें पैदा कर सकती है।

ब्रिटेन जो कि फाइव-आइज का सदस्य है, कनाडा के रुख को लेकर पहले भारतीय पक्ष में नहीं था, लेकिन भारत के कड़े रुख के बाद ब्रिटेन ने कनाडा से हरदीप सिंह निज्जर हत्या की जांच में सहयोग की मांग की। भारत और ब्रिटेन के बीच अच्छे संबंध हैं, और यह स्थिति ब्रिटेन को भारत के पक्ष में लाने में मददगार साबित हो सकती है।

इस समय न्यूजीलैंड की स्थिति तटस्थ है और इसका भारत की कूटनीतिक रणनीति पर ज्यादा असर नहीं दिखता है। हालांकि, जयशंकर की प्राथमिकता फाइव-आइज के प्रमुख देशों के जरिए कनाडा पर दबाव बनाने की है ताकि भारत के हितों की रक्षा की जा सके। इस तरह जयशंकर की रणनीति कनाडा पर कूटनीतिक दबाव बनाने की ओर अग्रसर है, और भारत की विदेश नीति में यह एक अहम मोड़ साबित हो सकता है।

जगदंबिका पाल के कर्नाटक दौरे पर ओवैसी ने उठाए सवाल

हैदराबाद। एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने वक्फ संशोधन विधेयक पर संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष जगदंबिका पाल के कर्नाटक दौरे पर सवाल उठाए हैं। ओवैसी ने कहा कि समिति का काम केवल वक्फ विधेयक का अध्ययन करना है, न कि अन्य मसलों पर ध्यान देना। उन्होंने यह भी कहा कि लोकसभा अध्यक्ष को इस मुद्दे का संज्ञान लेना चाहिए और समिति के एकपक्षीय रवैये पर कार्रवाई करनी चाहिए। ओवैसी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, वक्फ विधेयक 2024 पर संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष ने हालही में कर्नाटक में कुछ स्थानीय मुद्दों के संबंध में दौरा किया। यह समिति का काम नहीं है। उनका कार्य केवल विधेयक का अध्ययन करना है। उन्होंने यह भी कहा कि समिति पहले ही कर्नाटक में परामर्श कर चुकी है और अब इस मुद्दे को उठाना अनुचित है।

किसानों की शिकायत- हमारी भूमि को बता रहे वक्फ की संपत्ति

जगदंबिका पाल को कर्नाटक के उत्तरी जिलों के किसानों से 500 से अधिक याचिकाएं मिलीं। किसानों ने आरोप लगाया कि उनकी निजी भूमि को वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किया गया है, जिससे उनकी संपत्तियों पर संकट मंडरा रहा है। इस पर सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा कि यह मामला किसानों के लिए गंभीर है और उनकी शिकायतों का सही तरीके से समाधान किया जाना चाहिए। यह विवाद उस समय सामने आया है जब वक्फ विधेयक 2024 पर संसद में चर्चा जारी है। अब देखना यह होगा कि लोकसभा अध्यक्ष इस मामले पर क्या कदम उठाते हैं।

'संडे मार्केट' ग्रेनेड हमला मामले में बड़ा एक्शन, लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर (एजेंसी)। लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े तीन आतंकी सहयोगियों को श्रीनगर में ग्रेनेड हमले में उनकी कथित संलिप्तता के लिए शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था। इस हमले में सुरक्षा बलों को निशाना बनाया गया और 12 नागरिक घायल हो गए। पुलिस महानिरीक्षक कश्मीर जोन वीके बर्डी ने कहा कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान उसामा यासीन शेख, उमर फैयाज शेख और अफनान मंसूर शेख के रूप में की गई है। तीनों शहर के इखराजपोरा इलाके के हैं। अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने तीन आतंकी सहयोगियों की गिरफ्तारी के साथ मामले को सुलझा लिया है।

बिरदी ने यह भी बताया कि यह हमला पाकिस्तान स्थित आतंकी आकाओं के इशारे पर किया गया था, जिनका उद्देश्य क्षेत्र में शांति और शांति को भंग करना था। तीनों आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ यूएपीए [गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम] के तहत मामला दर्ज किया गया है। आतंकवादियों ने क्षेत्र में तैनात सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के प्रयास में एक साप्ताहिक कबाड़ी बाजार में एक फ्लाईओवर से हथगोले फेंके। ग्रेनेड एक अर्धसैनिक वाहन के पास गिरे और फट गए, जिससे 12 नागरिक घायल हो गए।

रविवार का हमला जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमलों और मुठभेड़ों की एक श्रृंखला की पृष्ठभूमि में हुआ, जब 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद पहली निर्वाचित सरकार ने 16 अक्टूबर को शपथ ली थी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सुरक्षा बलों से क्षेत्र में सक्रिय आतंकवादी संगठनों को जोरदार जवाब देने और उन्हें कुचलने के लिए कहा था।

एनसीपी नेता अजित पवार ने योगी के हिंदुत्ववादी बयानों से किया किनारा

-कहा-बीजेपी स्टार प्रचारकों से नहीं कराएंगे चुनाव प्रचार, मोदी-शाह की रैली भी नहीं

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव को लेकर एनसीपी के अध्यक्ष अजित पवार ने चुनावी रणनीति को लेकर कुछ फैसले लिए हैं। उन्होंने बीजेपी के स्टार प्रचारक योगी आदित्यनाथ के हिंदुत्ववादी बयानों से किनारा कर लिया है और अब उन्होंने पीएम मोदी से भी अपनी विधानसभा बारामती में प्रचार करने की अपील नहीं की है। अजित पवार का कहना है कि बारामती में परिवार के बीच ही चुनावी लड़ाई है, क्योंकि वह अपने भतीजे युगेंद्र पवार के खिलाफ चुनाव मैदान में हैं।

अजित पवार ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी ने बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं, जैसे अमित शाह को अपनी चुनावी सभाओं से दूर रखने का फैसला लिया है। उनका मानना है कि प्रचार के लिए समय की कमी और चुनाव खर्च की सीमा को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है। इसके अलावा उनका यह भी कहना है कि बारामती में बीजेपी नेताओं के हिंदुत्ववादी बयान से उनकी पार्टी के वोटर नाराज हो सकते है, इसलिए उन्होंने इसे टालने का फैसला लिया है।

पीएम मोदी का चुनावी अभियान शुक्रवार से शुरू हो गया है और वह 9 नवंबर को अकोला और नांदेड़ में रैलियां करेंगे। साथ ही बीजेपी के अन्य नेता जैसे अमित शाह भी चुनावी सभाओं में हिस्सा लेंगे, लेकिन अजित पवार की रणनीति के तहत इन नेताओं को उनकी पार्टी के चुनावी क्षेत्रों से दूर रखा जाएगा। अजित ने अपनी चुनावी स्थिति को लेकर आत्मविश्वास दिखाते हुए कहा कि वह बारामती में अपनी जीत को लेकर पूरी तरह से निश्चिंत हैं और उम्मीद जताई कि जीत का अंतर बड़ा होगा।

2019 के राज्य चुनावों में उन्होंने रिकॉर्ड 1.65 लाख वोटों से जीत हासिल की थी, लेकिन बीजेपी के साथ गठबंधन के बाद उन्हें कुछ परंपरागत वोटरों से नुकसान हुआ था। अब वह महायुति के साथ रणनीतिक रूप से हैं, लेकिन अपनी पारंपरिक वोट बैंक को नाराज नहीं करना चाहते हैं। अजित पवार की यह रणनीति आगामी चुनावों में उनके लिए कितनी फायदेमंद साबित होगी, यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

मरियम के आह्वान के बाद 'जलवायु कूटनीति' पर पाकिस्तान से कोई संदेश नहीं मिला

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सीएम मरियम ने भारत के साथ मिलकर वायु प्रदूषण के मुद्दे को सुलझाने के लिए जलवायु कूटनीति का आह्वान करने कुछ दिन बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस मामले पर इस्लामाबाद की ओर से अभी तक कोई औपचारिक संदेश नहीं मिला है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सीएम मरियम नवाज ने हाल में भारत के साथ जलवायु कूटनीति का आह्वान किया और कहा कि वह जल्द ही भारत में पंजाब के सीएम भगवंत मान को संयुक्त रूप से धुंध के मुद्दे पर हल निकालने के लिए पत्र लिखेंगी। सीमा के दोनों तरफ के शहरों को प्रभावित करने वाले वायु प्रदूषण के मुद्दे से संबंधित प्रश्न का संदर्भ देते हुए जायसवाल ने कहा कि जलवायु कूटनीति पर आपके प्रश्न के संबंध में अभी तक हमें पाकिस्तान की ओर से कोई औपचारिक संदेश नहीं मिला है।

बिहार सीएम नीतीश के बेटे की सादगी और विनम्रता ने लोगों का दिल जीता

- वीडियो वायरल, लोगों बोले- निशांत, नीतीश कुमार की फोटो कॉपी

पटना (एजेंसी)। बिहार के सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार इन दिनों सुर्खियों में हैं। निशांत का एक वीडियो इंस्टाग्राम पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह एक दुकान पर स्पीकर खरीदते नजर आ रहे हैं। जब मीडिया ने उन्हें घेर लिया और सवाल-जवाब शुरू किए, तो निशांत ने अपनी सादगी और विनम्रता से लोगों का दिल जीत लिया।

यह वीडियो लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया है और सोशल मीडिया पर उनकी सादगी की खूब तारीफ हो रही है। एक यूजर ने लिखा- ये है रियल सुपुत्र, तो वहीं दूसरे ने कहा कि मां कसम दिल जीत लिया राधे-राधे। एक ने निशांत को अति सुंदर और अच्छे विचारों वाला बताया। सिद्धार्थ जैन ने कमेंट करते हुए लिखा- इस बेटे का बहुत बड़ा योगदान है, क्योंकि उनके कारण कभी भी नीतीश कुमार के राजनीतिक जीवन पर परिवारवाद का सवाल नहीं उठा।

निशांत के बारे में कहा जा रहा है कि वह राजनीति से दूर हैं और कभी भी कोई राजनीतिक बयानबाजी नहीं करते हैं। वह बचपन से पढ़ाई में तेज हैं और अपनी सादगी के लिए पहचाने जाते हैं। एक यूजर ने टिप्पणी की हमें तो लगता है कि उन्हें राजनीति में आना चाहिए। तेजस्वी यादव और निशांत के बीच राजनीति में टक्कर हो सकती है। वहीं कुछ लोगों ने निशांत को नीतीश कुमार की फोटो कॉपी बताया है। इससे पहले यह खबरें आई थीं कि निशांत राजनीति में एंट्री कर सकते हैं, लेकिन उन्होंने इन अटकलों को सिरे से खारिज कर कहा था कि उनकी राजनीति में रुचि नहीं हैं। उनका ज्यादा समय धर्म और अध्यात्म में गुजरता है। निशांत कुमार का यह वीडियो यह साबित करता है कि वह अपनी सादगी और नेक विचारों के कारण लोगों के दिलों में खास स्थान रखते हैं, और उनके पिता के राजनीतिक करियर पर भी उनका सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

रुपया डॉलर के मुकाबले कमजोर, यह नोटबंदी की असफलता का नतीजा : अखिलेश

-नोटबंदी के 8 साल पूरे होने पर सपा प्रमुख ने बीजेपी सरकार को घेरा

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने नोटबंदी के 8 साल पूरे होने पर बीजेपी सरकार को घेरा। अखिलेश ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट में लिखा- नोटबंदी को भारतीय अर्थव्यवस्था के इतिहास में एक काला अध्याय है। उन्होंने कहा कि नोटबंदी की नाकामयाबी का असर अब तक महसूस किया जा रहा है, और एक दिन पहले ही रुपया डॉलर के मुकाबले अपनी सबसे कमजोर स्थिति में पहुंच गया है। उन्होंने सवाल किया कि क्या यह नोटबंदी की असफलता का नतीजा है, या फिर बीजेपी की नकारात्मक नीतियों का परिणाम?

सपा प्रमुख ने पूछा कि क्या अब बीजेपी यह कहेगी कि रुपया डॉलर के मुकाबले गिरा नहीं है, बल्कि डॉलर ऊपर उठ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को अनर्थव्यवस्था में बदल दिया है। उन्होंने आगे कहा कि रुपया कहे, आज का, नहीं चाहिए बीजेपी।

गौरतलब है कि 8 नवंबर 2016 को पीएम नरेंद्र मोदी ने 500 और 1000 रुपए के पुराने नोटों को चलन से बाहर कर दिया था, जिससे पूरे देश में बैंकों और एटीएम के बाहर लंबी-लंबी कतारें लग गई थीं। इसका मुख्य उद्देश्य कालाधन पर नियंत्रण और डिजिटल इकोनॉमी को बढ़ावा देना बताया था लेकिन नोटबंदी के फैसले की व्यापक आलोचना हुई और इसका असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप कई लोगों को रोजगार से हाथ धोना पड़ा और व्यापार में नुकसान उठाना पड़ा था।

तीन करोड़ लोगों ने एक दिन में किया ट्रेन में सफर, रेलवे ने रचा इतिहास

-त्योहारी सीजन के चलते रेल यात्रियों की संख्या में भारी बढ़ोतरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में ट्रेनों में रोज लाखों यात्री सफर करते हैं और इसमें आए दिन इजाफा हो रहा है। भारतीय रेलवे ने 4 नवंबर 2024 को एक नया रिकॉर्ड बनाया है, जिसमें तीन करोड़ से ज्यादा यात्री ट्रेन से यात्रा करने के लिए बोर्डिंग करते थे। यह भारतीय रेल के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है और रेल मंत्रालय ने इसे देश के रेल परिवहन के इतिहास में मील का पत्थर बताया है।

रेल मंत्रालय के मुताबिक 4 नवंबर को कुल 120.72 लाख नॉन-सबअर्बन यात्रियों ने यात्रा की। इसमें 19.43 लाख यात्री आरक्षित और 101.29 लाख यात्रियों ने अनारक्षित श्रेणी में सफर किया। इसके अलावा 180 लाख सबअर्बन यात्रियों को भी सफर कराया गया, जिससे कुल संख्या तीन करोड़ के आंकड़े को पार हो गई। इस उपलब्धि को हासिल करने का समय विशेष महत्व रखता है क्योंकि यह भारतीय रेल के व्यस्ततम महीनों में से एक था, जब त्योहारी सीजन के चलते यात्रियों की संख्या में भारी बढ़ोतरी हुई है। दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ पूजा जैसे त्योहारों के दौरान लाखों लोग एक राज्य से दूसरे राज्य की यात्रा करते हैं और ऐसे में ट्रेन यात्रा का सबसे लोकप्रिय विकल्प है।

भारतीय रेलवे ने यात्रियों की भारी संख्या को संभालने के लिए विशेष उपाय किए। खासकर त्योहारी सीजन में। रेलवे बोर्ड ने 1 अक्टूबर से 30 नवंबर तक 7,663 स्पेशल ट्रेन सेवाएं चलाई हैं, जो पिछले साल की तुलना में 73 फीसदी ज्यादा हैं। यह कदम यात्रियों की बढ़ती संख्या को व्यवस्थित करने और उन्हें बेहतर सुविधा देने के लिए उठाया है। भारतीय रेलवे का यह रिकॉर्ड और प्रयास उसकी परिचालन कुशलता और यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।